नीलू प्रिंटिंग प्रेस
हर प्रकार की वेब ऑफसेट एक रंगीन या बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए नोएडा में एक मात्र स्थान
ई 11, सेक्टर 7 नोएडा (यूपी)
फोन नं. : 9811157562

फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

दिल्ली, मंगलवार 8 सितंबर 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है
1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेंट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी
सम्पर्क करें- 9811157562
समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 23 अंक : 147 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश बोले-12 घंटे में मस्जिद गिराने की क्या जल्दी थी

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार दोपहर लखनऊ के प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान यूपी की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि सहारनपुर में 12 घंटे के अंदर मस्जिद गिरा दी गई, इतनी भी क्या जल्दी थी। सरकार बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 'पॉलिटिकल मेकअप' पर जनता का पैसा पानी की तरह बहा रही। अखिलेश ने कहा कि जो समाज में अच्छाई फैलाए, वही असली एआई (एआई) है। इसका इस्तेमाल सिर्फ अच्छे कामों के लिए होना चाहिए। जो लोग विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए नहीं। एआई से फर्जी वीडियो बनाएंगे, तो याद रखें कि वीडियो यहां से भी तैयार किया जा सकता है।

गुवाहाटी में पति ने पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा

दोनों हाथों की उंगलियां भी काटी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने शादी के कुछ ही महीनों बाद पत्नी की क्रूर हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। हत्या के बाद पति फरार हो गया। मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ जब, पड़ोसियों को घर से तेज बदबू आने लगी। शिकायत के बाद पुलिस अपार्टमेंट में पहुंची, पुलिस ने जब फ्लैट का ताला तोड़ा, तो कमरे में महिला का धड़ मिला। कमरे की तलाशी लेने पर फ्रिज में सिर मिला। महिला के दोनों हाथों की उंगलियां भी आधी कटी हुई थीं और शरीर सड़ना शुरू हो गया था।

36 हजार फीट पर प्लेन का ऑयल प्रेशर कम हुआ

नईदिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण एक इंजन के सहारे कोच्चि लौटना पड़ा और यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। मीडिया सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बोइंग 737 विमान अबू धाबी जा रहा था। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद पायलट ने इसके एक इंजन में ऑयल प्रेशर कम पाया। तब यह 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था। इंजन में ऑयल खतरनाक स्तर तक कम हो गया, तब दोनों पायलट ने इसे बंद करने का फैसला किया। वे एक इंजन सहारे ही कोच्चि लौटे। चूंकि विमान ने करीब दो घंटे की ही उड़ान भरी थी इसलिए इसमें फ्यूल ज्यादा था। ऐसे में यह ओवरवेट लैंडिंग थी, जो और भी जोखिम भरी होती है।

एअर इंडिया ने कहा, 'एक हफ्ते पहले हमारी कोच्चि-अबू धाबी की एक फ्लाइट ने तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वापस कोच्चि लौटने का फैसला किया था।

मछलियों में फैल रहे एक दुर्लभ कैंसर ने बढ़ाई वैज्ञानिकों की चिंता

क्या इंसानों में भी फैल सकता है यह कैंसर?

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैज्ञानिकों ने ब्राउन बुलहेड कैटफिश में दुनिया का पहला ऐसा कैंसर खोजा है जो एक जीव से दूसरे जीव में फैल सकता है। नेचर जर्नल में छपी रिसर्च के अनुसार, यह कैंसर मेलेनोमा (स्किन कैंसर) का एक प्रकार है जो अमेरिका-कनाडा बॉर्डर पर मौजूद एक झील की मछलियों में फैल रहा है। वैज्ञानिकों ने इस बात की पुष्टि की है कि नॉर्थ अमेरिकन ब्राउन बुलहेड कैटफिश में कैंसर सेल्स एक मछली से दूसरी मछली में फैल रहे हैं। नेचर में छपी यह स्टडी मीठे पानी के इकोसिस्टम में पाया गया पहला और जंगली जीवों में पाया गया चौथा ऐसा कैंसर है जो एक जीव से दूसरे जीव में फैल सकता है।

आम कैंसर जो किसी इंसान के अपने सेल्स से होते हैं, उनसे अलग, फैलने वाले कैंसर लगभग पैरासाइट की तरह काम करते हैं. कैंसर सेल्स एक होस्ट को छोड़कर दूसरे पर हमला करते हैं और बढ़ते रहते हैं। ऐसे कैंसर नेचर में बहुत कम होते हैं और पहले सिर्फ कुत्तों, तस्मानियन डेविल्स और कुछ शेलफिश स्पीशीज में ही रिपोर्ट किए गए थे। हालांकि, कैटफिश में यह खोज जानवरों में पहचाने गए नेचुरली होने वाले फैलने वाले कैंसर का सिर्फ चौथा मामला है। इस खोज ने सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े एक अहम सवाल को फिर से खड़ा कर दिया है, क्या इस तरह का कैंसर इंसानों में भी फैल सकता है? वैज्ञानिकों का जवाब है नहीं, इंसानों में कैंसर छूने, खाना शेयर करने, मरीज की देखभाल करने, खांसने या किसी भी तरह के रेगुलर सोशल कॉन्टैक्ट से नहीं फैलता है। हमारा इम्यून सिस्टम बाहरी सेल्स को पहचानने और खत्म करने के लिए बना है, जिसमें दूसरे इंसान के कैंसर सेल्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, लोगों के बीच जेनेटिक अंतर मजबूत बायोलॉजिकल रुकावटें बनाते हैं जो ऐसे सेल्स को नए होस्ट में जिंदा रहने से रोकते हैं। इसके अलावा, यह ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) और हेपेटाइटिस बी जैसे संक्रमणों से जुड़े कैंसर से बहुत अलग है। एचपीवी और हेपेटाइटिस बी जैसे वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकते हैं। इन वायरस से होने वाला कैंसर संक्रामक नहीं होता है. यह कैंसर दूसरे व्यक्ति को नहीं होता है। समय के साथ, ये संक्रमण कुछ कैंसर के खतरे को बढ़ा सकते हैं, जैसे गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, कुछ सिर और गर्दन के कैंसर और लिवर कैंसर।

आज भी भारत में कैंसर से जुड़े कई मिथक, अंधविश्वास और सामाजिक कलंक मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस खोज को सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के बजाय एक वैज्ञानिक सफलता के रूप में देखा जाना चाहिए। यह अध्ययन शोधकर्ताओं को कैंसर के विकास और उस पर प्रतिरक्षा प्रणाली की प्रतिक्रिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है, लेकिन यह इस तथ्य को नहीं बदलता है कि कैंसर मनुष्यों में एक गैर-संचारी रोग है।

मप्र-सागर में जहरीली शराब मामला

तीन और मरीजों की मौत

● अब तक 22 मौतों का दावा, आंकड़ों पर प्रशासन मौन ● 112 की हालत बिगड़ी, सागर-भोपाल में भर्ती; शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार

भोपाल/सागर (एजेंसी)। सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है।वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।

परिजन बोले- शराब पीने के बाद बिगड़ी तबीयत- जहरीली शराब से मरने वाले महेश के भतीजे श्रवण कुमार रावत ने बताया कि चाचा ने कल शाम को शराब पी थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी।

एक शख्स ने पूछा था- जहरीली शराब तो नहीं है

बंडा थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, फरियादी अनूप सिंह लोधी ने बताया कि उसके गांव में करीब 8 लोग अवैध रूप से शराब बेचते हैं। 4 सितंबर को वह अपने भतीजे राजेंद्र लोधी के साथ जुझार लोधी की दुकान पर गया था। जुझार ने बताया कि बरेठी के लाइसेंसी शराब ठेकेदार यशवंत सिंह, मनीष लोधी और बंडा निवासी आशीष साहू ने आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रविंद्र, रोहित, अनिकेत गंधर्व और माखन के माध्यम से अपनी गाड़ी से नया सस्ता ब्रांड भेजा है। उसने कहा कि यह शराब दुकान से 20 रुपए सस्ती मिलेगी।

दिल्ली 5 मंजिला बिल्डिंग हादसा

अब तक 7 मौतें, मालिक राजस्थान से हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू टीम ने सोमवार सुबह मलबे से एक और शव निकाला। उधर 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू डॉग और कैमरे के सहायता से लोगों की तलाश की जा रही है।

सत्य निकेतन की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, एमसीडी- और डीयू जिम्मेदार: हाईकोर्ट

दिल्ली हाईकोर्टदिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में हुए दर्दनाक इमारत हादसे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गहरी नाराजगी और दुख जताया है। अदालत ने सोमवार को इस घटना को बेहद

दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि इसके लिए केवल इमारत के मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि रविवार को हुए इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

स्वच्छता वायु सर्वेक्षण 2026 में लखनऊ ने बाजी मारी, इंदौर को पछाड़ा

टॉप 5 में मप्र रहा, 21वें स्थान पर दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस बार के नतीजों में यूपी की राजधानी लखनऊ ने बाजी मार ली है। वहीं, एमपी के इंदौर ने दूसरा और जबलपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

इस श्रेणी में देश की राजधानी दिल्ली 172 अंकों के साथ 21वें स्थान पर और मुंबई 160.8 अंकों के साथ 28वें स्थान पर रही। वहीं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने 189 अंकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया है। दुर्ग-भिलाई 175.3 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा।

10 लाख से अधिक आबादी वाले टॉप-5 शहर- केटेगरी-फर्स्ट- जिसमें 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर शामिल हैं, उसमें यूपी की राजधानी लखनऊ को पहला स्थान, एमपी के इंदौर को दूसरा स्थान, जबलपुर को तीसरा, भोपाल और आगरा को संयुक्त रूप से चौथा और गुजरात के सूरत को पांचवा स्थान मिला है।

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)- 198 अंक (रैंक 1)
इंदौर (मध्य प्रदेश)- 197 अंक (रैंक 2)
जबलपुर (मध्य प्रदेश)- 195 अंक (रैंक 3)
भोपाल (मध्य प्रदेश) / आगरा (उत्तर प्रदेश)- 192 अंक (संयुक्त रूप से रैंक 4)
सूरत (गुजरात)- 191 अंक (रैंक 5)

कैटेगरी-सेकेण्ड- 3 से 10 लाख तक की आबादी वाले शहर- केटेगरी-सेकेण्ड- जिसमें 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहर हैं, में ओडिशा के राउरकेला ने 198.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर फिरोजाबाद और गुंटूर 195 अंकों के साथ रहे। इस केटेगरी में छत्तीसगढ़ के कोरबा ने 186.5 अंकों के साथ 10वां स्थान हासिल किया है।

बहू ने नौकर से कराई करोड़पति ससुर की हत्या

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में करोड़पति दवा करोबारी विनीत मिनोचा (63) की हत्या उनकी 30 साल की इकलौती बहू ने कराई थी। हत्यारोपी नौकर के कबूलनामे के बाद पुलिस ने कारोबारी की बहू शालू को हिरासत में ले लिया। पहले वह पुलिस को गुमराह करती रही। फिर सख्ती करने के बाद उसने अपना जुर्म कबूल लिया। पूछताछ में बहू ने रोते हुए कहा- करोड़पति परिवार की बहू होने के बाद भी मेरे और पति के खर्च पर ससुर का पूरा नियंत्रण था। कर्मचारियों की तरह हर महीने तय रकम मिलती थी। छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी ससुर से पैसे मांगने पड़ते थे। इसलिए उसे रास्ते से हटाने के लिए नौकर विशाल (30) को सुपारी दे दी। पुलिस ने शालू की कॉल डिटेल भी निकालवाई है। पता कर रही है कि विशाल और शालू के बीच हत्या वाले दिन कितनी बार बात हुई।

एक्सप्रेस-वे पर टक्कर से पलटी पिकअप, कई मीटर घिसटी, 19 घायल

बागपत में 13 श्रद्धालुओं की मौत, 30-मीटर तक बिखरीं थीं लाशें

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गईं। चीख-पुकार मच गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे किया। फिर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ।

राजस्थान में दर्शन करने के बाद अपने घर बदायूं लौट रहे थे

हादसे में घायल कुंवरपाल ने बताया- हम सभी बदायूं के अल्लापुर चमारी गांव के रहने वाले थे। सभी बागड़ धाम से लौट रहे थे। रात के समय गाड़ी में सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ गाड़ी पलट गई। ड्राइवर ने बताया कि पीछे से आ रहे वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी है। बागड़ धाम यात्रा उत्तर भारत की प्रसिद्ध धार्मिक यात्रा है। श्रद्धालु राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित 'गोगामेड़ी' (बागड़ धाम) के लिए जाते हैं। यहां जाहरवीर बाबा गोगा जी महाराज (गोगा नाथ जी) का समाधि स्थल है। अगस्त-सितंबर में यहां लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। हादसे में मरने वालों में साधु (60), उसकी पत्नी मुन्नी देवी (55) और भाई प्रेम सिंह (40 की मौत हो गई। इसके अलावा गांव के ही सुगड़पाल (40), रामेश्वर यादव (60), जितेंद्र (7), प्रेमवती (50), दीक्षा (2), भानुमति (52), विकास (32), मूर्ति (35), सौरव (4) और 45 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

DEV MEDICARE CHEMIST
Your Trusted Medical Store
SECTOR 7, FARIDABAD
Allopaathic & Ayurvedic Medicine
BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters
DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES
Surgical Items, Baby Products, Health Supplements
Wide Range of Cosmetics
ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)
Hours: 8 AM to 10 PM
100% Genuine Medicines
Experienced Staff

SINCE 2007
TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate
₹ 1,36,600/-
Making Charges 8% | 100% BUY BACK EXCHANGE
पिछले 19 वर्षो से हमारी दुकान एक ही स्थान पर है। इसके अलावा हमारी कोई दूसरी ब्रांच नहीं है।
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

भगवंत मान सरकार द्वारा लिखित भरोसे के बाद किसानों ने चंडीगढ़-मोहाली सीमा पर चल रहा धरना समाप्त किया

ज़भगवंत मान सरकार विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने, कृषि ऋणों के लिए ओ टी एस लागू करने और देश में सबसे अधिक गन्ने का भाव सुनिश्चित करने का ऐलान- गुरमीत सिंह खुड्डियां

चंडीगढ़, भेदी नजर। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा प्रदर्शनकारी किसान यूनियनों की मुख्य मांगें मंजूर करते हुए दिए गए लिखित भरोसे के बाद चंडीगढ़-मोहाली सीमा पर धरना दे रहे किसानों ने सोमवार शाम अपना संघर्ष समाप्त कर दिया। कृषि मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने किसान प्रतिनिधियों को सरकार की ओर से दिया गया लिखित भरोसा सौंपा।

लिखित समझौते के अनुसार पंजाब सरकार एक महीने के भीतर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी, जिसमें अहम मुद्दों से संबंधित प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार को भेजे जाएंगे। इनमें दशकों पुराने गैर-संवैधानिक जल बंटवारा समझौतों पर दोबारा विचार करने की मांग, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम की धाराओं 78, 79 और 80 को रद्द करके राज्य के रिपेरियन अधिकार बहाल करने, डैम सेफ्टी एक्ट को रद्द करने और सीड बिल, 2025 को वापस लेने की मांग शामिल है।

किसानों के कल्याण के लिए भगवंत मान सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कृषि मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि पंजाब सरकार बातचीत और आपसी समझ के माध्यम से मुद्दों के

समाधान में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा, ÷भगवंत मान सरकार अपने अन्नदाताओं के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम बातचीत के माध्यम से मुद्दों का समाधान करने में विश्वास रखते हैं और किसानों की जायज मांगों को पूरी पारदर्शिता के साथ लिखित रूप में मंजूर किया है।÷

किसानों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए कृषि मंत्री ने बकाया ऋणों के लिए वन-टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) नीति तैयार करने का भी ऐलान किया। यह नीति विशेष रूप से सहकारी बैंकों, जिनमें पंजाब स्टेट कोऑपरेटिव बैंक और सहकारी सभाएं शामिल हैं, से लिए गए ऋणों के लिए तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियों के साथ सलाह-मशविरा करके एक कमेटी का गठन किया जाएगा, जो ओटीएस नीति तैयार करेगी और यह नीति किसानों पर कर्ज के बोझ को कम करने में अहम भूमिका निभाएगी।

गन्ने के भाव के मुद्दे पर स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने स्पष्ट किया कि पंजाब देश में किसानों को गन्ने का सबसे अधिक भाव देना जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि गन्ने का भाव तय करने संबंधी फाइल सोमवार को ही पेश करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि प्रक्रिया में बिना किसी देरी के शुरुआत की जा सके।

कृषि मंत्री ने आगे कहा कि निजी चीनी मिलों की ओर किसानों के बकाया भुगतानों की समयबद्ध तरीके से अदायगी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिलों में पहले से लागू 'एक विंडो, एक भुगतान' प्रणाली को निजी चीनी मिलों तक भी बढ़ाया जाएगा।

किसान यूनियनों की बाकी मांगों के संबंध में स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने भरोसा दिया कि पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और किसान यूनियनों द्वारा नामित प्रतिनिधियों पर आधारित संयुक्त कमेटी का गठन किया जाएगा। यह कमेटी लंबित मामलों की जांच करके उनके जल्द और प्रभावी समाधान के लिए काम करेगी

अमन अरोड़ा द्वारा दुबई सम्मेलन में यू.ए.ई. निवेशकों को पंजाब में निवेश का निमंत्रण; सुगम स्वीकृतियों, मजबूत बुनियादी ढांचे और पूर्ण सहयोग का दिया भरोसा

मान सरकार वैश्विक साझेदारी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध- अमन अरोड़ा

चंडीगढ़/दुबई, भेदी नजर। मुख्यमंत्री भगवंत मान की दूरदर्शी सोच के अनुसार वैश्विक निवेश को आकर्षित करने और औद्योगिक विकास को गति देने के बड़े प्रयास के तहत पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने आज दुबई में वार्षिक निवेश बैठक (ए.आई.एम.) के अवसर पर यू.ए.ई. इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट काउंसिल (यू.ए.ई.आई.आई.सी.) के सचिव जनरल महामहिम अब्दुल्ला अहमद अल सुवैदी से मुलाकात कर प्रदेश में निवेश लाने के असीमित एवं व्यापक अवसरों पर चर्चा की।

इस उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान उद्योग मंत्री ने महामहिम अब्दुल्ला अहमद अल सुवैदी को पंजाब की व्यापक आर्थिक संभावनाओं से अवगत कराया और यू.ए.ई. के निवेशकों को सरकारी, अर्ध-सरकारी एवं निजी क्षेत्र की साझेदारियों के माध्यम से उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में निवेश करने का निमंत्रण दिया।

प्रदेश सरकार की औद्योगिक विकास संबंधी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए श्री अमन अरोड़ा ने यू.ए.ई.आई.आई.सी. को विश्वास दिलाया कि प्रदेश में अपना व्यवसाय स्थापित करने या व्यवसाय विस्तार के इच्छुक निवेशकों को पंजाब सरकार द्वारा पूर्ण प्रशासनिक सहयोग, मार्गदर्शन तथा माल-ढुलाई एवं अन्य प्रबंधकीय सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में पंजाब, यू.ए.ई. आधारित निवेशकों और संस्थागत निधिकरण संगठनों के साथ दीर्घकालिक एवं पारस्परिक लाभकारी संबंध बनाने का इच्छुक है।

प्रदेश के निवेशक-अनुकूल सुधारों से अवगत कराते हुए कैबिनेट मंत्री ने इन्वेस्ट पंजाब के माध्यम से सुगम व्यापार प्रक्रिया का विशेष रूप से उल्लेख किया, जो सुचारु एवं निर्बाध निवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने तथा त्वरित कानूनी स्वीकृतियाँ एवं मंजूरियाँ प्रदान करने के लिए प्रदेश का एक सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म है।

श्री अमन अरोड़ा ने कहा, पंजाब अधिक अनुकूल उद्यमी माहौल, शानदार मल्टीमॉडल संपर्क, कुशल तकनीकी कर्मचारी और एक पारदर्शी प्रशासनिक ढांचा प्रस्तुत करता है। हम यू.ए.ई. के व्यापारिक नेताओं को पंजाब की इस प्रभावी आर्थिक विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार बनने का निमंत्रण देते हैं।

यू.ए.ई. इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट काउंसिल (यू.ए.ई.आई.आई.सी.), जो विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई.) को दिशा देने के लिए यू.ए.ई. की सार्वजनिक और निजी संस्थाओं को एकजुट करती है, ने पंजाब के शिष्टमंडल की इस सक्रिय पहल का स्वागत किया। बैठक के दौरान यू.ए.ई. और पंजाब के बीच प्रत्यक्ष पूंजी प्रवाह एवं संयुक्त उद्यमों को सक्षम बनाने के लिए मजबूत संस्थागत संपर्क स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

द्विपक्षीय वार्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि यह मुलाकात अहम मील का पत्थर साबित होगी, जो द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग, मजबूत व्यापारिक संबंधों और पंजाब में बड़े पैमाने पर निवेश का मार्ग प्रशस्त करेगी।

पंजाब में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में खेडां वतन पंजाब दीआं का अहम योगदान – मोहिंदर भगत

चंडीगढ़ / जालंधर, भेदी नजर। पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी एवं रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने आज जालंधर के सरकारी आर्ट्स एवं स्पोर्ट्स कॉलेज में खेडां वतन पंजाब दीआं-2026 के तहत ब्लॉक जालंधर पश्चिमी के खेल मुकाबलों का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में खेडां वतन पंजाब दीआं का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष खेडां वतन पंजाब दीआं के तहत कराए जाने वाले खेल मुकाबलों ने जहाँ बड़ी संख्या में युवाओं का रुझान खेल मैदानों की ओर मोड़ा है, वहीं हर आयु वर्ग के खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के लिए मंच भी प्रदान किया है।

श्री भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के विशेष प्रयासों के कारण प्रदेश में खेलों का एक नया दौर शुरू हुआ है और पंजाब के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार प्रदेश को रंगला पंजाब बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रही है, इसी सोच के तहत %खेडां वतन पंजाब दीआं% का आगाज किया गया था ताकि प्रदेश के युवाओं को खेलों से जोड़कर उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जमीनी स्तर तक खेल बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए गाँव स्तर पर आधुनिक खेल मैदान बनाए जा रहे हैं ताकि युवाओं को खेलों की ओर लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि खिलाड़ियों को खेलों की तैयारी के लिए लाखों रुपये दिए जा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पंजाब का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को करोड़ों रुपये के नकद पुरस्कारों के साथ-साथ नौकरियाँ भी दी जा रही हैं।

कैबिनेट मंत्री ने नशा मुक्त एवं रंगला पंजाब के सृजन के लिए युवाओं को नशों से दूर रहने और खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान भी किया। श्री भगत ने इस अवसर पर एथलेटिक्स कोचिंग सेंटर स्पोर्ट्स स्कूल के खिलाड़ी गुरिंदरबीर सिंह (100 मी. दौड़) और रशदीप कौर (4×100 रिले) को एशियाई खेलों के लिए चुने जाने पर बधाई भी दी।

जेलों की सुरक्षा से समझौता नहीं, आधुनिक तकनीक से मजबूत होगी पहरेदारी : डॉ. अरविंद शर्मा*

चंडीगढ़,। हरियाणा के सहकारिता, पर्यटन, कारागार एवं निर्वाचन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जेलों को सुरक्षित और आधुनिक बनाने के लिए तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल किया जा रहा है। अंबाला जेल में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई टावर हार्मोनिक्स कॉल ब्लॉकिंग प्रणाली ने अवैध मोबाइल फोन के जरिए कॉल और इंटरनेट के इस्तेमाल पर प्रभावी रोक लगाने में सफलता हासिल की है। इसके सकारात्मक परिणामों के बाद अब प्रदेश की अन्य जेलों में भी इस तकनीक को लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेलों के भीतर अवैध मोबाइल फोन का इस्तेमाल रोकना विभाग की प्राथमिकता है। मोबाइल फोन बरामद करने के साथ-साथ उसके इस्तेमाल की संभावना को ही समाप्त करना अधिक प्रभावी उपाय है। इसी उद्देश्य से आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है और जेलों की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

जैमर के बजाय टावर आधारित प्रणाली: इस तकनीक की खासियत यह है कि इसके लिए पारंपरिक मोबाइल जैमर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। जेल परिसर में विशेष टावर लगाए जाते हैं, जिनके माध्यम से वहां मौजूद मोबाइल फोन को लक्षित तरीके से नियंत्रित किया जाता है। इससे जेल परिसर में मोबाइल नेटवर्क को पूरी तरह बाधित किए बिना अवैध फोन के इस्तेमाल पर रोक लगाई जा सकती है।

अंबाला में सफल प्रयोग के बाद अन्य जेलों में विस्तार: जेल विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से अंबाला जेल को इस तकनीक के पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना था। यहां प्रणाली की कार्यप्रणाली, नेटवर्क कवरेज और अवैध मोबाइल के इस्तेमाल को रोकने की क्षमता का परीक्षण किया गया। पायलट प्रोजेक्ट के संतोषजनक परिणामों के बाद अब प्रदेश की अन्य जेलों में भी इसे लागू करने पर विचार किया जा रहा है। टावर आधारित प्रणाली के माध्यम से जेल परिसर में मौजूद अवैध मोबाइल फोन की कॉल और इंटरनेट सेवाओं को नियंत्रित किया जा सकता है। इससे जेल से बाहर होने वाले अनधिकृत संपर्क पर अंकुश लगाने में जेल प्रशासन को मदद मिलेगी। खास तौर पर उन परिस्थितियों में यह व्यवस्था महत्वपूर्ण साबित हो सकती है, जहां बंदी जेल के भीतर से बाहरी लोगों से संपर्क करने का प्रयास करते हैं। हरियाणा जेल विभाग पारंपरिक तलाशी और निगरानी व्यवस्था के साथ आधुनिक तकनीक को जोड़कर जेलों की सुरक्षा को और मजबूत करने पर जोर दे रहा है। अंबाला में सफल प्रयोग के बाद अन्य जेलों में इस प्रणाली की आवश्यकता और तकनीकी परिस्थितियों का आकलन कर इसके विस्तार की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सफल रहा 'सफल एग्जाम', 1,720 विद्यार्थियों ने दी छात्रवृत्ति परीक्षा

चंडीगढ़, हरियाणा सरकार की स्स्ब्ररु योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक तकनीकी शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए हारट्रॉन द्वारा स्स्ब्ररु योजना के तहत आयोजित SAFAL Computer-Based Scholarship Test का 6 सितंबर 2026 को प्रदेशभर में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परीक्षा में 1,720 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें से योजना के तहत चयनित 1,000 पात्र विद्यार्थियों को आधुनिक आईटी क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण के साथ निर्धारित पाठ्यक्रम फीस में 75 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। हारट्रॉन के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्स्ब्ररु योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को आधुनिक के क्षेत्र में उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण उपलब्ध करवाकर उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है।

पंजाब के सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में दाखिल होने वाले पीड़ितों की संख्या एक वर्ष में 164 प्रतिशत तक बढ़ी

दाखिल होने वाले पीड़ितों की संख्या में यह वृद्धि उपचार व्यवस्था में लोगों के बढ़ते विश्वास का प्रमाण- डॉ. बलबीर सिंह

चंडीगढ़, भेदी नजर। 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के तहत भगवंत मान सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों में दाखिल होने वाले मरीजों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि प्रदेश की उपचार व्यवस्था के प्रति लोगों के बढ़ते विश्वास का मजबूत संकेत है।

सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में दाखिल होने वाले पीड़ितों की संख्या वर्ष 2024 में 9,577 थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 25,290 हो गई। यह 164 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाती है। यह रुझान वर्ष 2026 में भी जारी रहा और इस वर्ष जुलाई तक 14,000 से अधिक नशा पीड़ित सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में दाखिल हो चुके थे।

उल्लेखनीय है कि नशा पीड़ितों के दाखिलों में यह वृद्धि विशेष रूप से मार्च 2025 में शुरू किए गए 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के बाद देखने को मिली है। यह वृद्धि इस बात का मजबूत संकेत है कि अधिक से अधिक परिवार और व्यक्ति नशे की समस्या से जूझ रहे अपने प्रियजनों अथवा स्वयं को सामाजिक कलंक के अंधेरे में रखने के बजाय उपचार केंद्रों तक पहुंचने के लिए आगे आ रहे हैं।

ऐसे प्रदेश में, जहां नशे की लत से जूझ रहे लोगों को उचित उपचार व्यवस्था उपलब्ध होने तक वर्षों तक इस समस्या का सामना करना पड़ा हो, इस तरह की पहल का बढ़ता प्रभाव विशेष महत्व रखता है। जैसे-जैसे उपचार और पुनर्वास सुविधाएं नशा विरोधी इस पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं, वैसे-वैसे ध्यान केवल समस्या की पहचान तक सीमित न रहकर प्रभावित लोगों को सक्रिय रूप से उपचार से जोड़ने और उनके पुनर्वास में सहयोग प्रदान करने पर केंद्रित हो रहा है।

प्रदेश के पुनर्वास ढांचे में भी इसी तरह की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। सरकारी पुनर्वास केंद्रों में नशा पीड़ितों के दाखिलों की संख्या वर्ष 2024 में 2,644 थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 8,574 हो गई। यह 224 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाती है। वर्ष 2026 में जुलाई तक ही 5,800 से अधिक पीड़ित इन केंद्रों में दाखिल हो चुके थे, जो वर्ष 2025 में दर्ज कुल दाखिल मरीजों का लगभग 68 प्रतिशत है।

उपचार की बढ़ती पहुंच पंजाब के आउटपेशेंट ओपिओइड-असिस्टेड ट्रीटमेंट (ओओएटी) क्लीनिक नेटवर्क के माध्यम से भी दिखाई देती है। इसके तहत नई पंजीकरण संख्या वर्ष 2024 में 13,033 से बढ़कर वर्ष 2025 में 17,702 हो गई, जबकि इस वर्ष अगस्त तक 12,500 से अधिक नए मरीज पंजीकृत हो चुके हैं।

ये आंकड़े एक ऐसे व्यापक उपचार ढांचे की ओर संकेत करते हैं, जिसमें नशीले पदार्थों पर निर्भरता से जूझ रहे लोगों के लिए सहायता प्राप्त करने के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं—नशा मुक्ति केंद्रों और पुनर्वास सुविधाओं से लेकर आउटपेशेंट उपचार तक विभिन्न प्रकार की सेवाएं लोगों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य सरकार ने कानून के तहत उपलब्ध पुनर्वास संबंधी प्रावधानों का भी प्रभावी उपयोग किया है। 27 अगस्त 2026 तक 11,000 से अधिक व्यक्तियों को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 64ए के तहत कानूनी संरक्षण प्रदान किया जा चुका है। इस अधिनियम के तहत नशे की लत से पीड़ित अथवा नशीले पदार्थों के सेवन के आरोपों में नामजद व्यक्तियों को कानूनी संरक्षण प्रदान करने का प्रावधान है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, ÷पंजाब के लिए दाखिल होने वाले मरीजों की संख्या में यह तेज वृद्धि इस पहल के सबसे उत्साहजनक परिणामों में से एक साबित हो रही है। लोग लगातार आगे आ रहे हैं, परिवार संस्थागत सहायता की मांग कर रहे हैं और राज्य का उपचार नेटवर्क उन लोगों तक भी पहुंच रहा है, जो स्वयं उपचार के लिए केंद्रों तक पहुंचने में असमर्थ हैं।÷

उन्होंने कहा, ÷'युद्ध नशों विरुद्ध' तीन स्तंभों पर आधारित है—तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, प्रभावित लोगों के लिए उपचार एवं पुनर्वास और हमारे बच्चों को नशों से बचाने के लिए रोकथाम, ताकि नशे उनके जीवन तक पहुंचने से पहले ही उन्हें रोका जा सके।

गैंगस्टरां ते वार का 230वाँ दिन- पंजाब पुलिस द्वारा 558 स्थानों पर छापेमारी; 311 गिरफ्तार

युद्ध नशेयां विरुद्ध के 555वें दिन 181 नशा तस्कर 8 किलोग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार

चंडीगढ़, भेदी नजर। 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 230वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के रूप में पहचाने गए और मैप किए गए 558 स्थानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' – पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक जंग है, जो 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष अभियान चला रही हैं। 230वें दिन, पुलिस टीमों ने 311 व्यक्तियों को दो हथियारों समेत गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरुआत से अब तक कुल 68,699 गिरफ्तारियाँ हुई हैं। इसके अलावा 225 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान पाँच फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से रिपोर्ट कर सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना भी दे सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपने अभियान 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 555वें दिन भी जारी रखा है, जिसके तहत आज 181 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से 8 किलो हेरोइन, 7 किलो गांजा, 6.5 किलो भूक्की और 397 नशीली गोलियाँ बरामद की गई हैं। इसके साथ, मात्र 555 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 77,590 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 13 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार कराने के लिए राजी किया है।

हरियाणा सरकार ने सफाई कर्मचारियों को दीर्घकालिक जॉब सिक्योरिटी, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता प्रदान करने की व्यापक पहल की

चंडीगढ़, हरियाणा सरकार ने नगर निकायों में पालिका रोल पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी, नियमित वेतनवृद्धि और अन्य सुविधाओं के माध्यम से बेहतर सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इन कर्मचारियों को हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुरक्षा) अधिनियम, 2024 के दायरे में लाने के लिए सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है, ताकि उन्हें नियमित कर्मचारियों के लगभग समान लाभ उपलब्ध करवाए जा सकें। वर्तमान में प्रदेश के नगर निकायों में 13,093 पालिका रोल पर सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों को वर्तमान में 20,590 रुपये मासिक राशि दी जा रही है। सरकार द्वारा अधिनियम के दायरे में लाने के फैसले से इन कर्मचारियों के भविष्य को अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। सरकार की पहल से पालिका रोल के सफाई कर्मचारियों की 60 वर्ष की आयु तक सेवा की सुरक्षा (जॉब सिक्योरिटी) सुनिश्चित हो सकेगी। इसके साथ ही उन्हें 2,000 रुपये प्रतिमाह जोखिम भत्ता भी मिलेगा। सफाई कर्मचारियों के कार्य की प्रकृति और उनके द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्य को देखते हुए यह कदम उनके प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। सरकार ने कर्मचारियों के हित में एक और सैद्धांतिक निर्णय लेते हुए अधिनियम के तहत मिलने वाली पात्रता के अतिरिक्त मासिक वेतन में 15 प्रतिशत अधिक राशि देने पर भी सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की है। इससे पालिका रोल पर लंबे समय से सेवाएं दे रहे सफाई कर्मचारियों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। पालिका रोल पर 10 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत सफाई कर्मचारियों की मासिक देय राशि बढ़कर 25,560 रुपये हो जाएगी। इसके अलावा सरकार हर छह महीने बाद महंगाई भत्ता बढ़ाने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत है।

आयुष्मान भारत योजना के भुगतान को लेकर आईएमए के आरोपों पर हरियाणा सरकार का जवाब, 'दबाव बनाने की कोशिश

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत भुगतान में देरी को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा निजी अस्पतालों में सेवाएं बंद करने की चेतावनी पर राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने अपना पक्ष रखा है। प्राधिकरण ने कहा है कि एमपैनल अस्पतालों के दावों का नियमित रूप से निपटान किया जा रहा है और हर महीने भुगतान जारी हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि दावों का निपटान 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाता है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में प्राधिकरण ने रिकॉर्ड भुगतान किया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में सूचीबद्ध अस्पतालों को लगभग 689.7 करोड़ रुपए, 2024-25 में 1,234.5 करोड़ रुपए और 2025-26 में 1,200 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष की बात करें तो अब तक लगभग 570 करोड़ रुपए के दावों का भुगतान पहले ही किया जा चुका है, जबकि बाकी दावों की प्रक्रिया सामान्य रूप से जारी है। प्रवक्ता ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर नियमित भुगतान के बावजूद आईएमए हरियाणा द्वारा निजी अस्पतालों की सेवाओं के प्रतीकात्मक निलंबन का नोटिस जारी करना सरकार पर अवांछित दबाव बनाने जैसा लगता है। राज्य प्राधिकरण का रवैया हमेशा से सहयोगात्मक रहा है और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ मिलकर अस्पतालों की चिंताओं को दूर करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने आईएमए के उस तर्क को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि आयुष्मान योजना में भाग लेने से निजी अस्पताल वित्तीय संकट में हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इसके उलट लगभग 200 नए अस्पतालों ने एमपैनलमेंट के लिए आवेदन किया है, जबकि करीब 75 पहले से सूचीबद्ध अस्पतालों ने नई स्पेशलिटी जोड़ने के लिए आवेदन दिया है। यह आंकड़ा दिखाता है कि निजी अस्पतालों का भरोसा योजना पर बना हुआ है और वे अपनी सेवाओं का विस्तार करना चाहते हैं।

जन्माष्टमी के दही-हांडी कार्यक्रम में चली गोलियां, मची भगदड़

रेवाड़ी, एजेंसी। रेवाड़ी जिले के गांव बोड़िया कमालपुर स्थित बड़े शिव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दौरान शुक्रवार को आधी रात फायरिंग से दहशत फैल गई। दही-हांडी तोड़ने को लेकर हुए विवाद में युवकों ने एक के बाद एक चार राउंड हवाई फायरिंग कर दीं। गोलियों की आवाज सुनते ही मंदिर परिसर में भगदड़ मच गई। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, बड़े शिव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जागरण चल रहा था। आधी रात के समय दही-हांडी तोड़ने की तैयारी की जा रही थी। मटकी तोड़ने के लिए जैसे ही लाइट बंद की गई और गांव के युवक ऊपर चढ़ने लगे, उसी दौरान फायरिंग हो गई। अचानक गोलियां चलने से कार्यक्रम में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के अनुसार, दही-हांडी तोड़ने को लेकर गांव के युवक प्रमोद का पड़ोसी गांव मांढिया निवासी संजीत, चीकू और सोले के साथ विवाद हो गया था। आरोप है कि मटकी तोड़ने को लेकर युवकों ने अंधेरे में मटकी को निशाना बनाकर फायरिंग की। इस दौरान चार राउंड हवाई फायरिंग की गई। घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी ली और घटनाक्रम की जांच शुरू की।

संक्षिप्त समाचार

पॉलिमर तकनीक का कराया पेटेंट, बिना केमिकल नष्ट होंगे जीवाणु

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसी रसायन-मुक्त जीवाणुरोधी सतह का पेटेंट कराया है, जो हानिकारक रसायन के इस्तेमाल के बिना जीवाणुओं को खत्म कर सकती है। इसका उद्देश्य दुनियाभर में उभर रही एक गंभीर समस्या यानी रोगाणुरोधी प्रतिरोध या एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) से निपटना है। एएमआर वह स्थिति है, जिसमें बीमारी फैलाने वाले जीवाणु सुपरबग में बदल जाते हैं और पारंपरिक उपचारों के प्रति प्रतिरोधी

हो जाते हैं। एएमआर दुनियाभर में स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। प्रोफेसर परशुरामन स्वामीनाथन के अनुसार यह तकनीक किसी रासायनिक प्रक्रिया पर आधारित नहीं है, बल्कि इसमें विशेष रूप से तैयार की गई नैनो पालिमर का इस्तेमाल किया गया है। ये नैनो संरचनाएं जीवाणु के संपर्क में आने पर उनकी कोशिका दीवार को तोड़कर उन्हें नष्ट कर देती हैं। उन्होंने पीटीआई से कहा, ये सतह मानव कोशिकाओं के जुड़ने और बढ़ने के लिए सुरक्षित हैं, लेकिन जीवाणु पर ये गंभीर दबाव डालती हैं, जिससे उनकी कोशिका दीवार टूट जाती है और वे नष्ट हो जाते हैं। इस शोध के परिणाम पत्रिका 'एसीएस एप्लाइड बायोमेटेरियल्स' में प्रकाशित हुए हैं। स्वामीनाथन ने कहा, रसायनों या दवाओं के इस्तेमाल के बजाय हमने सतह को ही इस तरह तैयार किया है कि वह जीवाणु को भौतिक रूप से नष्ट कर सके। यह तरीका जीवाणु में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने के खतरे को काफी कम करता है। शोधकर्ताओं ने रिएक्टिव आयन एचिंग (आरआइई) नाम की लो-प्रेशर प्लाज्मा प्रोसेस का इस्तेमाल कर एंटीबैक्टीरियल सतहें बनाईं। इस प्रक्रिया से सिलिकॉन की सतह पर एक खास तरह की घनी परत बनती है। यह परत जीवाणु की कोशिकाओं तक दबाव को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद करती है जिससे नैनो संरचनाओं की जीवाणु को नष्ट करने की क्षमता बढ़ जाती है। अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने तीन अलग-अलग प्रकार के जीवाणुओं पर इस सतह का परीक्षण किया, जिसमें 'ग्राम-पॉजिटिव' और 'ग्राम-नेगेटिव' दोनों तरह के जीवाणु शामिल थे।

पहले सौरभ दास और फिर अभिजीत दीपके; 24 घंटे में एक जैसी गलती पर घिरे दोनों

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय संयोजक, सह-संयोजक अभिजीत दीपके और सौरभ दास 24 घंटे के भीतर एक जैसी गलतियों की वजह से सोशल मीडिया पर ट्रोल हो गए। जल्दबाजी में या बिना जांचे-परखे फर्जी फोटो-वीडियो के सहारे भाजपा नेता गौरव भाटिया और राम मंदिर के पहले सीईओ जीतेंद्र मिश्रा को घेरने के चक्कर में खुद ही घिर गए। दोनों ने अपनी गलती मानी, लेकिन आलोचक उनसे माफी और उनके खिलाफ केस दर्ज करने की मांग भी करने लगे हैं। सबसे पहले बात सौरभ दास की। कुछ ही महीने सीजेपी के प्रवक्ता रहने के बाद सह संयोजक बनाए गए सौरभ दास ने भाजपा नेता गौरव भाटिया का एक ऐसा बयान साझा कर दिया, जो असल में फर्जी था। इसके बाद भाटिया ने उन्हें तुरंत ट्वीट डिलिट करके माफी मांगने को कहा और ऐसा नहीं करने पर एफआईआर कराने की चेतावनी भी दे डाली। सौरभ दास ने अपनी गलती मान ट्वीट तो डिलिट कर दिया, लेकिन उन्होंने अपनी गलती के लिए माफी नहीं मांगी।

पोस्ट डिलीट किया, माफी नहीं मांगी- दरअसल, सौरव दास ने एक न्यूज विलप को साझा किया था जिसमें गौरव भाटिया का एक झूठा बयान एआई से एडिट करके प्रसारित किया गया था। इसमें भाटिया का फर्जी बयान लिखा गया था, स्वतंत्र भारद्वाज नामक युवा एक दिमागी नक्सली है उसके अंदर जातिवादी जहर भरा हुआ था। भाजपा सरकार से इसका कोई लेना देना नहीं है।

सुरक्षित हवा अभी दूर

26 साल की प्रदूषण से जंग में दिल्ली को थोड़ी राहत, पीएम 2.5 घटकर 97 माइक्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की करीब ढाई दशक पुरानी लड़ाई ने हवा को कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन मंजिल अभी दूर है। वर्ष 2000 में राष्ट्रीय राजधानी का वार्षिक औसत पीएम 2.5 लगभग 90.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। अगले दशक में प्रदूषण लगातार बढ़ा और 2010 में करीब 126.9 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। इसके बाद उतार-चढ़ाव के बीच इसमें कमी आई और 2025 में वार्षिक औसत करीब 97 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। यानी सबसे खराब दौर के मुकाबले सुधार हुआ है, लेकिन हवा अब भी राष्ट्रीय मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से

करीब ढाई गुना प्रदूषित है।

हाल के पांच सालों के आंकड़े बताते हैं कि सुधार एक सीधी रेखा में नहीं हुआ। 2021 में पीएम 2.5 का औसत 105 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो 2022 में घटकर 98 हुआ। 2023 में यह फिर 100 और 2024 में 105 तक पहुंच गया। 2025 में हल्की गिरावट आई और स्तर 97 माइक्रोग्राम रहा। 2018 के बाद कोविड प्रभावित 2020 को छोड़कर यह सबसे कम वार्षिक औसत था।

26 साल की यह तस्वीर बताती है कि दिल्ली की हवा में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन प्रदूषण का संकट खत्म नहीं हुआ। पिछले पांच वर्षों में उठाए गए कदमों ने कुछ राहत दी है, खासकर 2025 के आंकड़ों में इसका संकेत मिलता है। मगर 97 माइक्रोग्राम का औसत भी यह साफ करता है कि दिल्ली को सुरक्षित हवा तक पहुंचने के लिए अभी लंबी दूरी तय करनी है।

पिछले पांच साल में बदला प्रदूषण से लड़ने का तरीका

इस अवधि में सबसे बड़ा संस्थागत बदलाव 2021 में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के गठन के रूप में हुआ। इसके साथ प्रदूषण नियंत्रण को सिर्फ दिल्ली की समस्या मानने के बजाय पूरे एनसीआर के स्तर पर देखने की कोशिश हुई। वाहनों, औद्योगिक इकाइयों, निर्माण एवं सड़क की धूल, कचरा और पराली जलाने जैसे स्रोतों पर अलग-अलग कार्रवाई के साथ साझा दिशा-निर्देश लागू किए गए। वाहनों से निकलने वाले धुएं को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, पुराने वाहनों पर सख्ती, सार्वजनिक परिवहन को स्वच्छ ईंधन की ओर ले जाने और एनसीआर में अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के प्रवेश पर चरणबद्ध पाबंदियों जैसे कदम उठाए गए।

न निजीकरण होगा, न महत्व घटेगा', निजी भागीदारी विवाद पर इसरो का स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने रविवार को एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि न तो इसका निजीकरण किया जाएगा और न ही इसका महत्व कम होगा। एक्स पर एक पोस्ट में, अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की अगली पीढ़ी पर मजबूती से ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाती है, जबकि इंडस्ट्री परिपक्व तकनीकों और क्षमताओं को बड़े पैमाने पर विकसित करती है। यह घटनाक्रम तब हुआ 9 कर्मचारी संघों ने 4 सितंबर को अंतरिक्ष एजेंसी के चेयरमैन वी. नारायणन को पत्र लिखकर, इसके मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को निजी संस्थाओं को सौंपने के

प्रस्ताव पर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा। वे 21 अगस्त को इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर के चेयरमैन पवन गोयनका द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे। पोस्ट में कहा कि उन क्षेत्रों में इसकी भूमिका धीरे-धीरे मजबूत होगी जहां इसकी वैज्ञानिक विशेषज्ञता सबसे ज्यादा मायने रखती है। फ्रंटियर रूट्स, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम, डीप-स्पेस और ग्रहों के मिशन और रणनीतिक राष्ट्रीय क्षमताएं। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वह अत्याधुनिक तकनीकों का विकास जारी रखेगी, जिसमें संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के लिए एडवांस्ड पेलोड, सेंसर, प्रोपल्शन सिस्टम और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें शामिल हैं। सिस्टम को इंडस्ट्री के माध्यम से बड़े पैमाने पर तैयार किया जा सकता है। परिपक्व लॉन्च वाहनों, नियमित उपग्रहों और अन्य स्थापित सिस्टम का उत्पादन उचित प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से इंडस्ट्री या द्वारा किया जा सकता है।

नरेला की एक फैक्ट्री में युवती से दरिंदगी, दुष्कर्म का आरोपी बुजुर्ग ठेकेदार गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में नरेला इलाके में स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाली 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 66 वर्षीय लेबर कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार किया है। घटना करीब 5-6 दिन पुरानी है। वहीं, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में दो संदिग्धों की भूमिका खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश की रहने वाली युवती करीब एक महीने से फैक्ट्री में काम कर रही थी और वहीं रह रही थी। आरोप है कि 1 सितंबर की रात करीब 11 बजे फैक्ट्री परिसर में उसके साथ दुष्कर्म

किया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और जांच शुरू की।

वहीं, जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि फैक्ट्री में काम करने वाले एक व्यक्ति ने कथित घटना का वीडियो भी बनाया था। उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है और उसे बनाने वाले व्यक्ति की भूमिका भी पता लगा रही है। पुलिस ने पीड़िता की काउंसलिंग कराई है। जांच में सामने आए साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वारदात के समय फैक्ट्री में कौन-कौन लोग मौजूद थे। वहीं, छानबीन के दौरान युवती ने पुलिस को बताया कि उसे कोई नशीला पदार्थ खिलाया गया था।

क्लासरूम में बिछाए गए गद्दे

पीजी जाने से डर रहे छात्र, डीयू ने किया कॉलेजों में ही रुकने का इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद पीजी में लौटने से डर रहे छात्रों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। साउथ कैंपस के कई कॉलेजों में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के ठहरने का इंतजाम किया गया है। यहां गद्दे और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। हादसे के बाद कई छात्र कक्ष में वापस जाने को लेकर डरे हुए हैं और उनके सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे छात्रों की मदद के लिए डीयू ने साउथ कैंपस के कई कॉलेजों को अस्थायी ठहराव की व्यवस्था करने के लिए सक्रिय किया है। डीयू साउथ कैंपस की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी के मुताबिक, साउथ कैंपस क्षेत्र में करीब 25 कॉलेज हैं। सत्य निकेतन के आसपास छह-सात कॉलेज हैं, इसलिए इन्हें प्रभावित छात्रों की मदद के लिए तैयार किया गया है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, राम लाल आनंद कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज और जीसस एंड मैरी कॉलेज समेत कई कॉलेजों में छात्रों के रुकने की व्यवस्था की

गई है। जरूरत पड़ने पर छात्र-छात्राएं कॉलेज के क्लासरूम में रात भी गुजार सकेंगे। क्लासरूम में गद्दे बिछाए गए हैं। डीयू प्रशासन ने सभी संबंधित कॉलेजों से सत्य निकेतन हादसे से प्रभावित छात्रों की संख्या और जिन्हें तत्काल ठहरने की जरूरत है, उनकी जानकारी मांगी है। इसके आधार पर छात्रों को संबंधित कॉलेजों में जगह दी जाएगी। प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि फिलहाल छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासन उनकी हर संभव मदद कर रहा है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वी. रवि ने बताया कि कॉलेज अपने छात्रों के अलावा जरूरत पड़ने पर दूसरे संस्थानों की छात्राओं को भी ठहराने के लिए तैयार है। कॉलेज में बिस्तर और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है। सुरक्षा को देखते हुए श्री वेंकटेश्वर कॉलेज और आर्यभट्ट कॉलेज ने सोमवार को कॉलेज बंद रखने का फैसला किया है। दोनों संस्थानों की ओर से नोटिस जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। यह फैसला आसपास के कक्ष में रहने वाले छात्रों के बीच बनी असुरक्षा की भावना को देखते हुए लिया गया है।

बांग्लादेश में छिपे शाहबाज अंसारी सिंडिकेट का गुर्गा ऋषभ कपूर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में छिपे कुख्यात अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्कर शाहबाज अंसारी सिंडिकेट के एक और गुर्गे ऋषभ कपूर को दिल्ली

पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने ऋषभ कपूर की निशानदेही पर तुर्किये की दो ग्लाक पिस्टल और 13 कारतूस बरामद किए गए हैं। यह वसंत विहार में रहता था और एक सिक्योरिटी गार्ड एजेंसी चलाता था। लॉरेंस बिश्नोई के मामा का संभालता था काम पुलिस का दावा है कि यह बीते दिनों गिरफ्तार किए गए अंसारी सिंडिकेट के गुर्गे और कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के मामा दीपक खत्री का सारा काम संभालता था। इसके खिलाफ धमकी देने और चीटिंग के पहले के दो मामले दर्ज हैं। एक मामला 2014 और दूसरा 2018 का है। अंसारी सिंडिकेट पर दिल्ली पुलिस यूएपीए भी लगा चुकी है।

5 राज्यों में फरवरी-मार्च 2027 में हो सकते हैं विधानसभा चुनाव, जनगणना की तारीखों में बदलाव से मिला संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा, इन चार राज्यों में जनगणना का काम आगे बढ़ा दिया गया है, जबकि पांचवें राज्य मणिपुर में जनगणना का पहला चरण टाल दिया गया है। इन फैसलों से यह लगभग तय हो गया है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का अगला दौर अगले साल फरवरी-मार्च में होगा। कार्यकाल सबसे पहले 13 मार्च 2027 को खत्म हो रहा है। गोवा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च, पंजाब विधानसभा का कार्यकाल 16 मार्च, उत्तराखंड का 18 मार्च और उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई को खत्म होगा। इन पांचों राज्यों में 2022 में एक साथ चुनाव हुए थे, लेकिन यूपी विधानसभा की पहली बैठक 22 मई 2022 को हुई थी। चूंकि 2027 में भी इन राज्यों में एक साथ चुनाव होंगे, इसलिए चुनाव आयोग के पारंपरिक तरीके से यानी सबसे पहले खत्म होने वाली विधानसभा (मणिपुर, 13 मार्च) के कार्यकाल से पहले चुनाव पूरे कराने की संभावना है।

42 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी मामले में सीबीआई का एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के तीन मामलों में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें पीड़ितों से कथित तौर पर 42 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई थी। इन मामलों में अब तक गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। ये गिरफ्तारियां साइबर अपराध के खिलाफ सीबीआई के राष्ट्रव्यापी अभियान 'ऑपरेशन चक्र-छह' के तहत की गई हैं, जिसका उद्देश्य डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी में शामिल नेटवर्क पर कार्रवाई करना है। सीबीआई की प्रवक्ता बीना यादव ने रविवार को बताया कि नवीनतम गिरफ्तारियां 20 राज्यों में 89 स्थानों पर छापेमारी के बाद हुईं। हाल में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपित कथित तौर पर ठगी की रकम प्राप्त करने, उसे विभिन्न खातों में छिपाने और आगे भेजने में शामिल थे। मध्य प्रदेश के इटारसी निवासी संकेत बस्तवार और पंकज दामाडे ने कथित तौर पर एक बैंक खाते का इंतजाम किया, उसमें डिजिटल अरेस्ट के जरिये ठगी की रकम प्राप्त की और धनराशि को अलग-अलग

खातों में भेजने में भूमिका निभाई, ताकि रकम के स्रोत का पता लगाना मुश्किल हो सके। अन्य तीन आरोपितों-नई दिल्ली निवासी आरिफ उर्फ किंग भाई, हरीश पुरुषोत्तम यादव उर्फ हैरी और गाजियाबाद निवासी शशांक सिंह उर्फ रवि ने कथित तौर पर एक बैंक खाता मुहैया कराया, जिसका उपयोग पीड़ित से पैसे प्राप्त करने के लिए किया गया। बाद में कई खातों के जरिये रकम को इधर-उधर किया गया।

नपेंगे अफसर; सीएम बोलीं- दिल्लीवालों की सुरक्षा से समझौता नहीं

दिल्ली में पांच मंजिल वाली इमारतें होंगी सील

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने से छह लोगों की मौत के बाद दिल्ली सरकार ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि नियमों का उल्लंघन कर बनाए गए पांच मंजिल वाले अवैध बिल्डिंगों को तत्काल सील किया जाए। साथ ही सत्य निकेतन और आसपास के कक्ष व अन्य भवनों की सघन जांच भी होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह दोबारा सत्य निकेतन घटनास्थल का दौरा किया और वहां सुरक्षा व्यवस्था व चल रही कार्रवाई की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई पांचवीं मंजिल वाले भवनों को तुरंत सील किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भी कहा है कि चार मंजिल से

ज्यादा के अवैध निर्माण तत्काल सील किए जाएंगे। ऐसे निर्माण को अनुमति देने या समय पर कार्रवाई नहीं करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उनके खिलाफ तत्काल बर्खास्तगी तक की कार्रवाई का प्रावधान बताया गया है। ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास है और छात्रों के लिए यहां बड़ी संख्या में पीजी और किराये के आवास हैं। अधिकारियों के मुताबिक, समय के साथ कई संपत्तियों में अतिरिक्त कमरे और मंजिलें जोड़ी अधिकारियों के मुताबिक स्वकनियमों के तहत पांचवीं मंजिल की अनुमति नहीं थी।

4 मंजिल से ज्यादा के अवैध निर्माण होंगे सील

सत्य निकेतन हादसे के मामले में भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में अगर किसी एमसीडी अधिकारी की लापरवाही या भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार के निर्देश के बाद सत्य निकेतन और आसपास के इलाके में बने पीजी और दूसरे भवनों की सघन जांच की जाएगी। निर्माण नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित भवन को सील करने समेत अन्य कार्रवाई की जाएगी। भवन के गिरने से छह लोगों की मौत हुई, वह करीब 55 वर्ग गज के प्लॉट पर बना था।

डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को हिरासत में लो, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की घटना पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों के साथ मारपीट की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। सर्वोच्च अदालत ने सरकार को सख्त निर्देश दिया है कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले ऐसे राजनेताओं को तुरंत हिरासत में लिया जाए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के पालघर जिले के अस्पताल में शिवसेना नेताओं द्वारा डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों के साथ की गई मारपीट के एक दिन बाद आई है।

पालघर के रिलीफ अस्पताल में हंगामा- जानकारी के मुताबिक, यह घटना रविवार तड़के रिलीफ अस्पताल में हुई। दही हांडी उत्सव के दौरान घायल हुए एक व्यक्ति को अस्पताल से डिस्चार्ज देने के मुद्दे पर अस्पताल के गलियारों में अचानक विवाद और हंगामा शुरू हो गया। अस्पताल के एक कर्मचारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे, शहर प्रमुख राहुल घरत और अन्य लोगों ने अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्रवेश किया और डॉक्टरों के साथ बहस करने लगे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब पार्टी के कुछ सदस्य अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भी जबरन घुस गए।

संपादकीय

हर तरफ सिर्फ तबाही, हिमनद झीलों के खतरे को नजरअंदाज करना पड़ा भारी

नेपाल त्रासदी के बाद की जो तस्वीरें आई हैं वह बेहद ही मार्मिक हैं। इन्हें देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कुदरत की इस तबाही के बाद वहां का हाल कैसा है। न लोगों के पास रहने के लिए घर है और न ही सोने के लिए छत है। हर तरफ तबाही का मंजर था। कुदरत की इस तबाही के बाद वहां का हाल कैसा है। जहां तक नजर जाएगी वहां सिर्फ और सिर्फ टूटे मकान, बिखरे सामान और सड़कों पर रहने के लिए बेबस लोग नजर आएंगे। नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हिमनद टूटने और ग्लेशियल झीलों के बढ़ते खतरे के बीच भारत के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम जैसे हिमालयी राज्यों के लिए भी यह बड़ी चेतावनी है। नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ के कारणों का विश्लेषण और नतीजों का आकलन अभी जारी रहेगा, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर इस जरूरत को रेखांकित किया है कि आशंकाओं की अनदेखी या उसके प्रति उदासीनता का परिणाम क्या हो सकता है। नेपाल का जो समूचा इलाका हिमनद टूटने की वजह से तबाह हो गया, जानमाल की व्यापक क्षति हुई, उसका आम लोग भले ही ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सके होंगे, लेकिन सरकार की नजर स्थानीय उथल-पुथल के संकेतों पर रहनी चाहिए थी।साथ ही अन्य देशों में ऐसी स्थितियों के असर की आशंका हो, तो वहां की एजेंसियों के साथ तालमेल से कुछ एहतियाती कदम उठाए जा सकते थे। खासतौर पर तब, जब नेपाल-तिब्बत के इस इलाके में बर्फ और चट्टानों वाला हिमस्खलन होने और उसकी वजह से बाढ़ आने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। ऐसे में सावधानी बरतना एक नियमित तकाजा था। हालांकि यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, लेकिन अगर अचानक उपजने वाले खतरों को ध्यान में रख कर बचाव के पूर्व-इंतजाम किए जाएं, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।जाहिर है, अब नेपाल को अगले कुछ समय तक के लिए तबाह हो गए इलाकों में बचे-खुचे को संभालने, लापता लोगों की खोज, पुनर्वास और पुनर्निर्माण को लेकर कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बेशक वह अपने स्तर पर यह सब करने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसे समय में दूसरे देशों की सहायता भी काफी मायने रखती है। प्रभावित सभी इलाकों में हुए नुकसान का आकलन सामने आने के बाद पूरी तस्वीर साफ होगी, लेकिन फिलहाल नेपाल के वित्त मंत्री का कहना है कि इस प्रलयंकारी बाढ़ से हुई क्षति की भरपाई के लिए देश को चार-पांच अरब डालर की जरूरत होगी। यह समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर पहले ही कई तरह के दबाव झेल रहे नेपाल के सामने अब इस त्रासदी की वजह से जो मुश्किल पैदा होगी, उससे निपटना उसके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन करने की जरूरत है कि व्यापक तबाही वाली इस बाढ़ की प्रकृति, रफ्तार और नुकसान पहुंचाने का दायरा इतना अलग क्यों था और इसकी वजहें क्या होंगी।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

(ललित गर्ग)

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की

थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए।

शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में 'एक जैसी शिक्षा' की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए।

आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सत्य निकेतन हादसाः जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

ललित गर्ग

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था?

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए। यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी।

भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है।

बिखरते रिश्तों के बीच अकेला पड़ता बचपन, बच्चों के मन पर पड़ रही परिवार की दरार

घर का तनावपूर्ण वातावरण बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा असर डालता है। माता-पिता के बीच रोज-रोज होने वाले झगड़े, कटुता और आरोप-प्रत्यारोप बच्चों को भीतर से अस्थिर कर देते हैं। ऐसे बच्चे कई बार अपने घर के माहौल की तुलना मित्रों और रिश्तेदारों के घरों से करने लगते हैं। जब उन्हें दूसरे परिवारों में सहजता और अपनापन दिखाई देता है, तो उनके भीतर शिकायतों और सवालों का एक संसार जन्म लेने लगता है, लेकिन अक्सर वे अपनी पीड़ा किसी से कह भी नहीं पाते। नकारात्मक व्यवहार और पारिवारिक कलह के बीच बड़े होते बच्चों के मन में अनेक प्रश्न दस्तक देने लगते हैं।

(मोनिका शर्मा)

आज के बच्चे कम उम्र में ही घर के बदलते माहौल को समझने लगे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि एकल परिवारों में उनके पास अक्सर कोई मजबूत भावनात्मक सहारा नहीं होता। हाल ही में महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत ने बिखरते पारिवारिक परिवेश और बच्चों के भावनात्मक संसार को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। शुरुआत में खबर आई थी कि आइफोन की चाहत पूरी न होने पर 18 वर्षीय युवक ने पहाड़ी से कूदकर आत्महत्या कर ली। हालांकि पुलिस जांच में घटना के पीछे कहीं अधिक गंभीर और जटिल पारिवारिक परिस्थितियां सामने आईं। जांच के अनुसार, युवक अपने माता-पिता के बीच बढ़ती दूरियों और पारिवारिक संबंधों की उलझनों से मानसिक रूप से परेशान था।

बताया गया कि पारिवारिक विवादों से व्यथित युवक पहाड़ी पर खड़ा होकर माता-पिता को अपनी जान देने की धमकी दे रहा था। उसे बचाने के लिए पुलिस, अग्निशमन दल और परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। लंबे समय तक समझाइश, मिन्नतों और भावनात्मक अपीलों का दौर चलता रहा, लेकिन मानसिक रूप से बेहद तनावग्रस्त युवक पर किसी की बात का असर नहीं हुआ। उसे बचाने के प्रयास में उसके पिता का भी संतुलन बिगड़ गया और दोनों करीब 300 फीट नीचे जा गिरे। इस भयावह दृश्य के बीच वहां मौजूद मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत उस भावनात्मक संकट का प्रतीक है, जो परिवारों के भीतर चुपचाप आकार ले रहा है।

आज के बच्चे कम उम्र में ही घर के बदलते माहौल को समझने लगे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि एकल परिवारों में उनके पास अक्सर कोई मजबूत भावनात्मक सहारा नहीं होता। कहीं माता-पिता के अलगाव की वर्षों तक चलने वाली कानूनी प्रक्रिया बच्चों को असुरक्षित बना देती है, तो कहीं एक ही छत के नीचे रहते हुए रिश्तों में आई खामोश दरारें उनके मन में भय पैदा करती रहती हैं।

घर का तनावपूर्ण वातावरण बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा असर डालता है। माता-पिता के बीच रोज-रोज होने वाले झगड़े, कटुता और आरोप-प्रत्यारोप बच्चों को भीतर से अस्थिर कर देते हैं। ऐसे बच्चे कई बार अपने घर के माहौल की तुलना मित्रों और रिश्तेदारों के घरों से करने लगते हैं। जब उन्हें दूसरे परिवारों में सहजता और अपनापन दिखाई देता है, तो उनके भीतर शिकायतों और सवालों का एक संसार जन्म लेने लगता है, लेकिन अक्सर वे अपनी पीड़ा किसी से कह भी नहीं पाते।नकारात्मक व्यवहार और पारिवारिक कलह के बीच बड़े होते बच्चों के मन में अनेक प्रश्न दस्तक देने लगते हैं। वे समझ नहीं पाते कि माता-पिता के

बीच रोज-रोज की नाराजगी और तल्खी का कारण क्या है। उनके सामने सबसे बड़ी उलझन यह होती है कि आखिर कौन सही है और कौन गलत। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों को अपने विवादों का हिस्सा बना लेते हैं और उनसे दूसरे अभिभावक के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने की अपेक्षा करते हैं। यह स्थिति बच्चे के मन पर असहनीय दबाव डाल सकती है।कई परिवारों में बच्चों को माता-पिता के हिंसक व्यवहार का भी सामना करना पड़ता है। पहले से तनाव और असुरक्षा से जूझ रहा बालमन ऐसे व्यवहार से आहत होता है। संवेदनात्मक स्तर पर अकेले पड़ते बच्चों में से कुछ घर छोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, तो कुछ गंभीर आत्मघाती विचारों की ओर बढ़ रहे हैं। पारिवारिक विवादों से जुड़े अध्ययनों में संकेत मिला है कि बच्चों के घर छोड़ने के पीछे बड़ों का अपमानजनक व्यवहार और घर का असुरक्षित वातावरण खास कारणों में शामिल होता है।

वास्तव में, बच्चे चाहे छोटे हों या किशोरावस्था में पहुंच चुके हों, उनकी दुनिया माता-पिता से गहराई से जुड़ी होती है। खुशी की चहक हो या सुरक्षा का एहसास, बालमन अपनी अनुभूतियों को परिवार के साये में ही आकार देता है। इसके विपरीत, लंबे समय तक माता-पिता के संबंधों में नकारात्मकता देखने वाले बच्चों का मन और मस्तिष्क इस उहापोह से अछूता नहीं रह सकता। उनका विश्वास टूटने लगता है, उम्मीदें बिखरने लगती हैं और भय तथा असुरक्षा धीरे-धीरे उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं।

सूचनाओं और तकनीक की भरमार वाले इस दौर में बच्चे पहले की तुलना में अधिक जागरूक हैं। वे घर के तनाव, आर्थिक समस्याओं, रिश्तों की दूरी और माता-पिता के व्यवहार को समझते और महसूस करते हैं। इसलिए अभिभावकों को भी बच्चों के मनोभावों को समझने के लिए अधिक संवेदनशील होना होगा। परिवार का तनावपूर्ण माहौल बच्चे के विकास के हर मोर्चे पर जोखिम पैदा कर सकता है। बच्चे निराशावादी हो सकते हैं और अपने मन की बातें साझा करना बंद कर सकते हैं।

मनोवैज्ञानिक शोध भी पारिवारिक अस्थिरता के बच्चों पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर संकेत करते हैं। अस्थिर पारिवारिक वातावरण में बड़े होने वाले बच्चों में चिंता, तनाव और कम आत्मसम्मान जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिल सकती हैं। माता-पिता की उदासी, घर में लगातार विवाद, अपमानजनक व्यवहार और असुरक्षित वातावरण उनके विकास को प्रभावित करते हैं। कई बच्चे मानवीय संबंधों, विश्वास और संवाद की स्वस्थ समझ विकसित करने में कठिनाई महसूस करते हैं और अधूरे आत्मविश्वास के साथ बड़े होते हैं।

स्पष्ट है कि माता-पिता का मनमुटाव बच्चों के मन का वातावरण भी बदल देता है। अभिभावकों का अलगाव हो या साथ रहते हुए लगातार चलने वाली कटुता, दोनों ही स्थितियां बच्चों के जीवन को अशांति और उलझनों से भर सकती हैं। माता-पिता के बीच असहमतियों और नकारात्मक टिप्पणियों का प्रतिदिन सामना करने वाले बच्चों की जिंदगी कई बार दिशाहीन हो जाती है।

यह समस्या केवल आम परिवारों तक सीमित नहीं है। चर्चित और संपन्न परिवारों में भी रिश्तों का बिखराव बच्चों को प्रभावित करता है। यही कारण है कि न्यायालय भी वैवाहिक विवादों में बच्चों के हित और उनकी भावनात्मक स्थिरता को विशेष महत्त्व देते रहे हैं। कुछ समय पहले दिल्ली उच्च न्यायालय में एक वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान जुड़वां बच्चियों ने माता-पिता के झगड़ों और आपसी हिंसा को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी। बच्चियों की बातों ने यह स्पष्ट कर दिया कि माता-पिता के विवादों की सबसे बड़ी कीमत अक्सर बच्चे चुकाते हैं।

ऐसे में जरूरी है कि अभिभावक केवल तलाक या अलगाव की प्रक्रिया के दौरान ही नहीं, बल्कि साथ रहते हुए भी अपने संबंधों में संयम और सहजता बनाए रखने का प्रयास करें। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन बच्चों के सामने अपमान, हिंसा और कटुता का प्रदर्शन उनके मन पर स्थायी घाव छोड़ सकता है। अगर रिश्ते बचाना संभव न हो, तो भी बच्चों के हित में सम्मानजनक संवाद और सहयोगपूर्ण सह-अभिभावकत्व आवश्यक है।

बच्चे अक्सर शब्दों से अधिक अपने माता-पिता के व्यवहार से सीखते हैं। इसलिए बड़ों का संवेदनशील, संयमित और संतुलित व्यवहार ही बच्चों के मनोविश्व को सुरक्षित रख सकता है। रिश्तों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन बच्चों का बचपन मतभेदों की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। आखिर एक सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और संवादपूर्ण परिवार ही उस मजबूत पीढ़ी की नींव रख सकता है, जो जीवन की चुनौतियों से टूटने के बजाय उनका सामना करना सीखे।

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट, पिथौरागढ़ में लैंडस्लाइड से 2 दर्जन रोड बंद, बागेश्वर में भी बुरा हाल

देहरादून/पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार 12 सितंबर तक का मौसम का पूर्वानुमान जारी कर दिया है. इस पूर्वानुमान के अनुसार आज सोमवार 7 सितंबर से लेकर 12 सितंबर तक यानी पूरे हफ्ते पूरे राज्य में बारिश होगी. आज राज्य के 6 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है. उधर बारिश ने पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों में काफी नुकसान किया है. लैंडस्लाइड के कारण पिथौरागढ़ जिले की 24 और बागेश्वर जिले की 8 सड़कें बंद पड़ी हैं.

पिथौरागढ़ में बारिश से जन-जीवन अस्तव्यस्तः उधर सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में पिछले तीन दिन से लगातार बारिश और भूस्खलन से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. आज जिले भर में स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है. भारी बारिश के बीच लोग घरों में दुबकने के लिए मजबूर हुए हैं. बंद सड़कों ने लोगों की मुश्किल बढ़ाने का काम किया है. चीन सीमा को जोड़ने वाली दोनों सड़कों पर पिछले तीन दिनों से आवागमन ठप है. जिले में 24 ग्रामीण मोटर मार्गों पर भी आवाजाही बाधित रहने से हजारों लोग परेशान हैं.

कैलाश मानसरोवर और आदि कैलाश को जोड़ने वाले मार्ग बंदः कैलाश मानसरोवर सहित आदि कैलाश और व्यास घाटी को जोड़ने वाली तवाघाट-गुंजी सड़क बीते शनिवार से कई जगह भूस्खलन होने से बंद है. इस पर रविवार को तीसरे दिन भी आवाजाही सुचारू नहीं हो सकी. एस बैंड के पास भारी बारिश से सड़क का बड़ा हिस्सा वॉशआउट हो गया है. ऐसे में इस पर जल्द आवाजाही सुचारू होने की संभावना कम है. तीन दिन से सड़क बंद होने से अनेक वाहन और यात्री गुंजी और धारचूला की ओर फंसे हुए हैं. कंज्योति तवाघाट-नारायण आश्रम मोटर मार्ग वॉश आउटः वहीं दारमा घाटी को चीन सीमा से जोड़ने वाली तवाघाट-सोबला सड़क भी पंगबावे समेत अनेक स्थानों पर भूस्खलन से बंद है. इससे घाटी के लिए आवाजाही और जरूरी सामान की आपूर्ति शनिवार से ठप है. चौदास घाटी में पड़ने वाला कंज्योति तवाघाट-नारायण आश्रम मोटर मार्ग का करीब 50 मीटर हिस्सा दो दिन पूर्व को वॉशआउट हो गया था. इसके चलते सीमांत क्षेत्र में लोगों की परेशानियां काफी बढ़ गई हैं.

पिथौरागढ़ जिले में 24 मोटर मार्ग बंद हैंः भूस्खलन से जिलेभर में 24 ग्रामीण मोटर मार्ग पर आवागमन ठप रहा. इनमें से एक दर्जन मार्ग रविवार को मलबा आने से बंद हुए जबकि अन्य सड़कों पर पिछले कई दिनों से जगह-जगह भूस्खलन होने से आवाजाही ठप है. ऐसे में बारमौ, उमचिया, नामिक, जुम्मा, बुई, पातों, कोटा, बांसबगड़, दारमा, कूटा, तोमिक आदि क्षेत्रों के हजारों लोगों को खासी दिक्कत का सामना पड़ रहा है. इन क्षेत्रों में आपूर्ति ठप होने से राशन सहित अन्य दैनिक जरूरत के सामान की भी किल्लत शुरू हो गई है.

ग्रामीणों ने बताया अपना दर्दः उमचिया के कैलाश सिंह, होकरा के गणेश, नामिक के रमेश सिंह आदि ने कहा कि बमुश्किल बंद सड़कों के बीच पैदल सफर कर स्थानीय बाजारों में पहुंच रहे हैं. तब जाकर पीठ पर राशन ढोकर घर पहुंचाने के लिए मजबूर हैं.

गोरी नदी की बाढ़ से भूकटावः उधर मुनस्यारी में गोरी नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव से मदकोट क्षेत्र में भूकटाव शुरू हो गया है. नदी के कटाव से स्थानीय लोगों में दहशत है. कई आवासीय भवनों पर खतरा मंडरा रहा है. नदी किनारे कटाव शुरू होने से ग्रामीणों को वर्ष 2013 और 2018 के दौरान हुई तबाही की यादें ताजा हो गई हैं. भूकटाव की चपेट में देव सिंह रावत, किशनी देवी, भवान सिंह, मालती देवी और मंगल राम समेत अन्य ग्रामीणों के मकानों के आने का खतरा बना हुआ है.

गोरी नदी से कई मकानों और स्कूल को खतराः ग्रामीणों का कहना है कि यदि नदी का जलस्तर और बढ़ा, तो कई मकानों को नुकसान पहुंच सकता है. लगातार कटाव से मदकोट स्थित शिशु मंदिर के भवन को भी खतरा पैदा हो गया है. इससे विद्यालय और आसपास के आवासीय क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से संवेदनशील स्थानों का तत्काल निरीक्षण कर सुरक्षा के ठोस इंतजाम करने की मांग की है. ग्रामीणों ने नदी किनारे सुरक्षा दीवार बनाने और प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल सुरक्षात्मक कार्य करने पड़ रहे हैं. धारचूला वाले इलाके में ज्यादा लैंडस्लाइडः बारिश के चलते चीन सीमा से जुड़े धारचूला क्षेत्र के दो प्रमुख बॉर्डर मार्ग मलबा आने से बंद हो गए. तवाघाट-सोबला और तवाघाट-गुंजी मार्ग पर मलबा आने से आवाजाही ठप रही. मार्ग बंद होने से सीमा क्षेत्र में जाने वाले वाहनों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा. बीआरओ की टीमें मशीनों के साथ मार्ग से मलबा हटाने और यातायात बहाल करने में जुटी रहीं।

उत्तराखंड के स्कूलों में बनेगा एंटी ड्रग सेल, चार चरणों में चलेगा अभियान, नशा मुक्त होंगे विद्यालय

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के स्कूलों को नशामुक्त बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने 2026 से 2029 तक विशेष अभियान चलाने का रोडमैप तैयार किया है. अभियान को चार चरणों में लागू किया जाएगा. स्कूलों में एंटी ड्रग सेल गठित करने के साथ नोडल शिक्षक नियुक्त होंगे, जो छात्रों में नशे की प्रवृत्ति की शुरुआती पहचान करेंगे. जरूरत पड़ने पर काउंसलिंग और विशेषज्ञों की मदद भी उपलब्ध कराई जाएगी. अभिभावकों के साथ स्वास्थ्य, पुलिस और समाज कल्याण विभाग का सहयोग भी लिया जाएगा.

उत्तराखंड के स्कूलों में बच्चों को नशे की लत से बचाने और सुरक्षित शैक्षिक वातावरण तैयार करने के लिए सरकार ने बड़ा अभियान शुरू करने का फैसला किया है. राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की ओर से नशा मुक्त देवभूमि एवं नशा मुक्त विद्यालय अभियान 2026-2029 का रोडमैप तैयार किया गया है. इस योजना के तहत सरकारी और निजी दोनों तरह के शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रमों के साथ एक व्यवस्थित तंत्र विकसित किया जाएगा. जिससे बच्चों में नशे की प्रवृत्ति की समय रहते पहचान की जा सके. उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके. शिक्षा विभाग के अनुसार अभियान का उद्देश्य केवल नशे के दुष्प्रभाव बताना नहीं है, बल्कि विद्यालयों को सुरक्षित, संवेदनशील और सहयोगात्मक वातावरण के रूप में विकसित करना भी है. इसके लिए स्कूलों में विशेष व्यवस्थाएं तैयार की जाएंगी. शिक्षकों को भी नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी.

चार चरणों में लागू होगी योजनाः सरकार ने इस अभियान को चार चरणों में लागू करने की तैयारी की है. पहले चरण में वर्ष 2026 के दौरान संस्थागत ढांचे का निर्माण किया जाएगा. स्कूलों की क्षमता बढ़ाने पर जोर रहेगा. दूसरे चरण में वर्ष 2027 के दौरान जागरूकता कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा. अधिक से अधिक छात्रों को अभियान से जोड़ा जाएगा. तीसरे चरण में 2028 में कार्यक्रमों का मूल्यांकन और उन्हें और प्रभावी बनाने का कार्य होगा, जबकि 2029 तक स्कूलों के लिए स्थायी व्यवस्था और प्रमाणन प्रणाली विकसित करने की योजना है.

स्कूलों में बनेंगी एंटी ड्रग सेलः अभियान के तहत प्रदेश के सभी विद्यालयों में एंटी ड्रग सेल का गठन किया जाएगा।

स्कूल जा रहे थे बच्चे, अचानक सामने आ धमका भालू, दो शावक भी थे साथ, चिल्लाते हुए जान बचाकर दौड़े

देहरादून, एजेंसी। चमोली के पोखरी में इन दिनों भालू का आतंक है। दिन में ही भालू सड़क तक पहुंच रहे हैं। सुबह गुणम और सिदेली गांवों के छात्र-छात्राएं स्कूल आ रहे थे। इसी दौरान भालू उनके सामने आ धमका।

पोखरी क्षेत्र में भालू का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज सुबह राजकीय इंटर कॉलेज गोदली जा रहे नैल, गुणम और सिदेली गांवों के 15 छात्र-छात्राओं के सामने ढोगडम तोक में अचानक भालू अपने दो शावकों के साथ आ गया। भालू को देखते ही बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए बच्चे चिल्लाते हुए वापस गांव की ओर दौड़ पड़े। गनीमत रही कि भालू ने बच्चों पर हमला नहीं किया और सभी सकुशल घर पहुंच गए।

प्रधानाचार्य रुपचंद सैलानी ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे नैल, गुणम और सिदेली गांवों के 15 छात्र-छात्राएं स्कूल आ रहे थे। इसी दौरान ढोगडम तोक में अचानक उनके सामने भालू और उसके दो बच्चे आ गए। भालू को सामने देखकर बच्चे बुरी तरह सहम गए और शोर मचाते हुए वापस घर लौट आए। घटना की जानकारी मिलने के बाद अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को फिलहाल घर में रहने की सलाह दी गई है। साथ ही अभिभावकों से बच्चों को अकेले स्कूल नहीं भेजने को कहा गया है। वन विभाग को भी घटना की सूचना दे दी गई है। नैल गांव के छात्र अरमान और मीनाक्षी ने बताया कि रास्ते में अचानक भालू अपने दो शावकों के साथ दिखाई दिया। भालू को देखते ही वे डर गए और जान बचाकर वापस भागे। लोगों का कहना है कि भालू की लगातार बढ़ती सक्रियता से रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। अब बच्चों को स्कूल भेजना भी जोखिम भरा लग रहा है। उन्होंने वन विभाग से प्रभावित गांवों और स्कूल जाने वाले रास्तों पर गश्त बढ़ाने तथा भालू के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सिदेली गांव की विमला देवी और लक्ष्मी देवी घास लेने जंगल गई थीं। इसी दौरान भालू के हमले से बचने के प्रयास में दोनों चट्टान से नीचे गिर गई थीं, जिससे उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के कुछ ही दिन बाद स्कूल जाने वाले रास्ते पर बच्चों के सामने भालू और उसके शावकों के दिखाई देने से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है।

केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग नागनाथ रेंज के वन क्षेत्राधिकारी कपिल गुसाईं ने बताया कि क्षेत्र में वन कर्मियों की टीम पहले से ही लगातार गश्त कर रही है। भालू की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कई स्थानों पर कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। डीएफओ रजत सुमन ने बताया कि वन विभाग की टीम क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग कर रही है।

जिला सहकारी बैंकों के अध्यक्ष पद का चुनाव, बीजेपी ने घोषित किए प्रत्याशी, पांच जिलों के घोषणा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में सहकारी बैंकों के अध्यक्ष पद के लिए चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं. भारतीय जनता पार्टी ने विभिन्न जिलों के लिए अध्यक्ष पद के समर्थित प्रत्याशियों की भी घोषणा कर दी है. खास बात यह है कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले जिला सहकारी बैंकों में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने जा रहे हैं, जो की राजनीतिक रूप से भी बेहद खास हैं.

उत्तराखंड में जिला सहकारी बैंकों के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीति साफ कर दी है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की सहमति के बाद पार्टी ने पांच जिला सहकारी बैंकों के अध्यक्ष पद के लिए अपने समर्थित प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है. पार्टी की ओर से जारी सूची में देहरादून, चमोली, उत्तरकाशी, कोटद्वार और टिहरी जिला सहकारी बैंकों के लिए प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं. भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर से 6 सितंबर को जारी पत्र में इन प्रत्याशियों को पार्टी की ओर से समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है. पार्टी ने संबंधित जिला सहकारी बैंकों में अध्यक्ष पद के लिए इन नामों के समर्थन की घोषणा की है. सूची के मुताबिक देहरादून जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद के लिए मंजीत रावत को पार्टी ने समर्थन दिया है. चमोली जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद के लिए गजेंद्र सिंह रावत को समर्थित प्रत्याशी बनाया गया है. इसी तरह उत्तरकाशी जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद के लिए शारदा राणा को भाजपा ने अपना समर्थित प्रत्याशी घोषित किया है. कोटद्वार जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद के लिए पंकज रावत को समर्थन दिया गया है. वहीं टिहरी जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद के लिए सुभाष चंद्र स्मोला को भाजपा का समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है.

भाजपा की इस घोषणा के बाद अब इन पांच जिला सहकारी बैंकों के अध्यक्ष पद के चुनाव में पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

सैन्यधाम पर फिर शुरू हुई कंट्रोवर्सी, गणेश जोशी के बयान से मचा घमासान

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के बयान को लेकर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग ने सवाल उठाए हैं. कांग्रेस ने सैन्य धाम से जुड़े मंत्री गणेश जोशी के उसे कथित बयान पर गंभीर सवाल उठाए हैं जिसमें उन्होंने सैन्य धाम के संदर्भ में चुनावी लाभ लिए जाने की बात कही थी. कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष रिटायर्ड कर्नल राम रतन सिंह नेगी ने मीडिया से वार्ता की. उन्होंने कहा अगर किसी मंत्री की ओर से शहीदों की स्मृति में निर्मित स्मारक को चुनावी लाभ लेने से जोड़ा जा रहा है तो यह सार्वजनिक विमर्श और सैनिक सम्मान दोनों के लिए गंभीर विषय है. उन्होंने मांग उठाई की मंत्री को अपने बयान पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देना चाहिए. साथ ही उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए. उन्होंने कहा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शहीद किसी राजनीतिक दल के नहीं होते हैं. जिस सैनिक ने सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा की हो, उसकी राजनीतिक पहचान नहीं बल्कि उसकी पहचान भारत माता के वीर सपूत के रूप में की जाती है. सेवानिवृत कर्नल नेगी ने कहा जिस मां ने अपने बेटे को वर्दी पहनाकर देश की सेवा के लिए भेजा वह अपनी संतान किसी पार्टी को नहीं देती, क्योंकि वह उसे भारत माता को समर्पित करती है. उन्होंने कहा सैन्य धाम में लाई गई 1734 शहीद परिवारों के आंगन की मिट्टी इसी राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है, इसलिए सैन्य धाम केवल भवन नहीं बल्कि देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों की स्मृति और सम्मान से जुड़ा राष्ट्रीय महत्व का स्मारक है. इसके निर्माण में पारदर्शिता, समयबद्धता और सार्वजनिक जवाब देही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. इसे किसी भी राजनीतिक दल की चुनावी पूंजी नहीं बनाया जा सकता है. इस दौरान उन्होंने सैनिक धाम के निर्माण में हो रही देरी लगातार बढ़ती लागत और परियोजना से जुड़े वित्तीय और प्रशासनिक सवालों को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर प्रश्न चिन्ह खड़े किए हैं।

हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद, कल मुख्यमंत्री आवास कूच करेगी कांग्रेस, प्रदेश प्रभारी समेत कई बड़े नेता होंगे शामिल

देहरादून, एजेंसी। हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद को लेकर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 7 सितंबर यानी कल मुख्यमंत्री आवास कूच किए जाने का आह्वान किया है. कांग्रेस पार्टी के इस प्रदर्शन में उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी सांसद कुमारी शैलजा भी शामिल होंगी.

क्या बोली कुमारी शैलजाः पार्टी प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा कांग्रेस का घेराव कार्यक्रम ऐतिहासिक होने जा रहा है. उन्होंने कहा जिस प्रकार से यहां राज्य सरकार की मनमानी पर उतर रही है, जबकि हमारा स्पष्ट मानना है कि सामने से लड़ाई को लड़ा जाए. उन्होंने कहा यहां किसी पर एफआईआर दर्ज कराई जा रही है तो कहीं पर शुद्धिकरण किया जा रहा है. इससे ना तो हमारे कार्यकर्ता दबेंगे और ना ही हमारे नेता दबने वाले हैं. उन्होंने कहा हल्द्वानी में जिस तरह हमारे नेता के खिलाफ कथित शुद्धिकरण किया गया है, उससे अब प्रदेश का प्रत्येक समाज जाग गया है. उन्होंने कहा चुनाव नजदीक है, ऐसे में उनमें बौखलाहट स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है. कुमारी शैलजा ने आरोप लगाया कि हर तरह के हथकंडे अपना कर राहुल गांधी पर एफआईआर कर दी जाती है लेकिन जिन पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए, उन पर दर्ज नहीं की गई. अब जब चुनाव नजदीक आ गए हैं,तब भाजपा बैक फुट पर आ गई है. अग्नि वीर ,भ्रष्टाचार, बढ़ते अपराध जैसे कई ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें कांग्रेस पार्टी चुनाव में उठाने जा रही है.

पार्टी प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि, कुमारी शैलजा अपने तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर पहुंच गई हैं. 7 सितंबर को कांग्रेस पार्टी का मुख्यमंत्री आवास हल्ला बोल कार्यक्रम है. इस घेराव के सफल आयोजन के मद्देनजर रखते हुए कुमारी शैलजा देहरादून आई हैं. अपने तीन दिन के उत्तराखंड प्रवास के दौरान पार्टी प्रदेश प्रभारी मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर पार्टी नेताओं के साथ विमर्श करेंगी.

अपने 3 दिन के प्रवास के दौरान वो पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता गणों के अलावा संगठन के पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगी, ताकि पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए संगठनात्मक रूप से मजबूत किया जा सके. अपने प्रवास के दौरान वो उन सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात करेंगी, उनसे मिलना चाहते हैं. तीन दिनों तक कुमारी शैलजा उत्तराखंड में रहेंगी. इसके अलावा कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का भी उत्तराखंड दौरा प्रस्तावित है.

गोदियाल का कहना है कि, इस वक्त मॉनसून का दौर चल रहा है. बरसात कम होने पर कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत होने के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ-साथ ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उत्तराखंड में होने वाले कार्यक्रमों को तय किया जाएगा. उन्होंने बताया कि, प्रदेश में इन सभी कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेताओं के कार्यक्रम होने जा रहे हैं.

हरक सिंह ने बैठक कर कार्यकर्ताओं से घेराव कार्यक्रम सफल बनाने का आह्वान किया. उन्होंने मुख्यमंत्री आवास घेराव की महारैली को सफल बनाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने कहा जनता की आवाज और लोकतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई को मजबूती से लड़ना होगा. इसलिए सभी 7 सितंबर को बड़ी संख्या में जुटकर सरकार को जनता की ताकत का एहसास कराना होगा.

गौर है कि, हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद मंच का शुद्धिकरण किए जाने के मामले पर कांग्रेस आक्रोशित है. लगातार कांग्रेस उस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है. खड़गे खुद इस मुद्दे को राज्यसभा में भी उठा चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

मसूरी की ऐतिहासिक मालरोड पर दरारें

देहरादून, एजेंसी। मसूरी की ऐतिहासिक मालरोड पर बारिश का असर दिख रहा है, जहां कुलड़ी बाजार में पिक्चर पैलेस के पास दरारें पड़ गई हैं। कुछ स्थानों पर सड़क करीब आधा फीट तक धंस गई है। इससे स्थानीय व्यापारियों और लोगों में चिंता बढ़ गई है। ब्रिटिशकाल से ही मालरोड पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण रही है। आज भी यह शहर की सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण सड़कों में शामिल है। यहां दिनभर स्थानीय लोगों के साथ बड़ी संख्या में पर्यटकों की आवाजाही रहती है। सड़क में आई दरार और धंसाव ने इसकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय व्यापारियों दिनेश सेमवाल, प्रताप पंवार और संजय नेगी ने बताया कि पिक्चर पैलेस चौक के पास मालरोड पर कुछ समय से दरारें हैं। बारिश के कारण ये दरारें धीरे-धीरे गहरी होती जा रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इसकी जांच और मरम्मत नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में सड़क को और नुकसान पहुंचने की आशंका है। सार्वजनिक निर्माण विभाग (लोनिवि) के अधिशासी अभियंता दीपक कुमार वर्मा ने बताया कि मालरोड में दरार की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि टीम भेजकर इसकी जांच की जाएगी।

इस साल सस्ते में खून बढ़ाएगा अनार

देहरादून, एजेंसी। सेहत का खजाना कहे जाने वाले अनार के दामों में इस बार पहले के जैसी तेजी नहीं है। आवक बढ़ने से अनार के दाम पिछले साल की तुलना में काफी कम हैं। इस साल अब तक 6000 से 10 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक मंडी के कारोबारी अनार बेच रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि इस साल अनार के दाम कम ही रहने की उम्मीद है। फिलहाल महाराष्ट्र से अनार मंडी पहुंच रहा है। दो महीने बाद गुजरात के अनार की आवक भी शुरू हो जाएगी। बताया जा रहा है कि इस बार महाराष्ट्र में अनार की बंपर फसल हुई है। सरकारी नीतियों और मौसम अनुकूल रहने के कारण करीब एक दशक बाद इतनी फसल महाराष्ट्र में हुई है। यही कारण है कि इस बार देश की मंडियों में शुरुआत से ही न सिर्फ अनार अच्छी मात्रा में पहुंच रहा है बल्कि इसकी गुणवत्ता भी पहले के मुकाबले बेहतर है। मंडी के फल विक्रेता असगर कहते हैं कि पिछले साल इन दिनों यानी शुरुआती सीजन में अनार के थोक भाव 100 रुपये से अधिक थे। जो कि इस बार न्यूनतम 60 रुपये प्रतिकिलोग्राम और अधिकतम 100 रुपये तक हैं। देहरादून मंडी में शनिवार को अनार के दाम 60 रुपये से लेकर 100 रुपये तक रहे थे। जबकि, ऋषिकेश मंडी में 65 रुपये से 110 रुपये प्रतिकिलोग्राम तक अनार बेचा गया। कारोबारियों का कहना है कि महाराष्ट्र के कई जिलों से अनार पहुंच रहा है। नवंबर से गुजरात की फसल भी शुरू हो जाएगी। बता दें कि पिछले साल अनार की फसल इस साल से कमजोर थी। हालांकि, सरकार ने अनार का निर्यात भी किया था। इसके अलग पिछले साल दिसंबर में अफगानिस्तान के कंधार से अनार को आयात भी किया गया था। स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि दिल्ली की मंडी के माध्यम से यहां अनार पहुंचता है। कंधारी अनार कभी कभार ही देहरादून में बिकता है।

लाठियों से पीटने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

देहरादून, एजेंसी। कुंजाग्रांट गांव में मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने कुंजाग्रांट निवासी मोहम्मद कैफ, बाबर और माडी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि कुंजाग्रांट निवासी इस्तकार ने शिकायत दी कि पांच सितंबर की शाम करीब पांच बजे मोहम्मद कैफ और बाबर ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद दोनों ने लाठियों से उसकी पिटाई की। आरोप है कि उसे बार-बार उठाकर जमीन पर पटककर भी मारा। किसी तरह वहां से भागकर उसने अपनी जान बचाई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी, जिसमें माडी भी शामिल थी। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

और भव्य होगा हरितालिका तीज उत्सव: मुख्यमंत्री

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोरखाली महिला हरितालिका तीज उत्सव को सरकारी स्तर पर और अधिक भव्य व व्यापक रूप से आयोजित किए जाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से गोरखाली समाज की माताओं और बहनों में उत्साह देखने को मिला। गढ़ी कैंट में रविवार को यह नेपाल त्रासदी के कारण सादगी से मनाया गया। इस दौरान मृतकों की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक मंत्रोच्चार हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल से हमारे नाते रिश्ते हैं। हम इस दुख की घड़ी में हर वक्त नेपाल के साथ खड़े हैं। जसवंत सिंह ग्राउंड, गढ़ी कैंट में आयोजित इस हरितालिका तीज कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नेपाल में काल कलवित हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरितालिका तीज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि माता पार्वती की अटूट तपस्या, विश्वास, समर्पण और शक्ति का प्रतीक है। ऐसे पारंपरिक पर्व नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने गोरखाली समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड की विकास यात्रा में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वीरता, निष्ठा, परिश्रम और राष्ट्रभक्ति के लिए पहचाने जाने वाले गोरखा वीरों ने देश की सीमाओं की रक्षा में सदैव अदम्य साहस का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, खेल, कला, साहित्य और समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में गोरखाली समाज प्रदेश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस में जिला व महानगर अध्यक्ष के लिए घमासान

गोरखपुर , एजेंसी। कांग्रेस में नए जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष को लेकर हलचल तेज हो गई है। दोनों पदों के लिए कुल करीब 15 आवेदन भरे गए हैं। इनमें जिलाध्यक्ष के लिए नौ और महानगर अध्यक्ष पद के लिए छह लोगों ने दावेदारी की है। पार्टी प्रदेश नेतृत्व ने सभी आवेदकों के बारे में जानकारी भी मंगाई है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही पार्टी की ओर से नाम तय कर लिए जाएंगे। पार्टी की ओर से नेताओं से आवेदन मांगे गए थे। पूर्व जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान के अलावा अरुण अग्रहरि, राकेश यादव, अभिषेक गांधी, मोनिका पांडेय, उमेंद्र पांडेय, जितेंद्र पांडेय, रवि प्रताप निषाद, प्रेम लता चतुर्वेदी ने भी दावेदारी की है। इसके अलावा महानगर अध्यक्ष के लिए अनवर हुसैन, सुमित पांडेय, अनुराग पांडेय, तौकीर आलम,जितेंद्र विश्वकर्मा का नाम सामने आया है। जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी ने बताया कि इस समय सभी की निगाहें सूची पर टिकी हैं। सोमवार या मंगलवार को सूची जारी हो सकती है। इसके बाद पार्टी के निर्देश के अनुसार क्षेत्र में संगठन का कार्य आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विगत दिनों यूपी कांग्रेस के सह प्रभारी व सांसद श्याम कुमार दौलत बरवे ने विभिन्न ब्लाकों का दौरा किया था। इसी दौरान कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद के लिए आवेदन दिए थे। अब शीर्ष नेतृत्व के निर्णय का इंतजार है।

वर्षों से पदोन्नति नहीं वेतन पर भी संकट

गोरखपुर , एजेंसी। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ (पीआरकेएस) के महामंत्री विनोद कुमार राय ने पूर्वोत्तर रेलवे के कार्मिक विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन की उदासीनता और रेलवे बोर्ड के नियमों की अनदेखी से कर्मचारियों को पदोन्नति, परीक्षा और चिकित्सीय मामलों में नुकसान उठाना पड़ रहा है। रेलवे बोर्ड ने विभिन्न कोटियों में पदोन्नति, विभागीय परीक्षा और पैनल बनाने के स्पष्ट नियम तय किए हैं। दूसरे रेल जोनों में इन नियमों के तहत कर्मचारियों को अवसर मिल रहे हैं लेकिन पूर्वोत्तर रेलवे में पर्याप्त रिक्तियां और योग्य कर्मचारी होने के बावजूद कई वर्षों से पदोन्नति के मामले लंबित हैं। उन्होंने 25 और 50 प्रतिशत एलडीसीई कोटे की परीक्षाओं के बाद अभ्यर्थियों के प्राप्तांक सार्वजनिक नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए। इससे कर्मचारियों में प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर असंतोष है। सबसे गंभीर मामला बीमार कर्मचारियों का है। गंभीर बीमारी के कारण मूल पद पर काम करने में असमर्थ कर्मचारियों को महीनों और कई बार एक वर्ष से अधिक समय तक वैकल्पिक पद पर समायोजित नहीं किया जा रहा है। पीआरकेएस ने लंबित पदोन्नतियां तत्काल पूरी करने, परीक्षा के अंक सार्वजनिक करने और बीमार कर्मचारियों का शीघ्र समायोजन करने की मांग की है।

गोरखपुर के अनिमेष निषाद बने आर्मी लेफ्टिनेंट

गोरखपुर , एजेंसी। एम्स के निकट खोट्ठा टोला निवासी अनिमेष निषाद ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर शहर और परिवार का मान बढ़ाया है। बिहार के गया स्थित ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें शिमला में पहली नियुक्ति मिली है। अनिमेष के पिता रमेश चंद निषाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के नियंता कार्यालय में प्रधान सहायक के पद पर कार्यरत हैं जबकि माता हेमलता निषाद गृहिणी हैं। बेटे की इस बड़ी उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। अनिमेष ने अपनी शुरुआती पढ़ाई गोरखपुर के निजी इंटर कॉलेज से की। इसके बाद उन्होंने लखनऊ से बीटेक की डिग्री हासिल की। वर्ष 2025 में घोषित शॉर्ट सर्विस कमीशन (टेक्निकल) परीक्षा के परिणाम में उन्होंने ऑल इंडिया 31वीं रैंक हासिल कर यह मुकाम पाया था। प्रशिक्षण पूरा कर घर पहुंचने पर शहरवासियों और परिचितों ने जगह-जगह माल्यार्पण कर और ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

जरूरतमंदों की मददगार आराध्या को उदयपुर में मिला सम्मान

कानपुर, एजेंसी। महज छह साल की उम्र में कोरोना संक्रमण से पिता को खोने वाली आराध्या त्रिपाठी जरूरतमंदों का सहारा बनी हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी मदद के वीडियो देखने के बाद नारायण सेवा संस्थान उदयपुर ने उन्हें दो सितंबर को ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया। सोशल क्रिएटर आराध्या वहां मुख्य अतिथि के रूप में भी आमंत्रित की गई थीं।

स्वाइन फ्लू से उन्नाव में देवर-भाभी की मौत

16 संपर्कों के लिए गए सैंपल; एक और संक्रमित

कानपुर, एजेंसी। सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने गांव में संपर्क में आए 16 लोगों के सैंपल लिए हैं। वहीं जिले में एक और 53 वर्षीय महिला में संक्रमण की पुष्टि हुई है। 50 वर्षीय व्यक्ति को बुखार और सांस लेने में परेशानी के बाद लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ समय बाद उनकी 56 वर्षीय भाभी की भी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें भी लखनऊ ले जाया गया। जांच में दोनों के स्वाइन फ्लू संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

24 घंटे में देवर-भाभी की मौत

इलाज के दौरान दो सितंबर की देर रात 50 वर्षीय व्यक्ति की हालत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। अगले दिन तीन सितंबर को उनकी 56 वर्षीय भाभी ने भी दम तोड़ दिया। इसके बाद मृतका के बेटे ने पॉजिटिव जांच रिपोर्ट के साथ स्वास्थ्य विभाग को दोनों की मौत की सूचना दी।

16 लोगों के लिए गए सैंपल

सूचना मिलने के बाद रविवार को सीएचसी प्रभारी डॉ. मंजेश के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम अटवा बैक गांव पहुंची। टीम ने मृतकों के संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाई। ऐसे 16 लोगों के सैंपल लिए गए हैं, जिन्हें आरटीपीसीआर जांच के लिए केजीएमयू लखनऊ भेजा गया है।

एक और महिला में संक्रमण की पुष्टि

जिले में 53 वर्षीय महिला में भी स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। बुखार और सांस लेने में परेशानी के बाद उन्हें कानपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद बेहतर उपचार के लिए कानपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

तीन दिन में गांव में चार मौतों से हड़कंप

अटवा बैक गांव में देवर-भाभी की मौत के अलावा दो बुजुर्गों की भी बीमारी के बाद मौत हुई है। 60 वर्षीय परमेश्वर की शुक्रवार को और 80 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद की बृहस्पतिवार को मौत हुई थी। हालांकि, इन दोनों मौतों को स्वाइन फ्लू से जोड़कर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तीन दिन के भीतर चार लोगों की मौत से गांव में चिंता का माहौल है।

स्वास्थ्य विभाग बोला- आधिकारिक सूचना नहीं मिली

एसीएमओ डॉ. जयराम सिंह ने बताया कि अस्पताल या लैब की ओर से आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। परिजन की ओर से ईमेल के माध्यम से दी गई सूचना के आधार पर टीम भेजकर जांच कराई गई है। संभावित मरीजों के सैंपल जांच के लिए लखनऊ भेजे गए हैं।

पहले ही सामने आ चुके हैं संक्रमण के मामले

एक दिन पहले कानपुर मंडल में स्वाइन फ्लू संक्रमण को लेकर सामने आई स्थिति ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी थी। कानपुर में स्वाइन फ्लू से पहली मौत की पुष्टि हुई थी, जबकि उन्नाव में कई संक्रमित मरीज सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और जांच का दायरा बढ़ाया था। कन्नौज में भी स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई थी। मंडल के अलग-अलग जिलों में मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संदिग्ध मरीजों की जांच और संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की निगरानी शुरू की थी। अब उन्नाव के अटवा बैक गांव में देवर-भाभी की मौत और एक अन्य महिला में संक्रमण की पुष्टि ने चिंता और बढ़ा दी है।

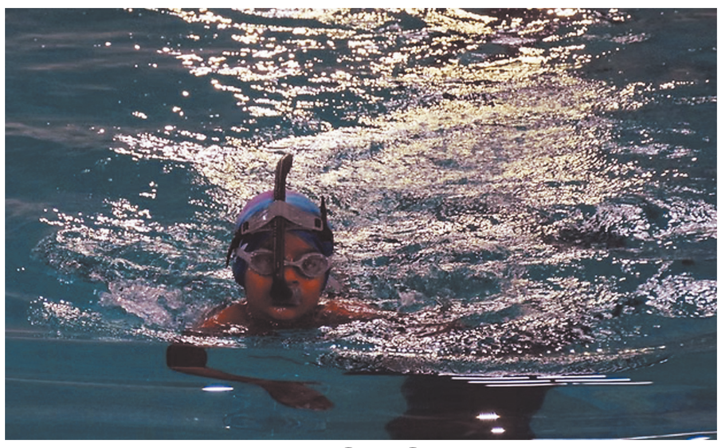

लखनऊ ने जीती अंडरवाटर स्विमिंग चैंपियनशिप

लखनऊ , एजेंसी। राज्य अंडरवाटर व फिन स्विमिंग चैंपियनशिप में मेजबान लखनऊ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 371 अंक के साथ खिताब जीत लिया। वाराणसी की टीम 283 अंक के साथ उपविजेता रही। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के स्विमिंग पूल में हुई प्रतियोगिता में लखनऊ के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में दमदार प्रदर्शन किया। लखनऊ के युग गुप्ता ने 200 मीटर बायफिन्स स्पर्धा में रजत पदक जीता। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय टीम का चयन भी किया गया है। उत्तर प्रदेश अंडरवाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव नरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि टीम की घोषणा जल्द की जाएगी। चयनित टीम 29 सितंबर से पुणे में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी। रविवार को समापन समारोह में अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन के महासचिव तपन पाणिग्रही ने अगली राष्ट्रीय चैंपियनशिप लखनऊ में आयोजित कराने की घोषणा की। मुख्य अतिथि खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पांडेय और राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी सुधीर एम. बोबडे समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बड़े साहब बोले, एक किलोमीटर से कम लंबी सड़क नहीं बनाता लोक निर्माण विभाग

किसानों के मुताबिक, विभाग ने तीन सितंबर को यह पत्र भेजा था

लखनऊ , एजेंसी। कमालपुर विचलका से कुबहरा गांव तक 700 मीटर अधूरी सड़क के डामरीकरण से लोक निर्माण विभाग ने पल्ला झाड़ लिया है। खंड के अधिशासी अभियंता (बड़े साहब) राजेश कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भेजकर कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में एक किलोमीटर से कम लंबाई की नई सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग नहीं करता।

उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 में किसी अन्य संस्था से सड़क बनवाने का सुझाव दिया है। किसानों के मुताबिक, विभाग ने तीन सितंबर को यह पत्र भेजा था। पांच सितंबर को अधिशासी अभियंता ने प्रदर्शन कर रहे किसानों के बीच पहुंचकर समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया था लेकिन वह मौके पर नहीं पहुंचे। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। किसानों का आरोप है कि विभाग के अभियंता सड़क अधूरी होने के लिए वन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं मिलने का हवाला दे रहे हैं। सड़क का ज्यादातर हिस्सा पहले लोक निर्माण विभाग ने ही बनाया था और अब केवल 700 मीटर हिस्सा अधूरा है। आरोप है कि विभाग इस हिस्से का निर्माण कराने के बजाय मामले को टाल रहा है। इस सड़क से समेसी, शंकरखेड़ा, भवानीखेड़ा, कलंदरखेड़ा समेत करीब 35 गांवों के लोगों का ब्लॉक और तहसील मुख्यालय तक आवागमन होता है।

नाले में पलट चुकी स्कूली वैन

ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क करीब 30 साल से अधूरी है। पिछले महीने इसी मार्ग पर स्कूली वैन नाले में पलट गई थी। हादसे में कई बच्चे चोटिल हुए थे। इसके बाद किसान सड़क के डामरीकरण की मांग को लेकर करीब 20 दिन से धरना दे रहे हैं।

पर किसी भी जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक, ब्लॉक प्रमुख को इस सड़क की फिक्र नहीं। दिवंगत ब्लॉक प्रमुख राम स्वरूप यादव ने 40 साल पहले सड़क बनवाई थी। ग्रामीणों का कहना है कि चुनावी वर्ष में जनप्रतिनिधियों को भी समस्या के समाधान के लिए आगे आना चाहिए। उधर, वन विभाग का कहना है कि लोक निर्माण विभाग एनओसी के लिए आवेदन करे तो 24 घंटे में अनुमति जारी कर दी जाएगी।

बजट बहा... कठौता में गाद जमी रही

लखनऊ , एजेंसी। इंदिरानगर और गोमतीनगर की करीब पांच लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराने वाली कठौता झील की सफाई बजट जारी होने के डेढ़ साल बाद भी नहीं हो सकी है। झील में बालू और मिट्टी जमा होने से पानी की भंडारण क्षमता घट गई है। शारदा सहायक नहर बंद होने पर इसका सीधा असर पेयजल आपूर्ति पर पड़ रहा है।

गोमतीनगर स्थित तीसरे जलकल को कठौता झील से पानी मिलता है। झील में शारदा सहायक नहर से पानी आता है, जिसमें बालू-मिट्टी भी पहुंचती है। करीब 17 फीट गहरी झील में लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण करीब 6.50 लाख क्यूबिक मीटर बालू-मिट्टी जमा होने का अनुमान है। इससे झील की क्षमता प्रभावित हुई है।

शारदा सहायक नहर की साल में दो बार करीब एक-एक महीने के लिए मरम्मत के चलते पानी की आपूर्ति बंद रहती है। इस दौरान इंदिरानगर और गोमतीनगर में झील में जमा पानी से आपूर्ति की जाती है। पूरी क्षमता पर झील में इतना पानी जमा हो सकता है कि करीब 28 दिन तक आपूर्ति हो सके। लेकिन गाद जमा होने से अब कम पानी स्टोर हो पाता है। नहर बंद होने पर नलकूप चलाने के बावजूद कई इलाकों में पानी की किल्लत बनी रहती है।

जलकल विभाग ने जल निगम से 2.53 करोड़ रुपये वापस मांगे

झील की सफाई का काम अवस्थापना निधि से करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से होना है। इसका जिम्मा जल निगम नगरीय की निर्माण खंड हरदोई इकाई को दिया गया है। अप्रैल 2025 में पहली किस्त के तौर पर 2.53 करोड़ रुपये जारी किए गए थे लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ। जलकल ने जल निगम को पत्र भेजकर राशि वापस करने को कहा है। पत्र में अवस्थापना समिति की ओर से काम निरस्त किए जाने का हवाला दिया गया है।

बिना टेंडर सफाई पर उठा था विवाद

पिछले साल झील की सफाई शुरू कराई गई थी लेकिन बिना टेंडर काम कराने को लेकर विवाद खड़ा हो गया और काम बंद कर दिया गया। उस समय जलकल का कहना था कि सफाई करने वाली संस्था कोई भुगतान नहीं लेगी और झील से निकलने वाली मिट्टी ले जाएगी।

प्राविधिक शिक्षा सेवा परीक्षा से अभ्यर्थियों का मोहभंग

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में रविवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा 52 केंद्रों पर आयोजित हुई। परीक्षा के दौरान कुल पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या 22,996 थी लेकिन दोनों ही पाली में 33.91त्न अभ्यर्थी ही उपस्थित रहे। 68 फीसदी से अधिक अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे इस आंकड़े से पता चलता है कि कहीं ना कहीं अभ्यर्थियों का परीक्षा से मोह भंग हुआ है। इस परीक्षा में कुल 22,996 अभ्यर्थी के सापेक्ष पहली पाली सुबह 9 बजे से 11:30 बजे तक की परीक्षा में 15036 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या दूसरी पाली में भी यही रही। वहीं परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न होने पाए पुलिस सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए थे। परीक्षा में अधिकांश अभ्यर्थियों ने पहली पाली और सामान्य तौर पर पेपर को न तो बहुत कठिन और न ही अत्यधिक सरल, बल्कि संतुलित बताया। जनता इंटर कॉलेज आलमबाग में परीक्षा देने आए परीक्षार्थी अनुराग वर्मा ने बताया प्रश्न पाठ्यक्रम के अनुरूप थे, जिससे तैयारी करने वाले छात्रों को पेपर हल करने में आसानी हुई। महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में परीक्षा देने आए सुनील सिंह, प्रताप भदौरिया ने कहा पेपर तय समय सीमा के भीतर प्रश्नों को हल किया जा सकता था, यानी पेपर समय के हिसाब से भी सही था। कहीं पर दिक्कत नहीं हुई।

पर्यायवाची, संधि विच्छेद, वर्तनी के सवालों ने उलझाया

कानपुर, एजेंसी। शहर के 28 केंद्रों पर रविवार को उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा अध्यापक सेवा परीक्षा हुई। कुल 11,831 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 7166 उपस्थित रहे। परीक्षा में इंजीनियरिंग से संबंधित सवाल आसान आए, लेकिन हिंदी में पर्यायवाची, संधि विच्छेद, वर्तनी के प्रश्नों ने अभ्यर्थियों को उलझाए रखा। ईश्वर, ब्रह्मा और बकरा के पर्यायवाची का उत्तर जानने में परीक्षार्थियों के पसीने छूट गए। सामान्य ज्ञान के तीन-चार प्रश्न कठिन थे।

पहली पाली की परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों के चेहरे में राहत दिखी। बताया कि रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र न बहुत कठिन रहा और न ही आसान। सवालों का स्तर मध्यम रहा। सामान्य हिंदी के तहत संधि, समास, उपसर्ग-प्रत्सय, वर्तनी, कारक, पर्यायवाची और विलोम शब्दों से जुड़े सवाल पूछे गए। अनेकार्थी शब्द, मुहावरे और लोकोक्तियों पर भी प्रश्न रहे। विस्मरण का संधि-विच्छेद, कनिष्ठ की शुद्ध वर्तनी ओर वेणु का अर्थ पूछकर अभ्यर्थियों की भाषा संबधी पकड़ परखी गई। मुझे यहां जाना पड़ता है, वाक्य में पड़ता किस प्रकार की क्रिया है, जैसे व्याकरण के सवाल पूछे गए।अभ्यर्थियों को सघन तलाशी के बाद केंद्र में प्रवेश करने दिया गया। राजकीय इंटर कॉलेज भौंती प्रतापपुर में सबसे कम उपस्थिति रही। यहां 260 में केवल 117 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। जबकि 143 अनुपस्थित रहे। वहीं राजकीय पॉलिटेक्निक विकास नगर में 480 में से 198 अभ्यर्थी उपस्थित ओर 282 गैरहाजिर रहे। माल रोड स्थित एलपी इंटर कॉलेज में छात्रों की संख्या को लेकर कंट्रोल रूम से पूछताछ आने पर वहां पुलिस कर्मियों और स्टाफ में कुछ देर में खलबली मच गई।

88 राजकीय आईआईटी में 227 कोर्स बंद

लखनऊ , एजेंसी। बदलते रोजगार बाजार और तकनीकी जरूरतों के बीच कई पारंपरिक व्यावसायिक पाठ्यक्रम अब युवाओं की पहली पसंद नहीं रहे हैं। यही वजह है कि प्रदेश के 88 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में संचालित 22 ट्रेड के 227 कोर्स (यूनिट) इस शैक्षणिक सत्र से बंद कर दिए गए हैं। प्रशिक्षण निदेशालय ने इन पाठ्यक्रमों में लगातार पांच वर्षों तक 30 प्रतिशत से कम प्रवेश होने के आधार पर यह निर्णय लिया है। इस संबंध में सभी संबंधित प्रधानाचार्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। करीब 15 वर्षों से राजकीय आईटीआई में संचालित ड्रेस मेकिंग, फैशन डिजाइन टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा) जैसे पाठ्यक्रम विशेष रूप से महिलाओं और बालिकाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार का प्रमुख माध्यम रहे हैं लेकिन तकनीक में बदलाव और रोजगार के अवसरों की बदलती प्रकृति के कारण इन ट्रेडों का आकर्षण लगातार कम हुआ। प्रशिक्षण निदेशालय के अनुसार, बीते पांच वर्षों में इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश का ग्राफ लगातार गिरते हुए 30 प्रतिशत से भी नीचे पहुंच गया। प्रशिक्षण निदेशालय के निदेशक अभिषेक सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 30 प्रतिशत से कम प्रवेश हुए हैं और जिनकी स्थानीय स्तर पर उपयोगिता व लोकप्रियता समाप्त हो चुकी है, उनमें इस सत्र से प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। एससीवीटी के संयुक्त निदेशक राधेश्याम ने बताया कि इस वर्ष केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों में प्रवेश होंगे, जिन्हें प्रशिक्षण महानिदेशालय से अनुमोदन प्राप्त होगा।

इन प्रमुख ट्रेडों की यूनिटें भी हुईं प्रभावित

राजधानी समेत प्रदेश के 88 राजकीय आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, फिटर, वेल्डर, टर्नर और कोपा जैसे प्रमुख ट्रेडों के कम प्रवेश वाले पाठ्यक्रमों में भी इस वर्ष प्रवेश नहीं होंगे। इसके अलावा मैकेनिक मोटर व्हीकल, टेक्नीशियन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राफ्ट्समैन सिविल, मैकेनिक डीजल और कॉस्मेटोलॉजी सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी इस निर्णय के दायरे में हैं। इस निर्णय से लखनऊ, कानपुर, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, बरेली, देवरिया, बिजनौर, उन्नाव, आगरा, कन्नौज, सीतापुर, रायबरेली, मऊ, गोरखपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, फिरोजाबाद, प्रयागराज, संभल, हाथरस, इटावा, बलिया, सोनभद्र सहित अन्य जिलों के राजकीय आईटीआई प्रभावित होंगे।

107 कोर्स दूसरे संस्थानों में होंगे समायोजित

प्रशिक्षण निदेशालय के अनुसार, प्रभावित 227 कोर्स में से 107 को दूसरे संस्थानों में समायोजित किया जाएगा। इसके साथ संबंधित ट्रेडों के समकक्ष अनुदेशकों का भी स्थानांतरण होगा। समायोजन की यह प्रक्रिया इसी शैक्षणिक सत्र से लागू की जाएगी।

केएम मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस स्टूडेंट्स ने किया चिकित्सक और शिक्षकों का सम्मान

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, मुक्तकंठ से चिकित्सकों ने छात्र-छात्राओं की सराहना

मथुरा। महान शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस (शिक्षक दिवस) के अवसर पर केएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एमबीबीएस (बैच 2022) के छात्र-छात्राओं ने अपने डॉक्टरों और शिक्षकों को कलम तथा गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.सी. प्रजापति, प्रति कुलपति एवं मेडिकल प्राचार्य डॉ. शरद अग्रवाल, रजिस्ट्रार डॉ. पूरन सिंह तथा चांसलर सलाहकार डॉ. एस.पी. गोस्वामी द्वारा डॉ. राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन हॉस्पिटल की जनरल मैनेजर स्वाती शर्मा ने किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों के साथ सेल्फी करके अपने-अपने मोबाइल में यादगार के लिए कैद किया। डॉ. एन.सी. प्रजापति (कुलपति) ने कहा शिक्षक केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों की भावना विकसित कर उन्हें एक सफल चिकित्सक बनाते हैं। डॉ. शरद अग्रवाल (प्रति कुलपति एवं मेडीकल प्राचार्य) ने छात्र-छात्राओं से पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए कहा कि कठिन मेहनत और अनुशासन से ही एक बेहतरीन चिकित्सक बना जा सकता है। डॉ. पूरन सिंह (रजिस्ट्रार) ने कहा शिक्षक हमारा मार्गदर्शन करते हैं। जीवन में जब भी कुछ अच्छा और ज्ञानवर्धक सीखने को मिले, उसे तुरंत आत्मसात कर लेना चाहिए। डॉ. एस.पी. गोस्वामी (चांसलर सलाहकार) ने कहा पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का माध्यम हैं। एक सफल डॉक्टर बनने के लिए गुरुजनों का आदर करने के साथ-साथ उनसे अपनी हर समस्या साझा करनी चाहिए। आयोजन के दौरान एमबीबीएस छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनकी विभागाध्यक्षों और संकाय सदस्यों ने मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर सभी संकायों के डीन, प्रोफेसर, वरिष्ठ चिकित्सक, नर्सिंग विभाग का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनपद न्यायाधीश ने प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झण्डी

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए द्वितीय चरण में चार प्रचार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा विकास कुमार द्वारा सोमवार को राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए द्वितीय चरण में चार प्रचार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर को होगा। सोमवार को जनपद न्यायालय परिसर, मथुरा से चार प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार वाहन के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी व पराविधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। प्रचार वाहनों ने शहर व ग्रामीण क्षेत्र में लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया। इस मौके पर अपर जिला जज अजय पाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, श्रीमती अनीता सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा सहित अन्य न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल आदि उपस्थित रहे। शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार पूरे जनपद में किया जा रहा है। श्रीमती अनीता सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा द्वारा समस्त जनमानस से अपील की गई है राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मुकदमे को चिन्हित कर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर उसका निस्तारण कराए।

निशुल्क प्रशिक्षण के लिए 15 सितम्बर तक करें आवेदन

मथुरा। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र चंद्रभान सिंह ने अवगत कराया कि उद्योग निदेशालय उत्तर प्रदेश कानपुर द्वारा संचालित अनुसूचित जाति सबप्लान, ट्राईवल सबप्लान योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को स्वरोजगार पूर्ण बनाने के लिए चार माह का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसकी निम्न ट्रेडरू– 1– कम्प्यूटर 2– ब्यूटीशियन के प्रशिक्षण के लिए पात्र व्यक्तियों से ट्रेडों में आवेदन 15 सितम्बर तक आमंत्रित किये जायेगे एवं आवेदकों का चयन समिति के चयनोपरान्त किया जायेगा। योजनान्तर्गत निम्न पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित ट्रेड में ही प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी द्वारा 15 सितम्बर तक कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, मथुरा में योजना की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आवेदनकर्ता के लिए फोटो, आधार कार्ड, बैंक पास बुक की छाया प्रति, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता होगी।

स्वच्छ वायु दिवसः स्वच्छ सारथी क्लबों में पर्यावरण जागरूकता पर हुई कार्यशाला

मथुरा। स्वच्छ वायु दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम मथुरा-वृंदावन एवं नगर निगम की कार्यदायी संस्था प्लान फाउंडेशन एवं प्रोजेक्ट मथुरा के संयुक्त नेतृत्व में 'क्लाइमेट पर चर्चा' के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छ सारथी क्लबों एवं विद्यालयों में पर्यावरण जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस क्रम में प्लान फाउंडेशन की टीम द्वारा वार्ड संख्या 15 स्थित एल.बी. ग्लोबल स्कूल एवं सेंट पब्लिक स्कूल, वार्ड संख्या 20 स्थित सनराइज पब्लिक स्कूल, वार्ड संख्या 38 स्थित स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल तथा वार्ड संख्या 46 स्थित होली एंजल्स पब्लिक स्कूल में कार्यशालाएं आयोजित की गईं। वहीं प्रोजेक्ट मथुरा द्वारा पार्वती राधाकिशन फोमरा स्कूल में पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं के दौरान विद्यार्थियों को जीरो-वेस्ट कॉलोनी, कचरा एवं जल प्रबंधन तथा स्रोत पर ही कचरे के पृथक्करण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने से कचरे के बेहतर प्रबंधन और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस दौरान ब्रज के घाटों पर मिलने वाले कचरे को लेकर भी चर्चा की गई तथा फूलों से कम्पोस्ट तैयार करने, पुरानी एवं अनुपयोगी पोशाकों को नगर निगम के अर्पण कलश में देने तथा प्लास्टिक की बोतलों और थैलियों का उपयोग बंद कर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने जैसे व्यावहारिक समाधान बताए गए। कार्यशाला में त्त्कृत्मकनबम, त्मनेम और त्मबलबसम के माध्यम से कचरा कम करने के उपायों पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों को कचरा कम करने में बोतल गैंग एवं झोला गैंग तथा प्लास्टिक के पुनर्चक्रण में प्लास्टिक बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

कृष्ण लीला को कैनवास पर उकेरने को वृंदावन में जुटे देश के प्रख्यात चित्रकार

गीता शोध संस्थान में 'श्री कृष्ण नेशनल आर्ट वर्कशॉप-2026' प्रारंभ

वृंदावन। श्रीकृष्णोत्सव-2026 के अंतिम आयोजन के रूप में जन्माष्टमी के बाद अब भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं को रंग और तूलिका के माध्यम से कैनवास पर साकार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में सोमवार से तीन दिवसीय 'श्री कृष्ण राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर' (श्री कृष्ण नेशनल आर्ट वर्कशॉप-2026) का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर 09 सितंबर तक चलेगा। कई प्रतिभागी देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों एवं कला संस्थानों में प्रोफेसर हैं, जबकि कुछ चित्रकार ललित कला अकादमी, एनसीईआरटी तथा विभिन्न मंत्रालयों के लिए कला एवं डिजाइन से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य कर चुके हैं। इनमें पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध मधुबनी चित्रकार शांति देवी प्रमुख आकर्षण हैं। उनकी मधुबनी शैली की कला देश-विदेश में प्रदर्शित हो चुकी है। राष्ट्रपति भवन में अपनी चित्र प्रदर्शनी लगा चुकीं कंचन प्रकाश भी शिविर में भाग ले रही हैं। कार्यक्रम में कला एवं

संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े मार्गदर्शक दीपक, रामवीर, मोहिनी कृष्णदासी, विक्रम दिवाकर मनीष, बच्चू सिंह और सुनील सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

ये चित्रकार वर्कशॉप में शामिल – शिविर में भाग लेने वाले चित्रकारों में पद्मश्री शांति देवी (मधुबनी), डॉ. अलका झा (इंदौर), डॉ. बंदना जोशी (नाथद्वारा), डॉ. पूनम रानी (अलीगढ़), नीतिक्षा डावर (दिल्ली), डॉ. खुशबू उपाध्याय (गाजियाबाद), सुश्री नेहा (लखनऊ), मनजीत कौर (चंडीगढ़), डॉ. अलका मनीष पाठक (सीहोर), सोमा आनंद (पटना), विनीता सिंह (पटना), विनीता शर्मा (जयपुर), कंचन प्रकाश (ग्रेटर नोएडा), सुमित्रा अहलावत (दिल्ली), सुमन डोंगरे (उज्जैन), प्रिंस राज (मेरठ), विनोद कुमार सिंह (लखनऊ), जयेश त्रिवेदी (उज्जैन) तथा ललित कला अकादमी, आगरा के निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिंह (आगरा) शामिल हैं।

धोखाधड़ी के मुकदमे में फरार चल रहे तीन वांछित दबोचे

मथुरा। थाना मांट पुलिस ने धोखाधड़ी और आपराधिक धाराओं में दर्ज मुकदमे के तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को अलग–अलग स्थानों से पकड़कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की गई। थाना मांट पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त 2026 को दर्ज मुकदमा संख्या 195, 2026 में तीनों आरोपी नामजद थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सुरेश चंद्र को गांव मगदा स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया, जबकि देवेंद्र कुमार उर्फ देवेंद्र और भूरा उर्फ भूरा पहलवान को मांट राया रोड पर थाना गेट के पास से दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, धमकी और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय भेज दिया गया। इस कार्रवाई को थाना मांट की पुलिस टीम ने अंजाम दिया, जिसमें उपनिरीक्षक रविंद्रपाल सिंह, अवधेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

नगर निगमः हड़ताली कर्मचारियों की मांगों पर समिति करेगी विचार

गठित समिति 25 सितंबर तक नगर आयुक्त को सौंपेगी रिपोर्ट

मथुरा। डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण वाहनों पर तैनात कर्मचारियों द्वारा विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं में समान मानदेय एवं माह में 30, 31 दिनों का मानदेय दिए जाने की मांग को लेकर रविवार सुबह से कार्य बहिष्कार कर हड़ताल पर चले गये थे। कर्मचारियों का कहना है कि नगर निगम में कार्यरत विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा अकुशल, अर्धकुशल, कुशल एवं महाकुशल श्रेणी के कर्मचारियों को समान मानदेय नहीं मिल रहा है, जिसके कारण उनमें असंतोष है। कर्मचारियों के अनुसार, एक ही श्रेणी में कार्य करने वाले कर्मचारियों के मानदेय में कार्यदायी संस्था के अनुसार अंतर है। इसी मांग को लेकर कर्मचारियों द्वारा कार्य बहिष्कार किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त ओजस्वी राज द्वारा सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में अपर नगर आयुक्त सुनीता सिंह, सहायक श्रम आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, लेखाधिकारी, मुख्य नगर लेखा परीक्षक, नगर स्वास्थ्य अधिकारी सहित कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान नगर आयुक्त ने कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए आठ सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता अपर नगर आयुक्त सुनीता सिंह करेंगी तथा इसमें दो कर्मचारी प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। नगर आयुक्त ने समिति को निर्देश दिए कि कर्मचारी हित एवं नगर निगम के हित को ध्यान में रखते हुए नियमों के अनुरूप सभी आवश्यक पहलुओं का परीक्षण कर 25 सितम्बर तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि प्रकरण पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके। बैठक में उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर एकता मंच के उत्तम चंद सजना, महानगर अध्यक्ष प्रीतम सिंह, विक्की वाल्मीकि प्रदेश उपाध्यक्ष सफाई कर्मचारी संघ, बंटी छोटेलाल कर्मचारी संघ उपाध्यक्ष, राजवीर ड्राइवर यूनियन, जितेंद्र, अजय चौधरी, हरि गोपाल ठाकुर, दिलीप ठाकुर, विक्रांत चौबे, संजय चौहान एवं बच्चू सिंह सहित अन्य कर्मचारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़े को लेकर भाजपा ने कसी कमर, कार्यकर्ताओं को बांटे दायित्व

● **जिला प्रभारी अशोक कटारिया ने कहा- सेवा के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे कार्यकर्ता**

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े को लेकर भाजपा मथुरा महानगर ने कमर कस ली है। सोमवार को पुष्पांजलि स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित कार्यशाला में सेवा एवं जनसरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों के लिए कार्यकर्ताओं को संयोजक और सहसंयोजक की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यशाला का शुभारंभ विधान परिषद सदस्य एवं जिला प्रभारी अशोक कटारिया, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह तथा जिला सहकारी संघ अध्यक्ष सुल्तान सिंह तरकर ने भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया। जिला प्रभारी अशोक कटारिया ने कहा कि भाजपा का संगठन केवल चुनाव तक सीमित नहीं है। सेवा, सहयोग और समाज के प्रति समर्पण पार्टी की कार्यशैली का अहम हिस्सा है। सेवा पखवाड़े के माध्यम से कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें और सेवा कार्यों को जनभागीदारी से जोड़ें। उन्होंने कहा कि जिन्हें जो दायित्व मिला है, उसका पूरी निष्ठा और सक्रियता से निर्वहन किया जाए, ताकि अभियान का संदेश घर-घर तक पहुंचे। महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि सेवा पखवाड़े के कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने में प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। वहीं जन सेवक महाकुंभ पंचायत से पार्लियामेंट की जिम्मेदारी संयोजक योगेश आवा एवं सहसंयोजक हरिओम शर्मा को दी गई। कार्यशाला का संचालन रामकिशन पाठक ने किया। इस अवसर पर परशुराम सिंह, सुधांशु खंडेलवाल, श्याम शर्मा, जितेंद्र वार्ष्णेय, हाकिम सिंह टीटू, लोकेश तायल, नितिन कौशिक, लोकेश निषाद, प्रकाश गौड़, सुनील तरकर, करतार सिंह, कान्हा शर्मा, सतेंद्र सिरोही, अजय शर्मा राजावत, राजू चौधरी आदि मौजूद रहे।

बीएडः एडमिशन एजेंटों के झोले में, कॉलेज संचालकों की फीस आसमा पर

30 हजार से शुरू होकर एडमिशन की फीस पहुंची 70 हजार

फरह। उच्च शिक्षा खासकर काउंसलिंग पाठ्यक्रमों को प्रदेश में ग्रहण सा लग गया है। हम हर बार दूसरे प्रदेशों की ओर देखने लग जाते हैं। हम डीएलएड और बीएड एडमिशन के लिए बिहार की ओर मुखातिब है। पिछले दो तीन साल पहले बीएड और डीएलएड की स्थिति प्रदेश में खस्ता थी। हालत ये थे कि फीस गिराने के बाद भी आधी सीटें नहीं भर पा रही थी।लेकिन बिहार के छात्रों की दस्तक के बाद यहां के संस्थानों की बल्ले बल्ले हो गई। पिछले साल से सीटें फुल होने लगी। इस बार तो हालात इस कदर बिगड़ गए है कि शुरुआत से अब तक फीस ढाई गुना ऊँचे पायदान पर जा पहुंची है। जो कॉलेज एक माह पहले पच्चीस से तीस हजार में प्रति एडमिशन दे रहे थे, वे अब अस्सी हजार फीस की डिमांड कर रहे हैं। एकदम रेट बढ़ने का कारण कंसल्टेंट्स का रवैया माना जा रहा है। ये कंसल्टेंट सस्ती फीस के चक्कर में दो माह से छात्रों के एडमिशन अपने अपने झोलो में लेकर घूम रहे हैं।

बलदेव ब्लॉक में शिक्षक संघ का चुनाव संपन्न

योगेश चौधरी बने ब्लॉक अध्यक्ष, चन्द्रभान सिंह मंत्री, विक्रम सिंह कोषाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए

बलदेव। मथुरा के बलदेव ब्लॉक में शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का निर्वाचन, शैक्षणिक अधिवेशन एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पर्यवेक्षक विजय कुमार शर्मा की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। सभी पदों पर एक-एक आवेदन प्राप्त होने के कारण पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन किया गया। योगेश चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष, चंद्रभान सिंह को मंत्री और विक्रम सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। विश्वेन्द्र सिंह 'बिट्टू' को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, योगेन्द्र कुमार को संयुक्त मंत्री तथा कर्मवीर सिंह, दिनेश चंद, सुमित कुमार और दुष्यंत शर्मा को उपाध्यक्ष, ममता चौधरी को महिला उपाध्यक्ष चुना गया। संगठन मंत्री पद पर महेश कुमार, ओमप्रकाश अग्रवाल, गौरव कुमार, शैलेष कुमारी, वंदना चौधरी निर्वाचित हुए। प्रचार मंत्री पद पर सुनीता यादव, लक्ष्मी को जिम्मेदारी मिली। एवं चेतन स्वरूप शर्मा को ऑडिटर चुना गया। दिनेश चौधरी को सर्वसम्मति से संघ का संरक्षक नियुक्त किया गया। राजकुमार को सलाहकार, करतार सिंह और ठा. दुर्गपाल सिंह को मार्गदर्शक नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष योगेश चौधरी ने शिक्षकों का आभार जताते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी केवल पद नहीं, बल्कि शिक्षक साथियों के विश्वास और उम्मीदों की जिम्मेदारी है। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और शिक्षक हितों की आवाज हर स्तर पर उठाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत किसी एक पदाधिकारी में नहीं, बल्कि सभी शिक्षकों की एकजुटता में है। शिक्षक साथियों की समस्याओं को मजबूती से उठाना और उनके हितों की लड़ाई ईमानदारी से लड़ना संगठन की प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री सत्यपाल चौधरी, ब्लॉक प्रमुख प्रतीक चौधरी, खंड विकास अधिकारी नेहा रावत,खंड शिक्षा अधिकारी गिर्राज सिंह, जिला अध्यक्ष मुकुलकांत उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय शर्मा, मंत्री मनोज चौधरी, संयुक्त मंत्री अनुपम शर्मा,अविनाश शुक्ला, अनीता चौधरी आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा एआरपी गीता रावत,खुशबू श्रीवास्तव सहित बलदेव ब्लॉक के सैकड़ों गणमान्य शिक्षक मौजूद रहे। संचालन गौरी शंकर और मुकेश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर 101 उत्कृष्ट शिक्षकों का भी सम्मान किया गया।

एनएसयूआई ने दी ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि

मथुरा। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित कोचिंग सेंटर में हुए हादसे में छात्रों की मौत के बाद मथुरा में भी शोक का माहौल है। रविवार रात करीब 9 बजे यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने होली गेट पर इकट्ठा होकर कैंडल जलाए। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि दी। कार्यकर्ताओं ने कुछ देर मौन रखकर मृत आत्माओं की शांति और पीड़ित परिवारों को हिम्मत देने की प्रार्थना की। इस दौरान वक्ताओं ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि इस घटना से कई परिवारों ने अपने होनहार बच्चों को खो दिया है। वक्ताओं ने कोचिंग सेंटरों की व्यवस्थाओं और प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुरानी इमारतों में नियमों को नजरअंदाज कर चलने वाले कोचिंग सेंटर और शिक्षण संस्थान छात्रों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं। नक्शा पास कराने और एनओसी देने की प्रक्रिया में अगर लापरवाही या भ्रष्टाचार होता है, तो इसका नुकसान मासूम छात्रों को उठाना पड़ता है। वक्ताओं ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले युवा देश का भविष्य थे। इनमें से कोई आईएएस, डॉक्टर, वैज्ञानिक या देश का प्रधानमंत्री तक बन सकता था, लेकिन प्रशासन की लापरवाही से कई परिवारों के सपने टूट गए। एक अन्य वक्ता ने कहा कि 20-21 वर्ष की उम्र में युवा बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर दिल्ली पहुंचे थे। उनके परिवारों ने भी बच्चों के अच्छे भविष्य के सपने देखे थे, लेकिन हादसे ने सब कुछ खत्म कर दिया। पीड़ित परिवारों का दर्द समझना मुश्किल है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वे पूरी तरह पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं।

पूर्व सैनिक सैन्य वर्दी एवं पदकों का उपयोग धरना प्रदर्शन में नहीं करेंः डीएसडब्ल्यूआरओ

छाता की चीनी मिल पर धरना दे रहे पूर्व सैनिकों से डीएसडब्ल्यूआरओ ने की अपील

मथुरा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर जगवीर सिंह ने एक विज्ञप्ति में जनपद के समस्त सेवानिवृत्त पूर्व सैनिकों से भी अपेक्षा की है कि वे सैन्य सेवा के दौरान प्राप्त वर्दी, पदक एवं सैन्य पहचान की गरिमा को बनाए रखें। राजनीतिक दलों के कार्यक्रमों अथवा राजनीतिक, आंदोलनात्मक धरना-प्रदर्शनों में सैन्य वर्दी एवं सैन्य पदकों का प्रदर्शन न करें। उन्होंने विशेष रूप से जनपद के छाता की बंद पड़ी गन्ना मिल परिसर में चल रहे धरना-प्रदर्शन में भाग लेने वाले पूर्व सैनिकों से अनुरोध किया है कि वे उक्त धरना-प्रदर्शन में सैन्य वर्दी अथवा सैन्य पहचान का उपयोग न करें। जो पूर्व सैनिक सैन्य वर्दी में इस धरना-प्रदर्शन में सम्मिलित हैं, उनसे अपील की जाती है कि वे सैन्य वर्दी में ऐसी गतिविधि से तत्काल स्वयं को अलग कर लें।उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सूचना का उद्देश्य पूर्व सैनिकों के वैध अधिकारों अथवा उनकी समस्याओं के समाधान के प्रयासों को रोकना नहीं है। बल्कि पूर्व सैनिक अपनी समस्याओं एवं मांगों के संबंध में विधि सम्मत एवं लोकतांत्रिक माध्यमों से सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रख सकते हैं। यह व्यवस्था केवल सैन्य वर्दी एवं सैन्य पहचान को राजनीतिक, आंदोलनात्मक गतिविधियों से अलग रखने तथा सशस्त्र सेनाओं की गरिमा एवं राजनीतिक निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि पूर्व सैनिकों द्वारा सैन्य वर्दी एवं अधिकृत रूप से धारण किए जाने वाले सैन्य पदकों का उपयोग सैन्य, राजकीय औपचारिक समारोह, गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस के समारोह, सेवा दिवस, विजय दिवस, पूर्व सैनिक सम्मेलन, रैली, रीयूनियन तथा अन्य अधिकृत सैन्य अथवा औपचारिक कार्यक्रम में करें। उन्होंने कहा है कि यदि कोई पूर्व सैनिक अथवा सैनिक संगठन इस प्रकार कि गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है एवं जिला प्रसासन द्वारा कोई उनके विरुद्ध कार्यवाही होती कि जाती है तो इस प्रकार कि अराजकता वाली गति विधियों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे और जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय की कोई जवाब देही नहीं होगी।

खेल प्रतिभाओं को उचित मंच उपलब्ध करवाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताः केवल सिंह पठानिया

केवल सिंह पठानियां ने हारचक्कियां में अंडर-19 छात्रा जोनल स्तरीय खेल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

17 विद्यालयों की लगभग 150 छात्राएं ले रही हैं भाग

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेल प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता यह बात उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हारचक्कियां में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-19 छात्रा जोनल स्तरीय खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कही।

उन्होंने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा विभिन्न विद्यालयों से आईं खिलाड़ी छात्राओं से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में 17 विद्यालयों की लगभग 150 छात्राएं विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रही हैं।

केवल सिंह पठानिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मार्गदर्शन, बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के संघर्ष और उपलब्धियों को उचित मान-सम्मान दे रही है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि की है। ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक तथा पैरालंपिक प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि 3 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं की 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं की 1 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये की गई है।

उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों तथा पैरा एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं की 30 लाख से बढ़ाकर 2.50 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि 20 लाख से बढ़ाकर 1.50 करोड़ रुपये की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रयास युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें उच्च स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

उपमुख्य सचेतक ने कहा कि खेल में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, अनुशासन और निरंतर प्रयास है। आज प्रतियोगिता में भाग ले रहीं यही युवा खिलाड़ी भविष्य में जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकती हैं।

उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन, आयोजकों एवं सहयोगी स्टाफ को बधाई दी तथा सभी खिलाड़ी छात्राओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर अध्यक्ष चंगर कांग्रेस कमेटी सुरजन सिंह, महिला कांग्रेस अध्यक्ष नीना ठाकुर, उपाध्यक्ष चंगर कांग्रेस कमेटी त्रिलोक गुलेरिया ,जोगिंदर पाल सिंह,जिला परिषद सदस्य मीना राणा , प्रधान हारचक्कियां शैलेन्द्र सिंह, उपप्रधान संजीव कुमार , **उपनिदेशक माध्यमिक विद्यालय शिक्षा अजय सम्भ्याल,:** नाएव तहसीलदार संजय शर्मा, खंड विकास अधिकारी रैत योंगिन्द्र सिंह ,अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग नीरज जस्वाल, जल शक्ति अमित डोगरा, विधुत वोर्ड अमित शर्मा, पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हरचक्कियां के प्रधानाचार्य अनुपमा अनदोत्रा, सहित विभिन्न पंचायत प्रतिनिधि, सेवादल अध्यक्ष चंगर कांग्रेस अमर सिंह

विभिन्न विद्यालयों से आए अध्यापक एवं शारीरिक शिक्षक, खिलाड़ी छात्राएं, विद्यार्थी व कांग्रेस कार्यकर्ता तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एलाइड एवं हेल्थकेयर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित

शिमला। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग, हिमाचल प्रदेश की ओर से अटल मेडिकल एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश ने एलाइड एवं हेल्थकेयर कॉलेज, हमीरपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के 4 वर्षीय (8 सेमेस्टर) एलाइड एवं हेल्थकेयर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदक 13 सितंबर, 2026 (रात 11:55 बजे) तक निर्धारित शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में सुधार की तिथि 14 सितंबर, 2026, निर्धारित की गई है।

प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य/ओबीसी एवं उनकी उप-श्रेणियों के लिए आवेदन शुल्क 2,200 रुपये और एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस/आईआरडीपी के लिए 1,400 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है जबकि दिव्यांग अभ्यर्थियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। संयुक्त प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि शीघ्र अधिसूचित की जाएगी। एलाइड एवं स्वास्थ्य सेवाएं महाविद्यालय हमीरपुर में प्रवेश के लिए कुल 210 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एंड ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी 60 सीटें, बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी की 60 सीटें, बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस की 60 सीटें और बैचलर ऑफ डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी 30 सीटें है। इन सीटों में 42 इन-सर्विस, 105 सब्सिडाइज्ड और 63 नॉन-सब्सिडाइज्ड सीटें शामिल हैं।

आवेदक अपनी सुविधानुसार शिमला, हमीरपुर, मंडी, कांगड़ा में से एक परीक्षा केंद्र चुन सकते हैं। परीक्षा केंद्र का पूरा पता और अन्य जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रवेश पत्र के साथ जारी की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा केंद्र में बदलाव किया जा सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बारिश का दौर जारी है। आज यानी रविवार को भी दिल्ली, नोएडा समेत आसपास के इलाकों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने दिल्ली के कुछ इलाकों में भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है। हालांकि, कुछ इलाकों के लिए मध्यम वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, शहादरा, सेंट्रल दिल्ली, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, नॉर्थ दिल्ली के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, गरज के साथ बिजली (हवा की स्पीड 30-40 किमी) रहने की संभावना है। वहीं, बारिश के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली है लेकिन, सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है। हालांकि, आज रविवार की छुट्टी होने की वजह से नौकरीपेशा लोगों को जाम व जलभराव वाली समस्या का सामना नहीं करना पड़ा।

कल हुई थी तेज बारिश

वहीं, कल यानी शनिवार को एनसीआर में तेज बारिश हुई थी, जिस वजह से कई इलाकों में जलभराव हो गया था। शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश और खराब मौसम के कारण इंदिरा गांधी

सेवा, शौर्य और सम्मान की परंपरा को संबल दे रही राज्य सरकार

प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से 1.33 लाख पूर्व सैनिक हो रहे लाभान्वित

शिमला। हिमाचल की पहाड़ियों से निकलने वाली कई राहें देश की सीमाओं तक जाती हैं। इन राहों पर चलकर प्रदेश की पीढ़ियों ने राष्ट्रसेवा को अपना जीवन-धर्म बनाया है। यहां सेना में जाना केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि परिवार और समाज की उस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाना है, जिसमें साहस, अनुशासन और देश के प्रति समर्पण सबसे ऊपर हैं। कांगड़ा और मंडी से लेकर शिमला, कुल्लू और प्रदेश के दूर-दराज के इलाकों तक सैन्य सेवा हिमाचल की पहचान का ऐसा हिस्सा है, जिसे पीढ़ियां गर्व के साथ आगे बढ़ाती रही हैं।

इस परंपरा की असली तस्वीर उन वीरता पुरस्कारों में दिखाई देती है, जो हिमाचल के वीर सपूतों को राष्ट्र की रक्षा में उनके अदम्य साहस के लिए मिले हैं। प्रदेश के नाम अब तक 1,252 वीरता पुरस्कार दर्ज हैं। इनमें कांगड़ा के मेजर सोमनाथ शर्मा का नाम विशेष गौरव के साथ लिया जाता है। वे देश के सर्वोच्च सैन्य सम्मान परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले पहले वीर सैनिक थे। हिमाचल की वीरता की इस गौरवगाथा में चार परमवीर चक्र, दो अशोक चक्र, 10 महावीर चक्र, 25 कीर्ति चक्र, 58 वीर चक्र, 102 शौर्य चक्र और 1,051 अन्य आर्मी मेडल शामिल हैं। ये आंकड़े केवल सम्मानों की सूची नहीं हैं, इनके पीछे देश की रक्षा में समर्पित जीवन, अदम्य साहस और असंख्य परिवारों का गर्व जुड़ा है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के परिवारों के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है। प्रयास यह है कि जिन लोगों ने देश की सुरक्षा में अपना महत्वपूर्ण समय और जीवन दिया, उन्हें घर लौटने के बाद भी सुरक्षा, सम्मान, रोजगार और अवसरों का भरोसा मिले। सेना से सेवानिवृति के बाद जीवन की दूसरी पारी शुरू होती है। इस पारी में सैनिक के पास वर्षों का अनुभव, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होती है। इन खूबियों को अवसर में बदलने के लिए प्रदेश सरकार ने सरकारी सेवाओं में पूर्व सैनिकों के लिए 15 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। यह आरक्षण क्लास-? क्लास-?, क्लास-? और क्लास-? के सरकारी पदों में उपलब्ध है। इसके साथ ही सैनिक कल्याण विभाग के तहत विशेष रोजगार प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है, जो पूर्व सैनिकों को उपयुक्त रोजगार तलाशने में सहायता करता है। यानी सैन्य सेवा में अर्जित अनुभव को सेवानिवृत्ति के साथ समाप्त नहीं, बल्कि नई भूमिका में उपयोगी बनाने की कोशिश है। जिन परिवारों ने देश के लिए अपने सबसे प्रिय सदस्य को खोया है, उनके लिए यह जिम्मेदारी और भी संवेदनशील हो जाती है। युद्ध विधवाओं और उनके परिवारों को विभिन्न आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। युद्ध विधवा की बेटी के विवाह के लिए 50,000 रुपये की सहायता भी इसी व्यवस्था का हिस्सा है। यह आर्थिक मदद उस परिवार के लिए सहारे का एक माध्यम है, जिसने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने घर का एक सदस्य खोया है। देशसेवा की इस लंबी परंपरा में उन बुजुर्ग सैनिकों को भी सम्मान के साथ याद रखा गया है, जिन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेवा दी। गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों को 10,000 रुपये प्रतिमाह वृद्धावस्था पेंशन दी जाती है, जबकि उनकी विधवाओं को 5,000 रुपये प्रतिमाह की सहायता मिलती है। इसी तरह, आपातकाल के दौरान सेवा देने वाले सैनिकों के माता-पिता को 7,000 रुपये प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह उन पीढ़ियों के योगदान को सम्मान देने का प्रयास है, जिनकी सेवा की कहानी आज की सैन्य परंपरा की नींव का हिस्सा है। युद्ध या सैन्य सेवा के दौरान किसी सैनिक को दिव्यांगता का सामना करना पड़े, तो उसकी जरूरतें भी सामान्य से अलग होती हैं। हिमाचल के पात्र दिव्यांग सैनिक, जो एसएएस नगर, मोहाली और किर्की, पुणे स्थित पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्रों में रह रहे हैं, उन्हें एक लाख रुपये प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसी तरह, सेवारत सैनिक की अचानक मृत्यु से परिवार पर आने वाले आर्थिक संकट में भी राज्य की सहायता उपलब्ध है। राज्य ध्वज दिवस कोष से परिजन को 15,000 रुपये की सहायता दी जाती है, जबकि राज्य पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास कोष के तहत विभिन्न योजनाओं में 50,000 रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

आईजीएमसी शिमला और डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा में रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू होगा

शिमला। प्रदेश सरकार के प्रभावी कदमों से स्वास्थ्य क्षेत्र सुदृढ़ हो रहा है और हिमाचल, देश का स्वास्थ्य हब बनकर उभर रहा है। राज्य में प्रशिक्षित एलाइड एवं स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा विशेष चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने हमीरपुर में एलाइड एवं स्वास्थ्य सेवा महाविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस कॉलेज में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की 330 सीटें होंगी जिसमें बी.एससी. लेबोरेटरी साइंसेज, बी.एससी. रेडियोलॉजी, बी.एससी. एनेस्थीसिया, बी.एससी. ऑप्टोमेट्री, बी.एससी. फिजियोथेरेपी की 60-60 सीटें तथा डायलिसिस टेक्नीशियन की 30 सीटें शामिल हैं। राज्य सरकार ने इस संस्थान के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए 6.87 करोड़ रुपये जारी करने का भी निर्णय लिया है। यह कॉलेज राज्य के विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध करवाएगा और स्वास्थ्य संस्थानों की बढ़ती आवश्यकताओं पूर्ति के लिए कुशल एलाइड एवं हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स का एक मजबूत कार्यबल तैयार करने में मदद करेगा।

विशेष स्वास्थ्य शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार ने इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय (आईजीएमसी), शिमला और डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा में बैचलर ऑफ रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रत्येक संस्थान में 30 सीटों की वार्षिक प्रवेश क्षमता के साथ यह पाठ्यक्रम वर्ष 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से शुरू किया जाएगा। इन पहलों का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश में एलाइड एवं हेल्थकेयर शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ करना है। इससे कुशल तकनीकी कार्यबल तैयार होगा, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इन पाठ्यक्रमों की शुरुआत और विस्तार से स्वास्थ्य संस्थानों में प्रशिक्षित पेशेवरों की उपलब्धता बढेगी और विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

वर्तमान में आईजीएमसी शिमला और डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा में रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी और डायलिसिस टेक्नोलॉजी जैसे एलाइड एवं हेल्थकेयर पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। शैक्षणिक बुनियादी अधोसंरचना के विस्तार और नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत से उभरते तथा विशेष चिकित्सा क्षेत्रों में स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करने की राज्य की क्षमता में और वृद्धि होगी।

दिल्ली दंगों के आरोपी शाहरुख पठान ने कड़कड़डूमा कोर्ट से वापस ली अंतरिम जमानत अर्जी

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में न्यायिक हिरासत में बंद शाहरुख पठान ने कड़कड़डूमा कोर्ट में दाखिल तीन दिन की अंतरिम जमानत की अर्जी शनिवार को वापस ले ली। उसने चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत मांगी थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने उसके अधिवक्ता की ओर से अर्जी वापस लेने की जानकारी दिए जाने के बाद मामले का निपटारा कर दिया। शाहरुख पठान की ओर से अधिवक्ता अब्दुल गफ्फार ने अर्जी दाखिल कर बताया था कि उसकी चचेरी बहन की शादी 5 सितंबर को दिल्ली में हुई है। शादी में शामिल होने और परिवार के सदस्यों व रिश्तेदारों से मिलने के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया गया था। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनुज हांडा ने अर्जी पर जवाब दाखिल किया था। शाहरुख पठान फरवरी 2020 में जाफराबाद थाने में दर्ज दंगा, हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं के मामले में न्यायिक हिरासत में है। उत्तर-पूर्वी

मुख्यमंत्री ने जापान के शैक्षणिक भ्रमण के लिए गए 44 इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं

चिकित्सा महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी एक्सपोजर विजिट के लिए विदेश भेजने की प्रक्रिया शुरूः मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज हिमाचल प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों के बी.टेक. के 44 मेधावियों को जापान के अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण-2026 के लिए वर्चुअल माध्यम से रवाना किया और विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। यह अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर टूर तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा 6 से 12 सितंबर, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। विभाग द्वारा यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर टूर है। इससे पहले आईटीआई के विद्यार्थियों के लिए कजाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर टूर आयोजित किया गया था। इस टूर के माध्यम से विद्यार्थियों ने कौशल विकास की विविध पद्धतियों और वैश्विक व्यावसायिक शिक्षा प्रणालियों की जानकारी प्राप्त की थी।

इस अभिनव पहल को आगे बढ़ाते हुए अब बी.टेक. के मेधावी विद्यार्थियों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोजर प्रदान किया जा रहा है। सरकार कौशल शिक्षा से लेकर उच्च तकनीकी शिक्षा तक विद्यार्थियों को वैश्विक अनुभव प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस शैक्षणिक भ्रमण में विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों के 24 छात्र और 20 छात्राएं भाग ले रही हैं। विद्यार्थी जापान के प्रमुख शैक्षणिक, अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थानों का भ्रमण करेंगे। इनमें टोक्यो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, जेएएक्सए त्सुकुबा स्पेस सेंटर, साइबरडाइन रोबोटिक्स स्टूडियो, जेएएल एयरोस्पेस फैक्ट्री, क्योसेरा फैक्ट्री तथा ओसाका स्थित विभिन्न उद्योग शामिल हैं।

इस यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, एयरोस्पेस, उन्नत विनिर्माण, नवाचार और आधुनिक परिवहन प्रणालियों का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा विद्यार्थी जापान की अनुशासित जीवनशैली, विरासत, कार्य संस्कृति और तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी प्राप्त करेंगे। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देगा। यह पहल राज्य सरकार की मेधावी युवाओं को वैश्विक अनुभव प्रदान करने, उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने तथा नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर रही है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कार्यभार संभालने के उपरांत विद्यार्थियों को नवाचारों, तकनीकों और वैश्विक कार्यप्रणालियों से परिचित करवाने पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को कंबोडिया और आईटीआई के विद्यार्थियों को कजाकिस्तान की एक्सपोजर विजिट पर भेजा गया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भी विदेशों में एक्सपोजर विजिट पर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसके लिए चयन प्रक्रिया भी शुरू की जा चुकी है।

श्री सुक्खू ने कहा कि विद्यार्थी जापान से अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति का नया अनुभव प्राप्त करेंगे जिससे वह और अधिक आत्मविश्वासी बनेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी के रूप में वह पहली बार दिल्ली गये थे, जबकि आज आपको जापान जाने का अवसर मिल रहा है। जापान से आपको बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। यहां उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान हैं और यह भूकंप संभावित क्षेत्र में भी स्थित है। भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील होने के बावजूद जापान ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक खूबसूरत राज्य है और सरकार की विभिन्न पहले हिमाचल को आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में मील पत्थर साबित हो रही है। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी विद्यार्थियों के साथ उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जापान की एक्सपोजर विजिट विद्यार्थियों को यादगार अनुभव प्रदान करेगी और उन्हें नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पांच इंजीनियरिंग कॉलेजों से लगभग 650 आवेदन प्राप्त हुए थे और विद्यार्थियों का चयन पूरी तरह मेरिट के आधार पर किया गया है। उन्होंने कहा कि जापान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है और उन्हें विश्वास है कि इस एक्सपोजर विजिट से विद्यार्थियों को केवल उन्नत तकनीकों के बारे में ही नहीं, बल्कि जापान के लोगों से अनुशासन और सामाजिक मूल्यों के बारे में बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा।

1000 छातों से सजेगा पंडाल और विराजेंगे 'लालबाग के राजा', शक्तिपीठों के दर्शन भी जानिए कोरबा में क्या होगा खास

कोरबा, एजेंसी। आगामी 14 सितंबर से गणेश उत्सव की शुरूआत हो रही है। पूरे 11 दिन तक चलने वाली उत्सव को लेकर जिले भर के उत्सव समिति के सदस्यों मे उत्साह देखा जा रहा है। शहर के रानी धनराज कुंवर मार्ग के श्री सिद्धि विनायक ग्रुप के पंडाल में इस वर्ष छत्तीसगढ के विभिन्न शक्तिपीठ बमलाइ, दंतेश्वरी, महामाया, सर्वमंगला आदि की झलकिया देखने को मिलेगी।

यहां दुर्ग से लाई गई 12 फीट की गणेश की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। पावर हाउस रोड में लालबाग के राजा की स्थापना की जाएगी। सांसद मोहल्ला सीतामढ़ी के गणेश पंडाल को एक हजार छाता से सुसज्जित किया जाएगा। वहीं गांजा गली में आकर्षक मुकुट के साथ रिद्धि-सिद्धि गणेश विराजमान होंगे।गणेश उत्सव आयोजन को सीमित दिन का समय शेष होने लेकर समितियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। पावर हाउस रोड स्थित गणेश उत्सव समिति की ओर से इस बार भी उत्सव आयोजन में विविधता की झलक देखने को मिलेगी। पंडाल में स्थापित करने के लिए कोलकाता के कारीगर प्रतिमा का निर्माण कर कर रहे है। शहर में मध्यम भाग में उत्सव का आयोजन का आयोजन विगत 25 वर्षों हो रहा है। समिति के सदस्य झखेंद्र देवांगन का कहना है कि अब तक यहां धान, आलू चिप्स, सिक्का, बामियान, नारियल आदि से निर्मित प्रतिमा की स्थापना की जा चुकी है। पंडाल परिसर में इस बार लालबाग के राजा की झलक दिखाई देगी। सांसद मोहल्ला में इस बार मुस्कान भरते ऋद्धि सिद्धि गणेश का दर्शन होगा।

यहां भी विगत कई वर्षों गणेश पूजा की जा रही है। यहां प्रतिदिन होने वाली आरती में सांस्कृतिक आयोजन व भोग प्रसाद वितरण की विविधता रहेगी। शहर के अलावा उपनगरीय क्षेत्र दीपका, बाकीमोगरा, कटघोरा, छुरीकला, पाली, चैतमा, जटगा, तुमान, पसान, बरपाली, करतला, दर्री, जमनीपाली, बालको आदि उपनगरीय क्षेत्रों में भी गणेश उत्सव का उत्साह देखा जा रहा है। सिद्धि विनायक ग्रुप के पूजन अनुष्ठान में विविधताशहर के रानीरोड में श्री सिद्धि विनायक ग्रुप के तत्वावधान में इस बार भी वृहतरूप से गणेश पूजन की तैयारी की जा रही है।

समिति के अध्यक्ष वैभव शर्मा ने बताया कि 11 दिन चलने वाले उत्सव के दौरान यहां पूजन अनुष्ठान में विविधता देखने को मिलेगी। सुबह शाम होने वाली आरती आकर्षण का केंद्र रहेगा। जिसमें स्वच्छता दीदियो के द्वारा आरती, वृद्धा आश्रम के बुजुर्गो द्वारा आरती समिति के परिवार के सदस्यों द्वारा आरती आकर्षण के केंद्र होंगे। बच्चों के लिए विभिन्न् प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आकर्षण रहेगा। भगवान गणेश की भोग प्रसाद का भी वितरण किया जाएगा।

प्रतिमा निर्माण को अंतिम रूप दे रहे कारीगर–उत्सव के लिए कोलकाता से पहुंचे कारीगर प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहे है। घर में पूजा के लिए छोटी प्रतिमाओं के अलावा पंडालों में स्थापित करने के लिए आदमकद प्रतिमाओं का कारीगरों ने निर्माण किया है। कोलकाता से पहुंचे कारीगर गोविंद पाल ने बताया कि उत्सव के लिए छोटी व बड़ी दोनों आकृति की प्रतिमा बनाई गई है। मूर्ति में रासायनिक की जगह वाटर कलर के संयोजन को विशेष महत्व दिया गया है।

उन्होने बताया प्रतिमा के विसर्जन से पानी में किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव नहीं होगा। बाजार में सजावट सामानों की बढ़ी मांगगणेश उत्सव आयोजन को लेकर सजावट के सामानों की मांग बढ़ गई। बड़ो पंडालों के साज-सज्जा का जिम्मा जहां टेंट संचालको ने ले रखी है वहीं गली मोहल्ले में प्रतिमा स्थापित करने के लिए श्रद्धालु स्वयं पंडाल तैयार कर रहे हैं। सजावट के लिए कागज से बनी रंग-बिरंगी फूलों की आकृति, विद्युत झालर, लेजर लाइटिंग, एलुमिनियम से बने सितारे, चमकी आदि की बिक्री हो रही है। रंग-बिरंगे पर्दे, गलीजे आदि की भी मांग होजियरी दुकानों में बढ़ गई है।

तीन दशक बाद लबालब हुआ मकई तालाब, भूजल स्तर में भी सुधार

धमतरी, एजेंसी। शहर के हृदय स्थल में स्थित मकई तालाब करीब तीन दशक बाद एक बार फिर बरसाती पानी से लबालब हो गया है। तालाब का जलस्तर उलटने की स्थिति तक पहुंचने से आसपास के लोगों में खुशी का माहौल है। सुबह के समय जल चिड़ियों की चहचहाहट और उनकी चहल-कदमी से सरोवर का नजारा मनमोहक हो गया है।

तालाब में पानी भरने का असर आसपास के क्षेत्र के भूमिगत जलस्तर पर भी दिखाई देने लगा है। नगर निगम लोक निर्माण विभाग के अध्यक्ष एवं आमापारा वार्ड के पार्षद विजय मोटवानी के प्रयास से बालक चौक से तालाब तक ह्यूम पाइप बिछाकर बरसाती पानी को तालाब तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। लगातार किए गए प्रयासों का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। बारिश का पानी तालाब तक पहुंचने से सूखने की कगार पर पहुंच चुका यह सरोवर फिर पानी से भर गया है। इसे शहर में जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। नगर निगम द्वारा मकई तालाब का नाम स्व. हनुमान प्रसाद मिश्रा सरोवर किया गया है। कभी सालभर पानी से भरे रहने वाले इस तालाब के सूखने से इसका प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हो गया था, लेकिन अब बरसाती पानी से लबालब होने के बाद यहां फिर से जल चिड़ियों की आवाजाही शुरू हो गई है। सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए पहुंचने वाले लोगों को चिड़ियों की चहचहाहट और तालाब का सुंदर दृश्य खासा आकर्षित कर रहा है। तालाब के भरने का असर आसपास के घनी आबादी वाले क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है। वार्डवासी तीरथ सिंह, उयमराम साहू, चैतराम, सुलोचना बाई और कमलेश कुंजाम सहित अन्य लोगों ने सोमवार को बताया कि तालाब में पानी आने के बाद उनके घरों के हैंडपंप और मोटरपंप का वाटर लेवल काफी ऊपर आ गया है। इससे निस्तारी सहित अन्य जरूरतों के लिए पानी की समस्या कम हुई है। लोगों का कहना है कि तालाब के भरने से क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ी है और आसपास का वातावरण पहले की तुलना में अधिक आकर्षक हो गया है। तीन दशक बाद पानी से लबालब हुए मकई तालाब ने न केवल शहर की प्राकृतिक खूबसूरती को लौटाया है, बल्कि जल संरक्षण और भूजल संवर्धन की दिशा में भी नई उम्मीद जगाई है।

कानून से हट चुकी धारा के आधार पर जमीन का डायवर्सन आदेश छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने किया रद

बिलासपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने बिलासपुर जिले में जमीन के वाणिज्यिक उपयोग के लिए जारी डायवर्सन आदेशों को रद कर दिया है। यह आदेश अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा 29 और 30 जून 2020 को पारित किए गए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जिस वैधानिक प्रावधान के आधार पर आदेश पारित किया गया, वह 16 जनवरी 2012 से कानून से विलोपित हो चुका था। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने कहा कि ऐसे प्रविधान के आधार पर पारित आदेश को लागू कानून के अनुरूप नहीं माना जा सकता। याचिकाकर्ताओं में एके इन्फ्राडील प्राइवेट लिमिटेड के निशांत खंडेलवाल और सनफ्लावर हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के अमित अग्रवाल शामिल थे। उन्होंने कलेक्टर, अतिरिक्त कलेक्टर और एसडीओ (राजस्व) मस्तूरी के खिलाफ याचिका दायर की थी।

बिना प्रविधान आदेश का अधिकार नहीं–याचिकाकर्ता ने कोर्ट में कहा कि जब संबंधित वैधानिक प्रविधान ही प्रभावी नहीं था, तब अतिरिक्त कलेक्टर को भूमि डायवर्सन का आदेश पारित करने का अधिकार नहीं था। राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता डा. सौरभ कुमार पांडेय ने आदेश का बचाव किया, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि धारा 237(2) 16 जनवरी 2012 से विलोपित हो चुकी थी। कोर्ट ने कहा कि खत्म हो चुकी धारा के आधार पर आदेश कैसे वैध होगा। हाई कोर्ट ने दोनों आदेशों को निरस्त करते हुए नए सिरे से कार्रवाई की छूट दी है। हालांकि, कोर्ट ने भूमि के वाणिज्यिक उपयोग या डायवर्जन के मूल अधिकार पर अंतिम फैसला नहीं दिया है।

रेड ड्रॉप फ्रेंड्स क्लब ने किया शिक्षकों का सम्मान

भिलाई,एजेंसी। रेड ड्रॉप फ्रेंड्स क्लब छत्तीसगढ़ ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन की जयंती पर विभिन्न स्कूलों के शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरवाय की प्राचार्य श्रीमती माया देवांगन ने संस्था के सभी सदस्यों का स्वागत किया। तत्पश्चात रेड ड्रॉप फ्रेंड्स क्लब के संयोजक सूरज साहू प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार साहू आचार्य हरीश, महेंद्र साहू, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला योजना प्रभारी श्रीमती मीना गिरी ने शासकीय प्राथमिक शाला उमदा के प्रधान पाठक श्रीमती सतवंतीन बंजारे,रेखा देवी गर्ग, दिनेश्वरी साहू, सतेश्वरी पटेल पीएम श्री प्राथमिक शाला जरवाय के प्रधान पाठक श्रीमती सुरेखा शर्मा, भारती देवी साहू, केदार यादव,हितेश्वरी शर्मा, अर्पणा वैष्णव, नरेंद्र कुमार साहू, विश्व कांत हिरवानी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरवाय के प्राचार्य श्रीमती माया देवांगन, जे पी महिलांग, संध्या किशोर तिवारी,स्मिता तिवारी गजेंद्र शर्मा,सुनीता देवांगन, माहेश्वरी यादव, शालिनी चाहन्दे, संगीता दुबे राजकुमार साव अलका शर्मा, विश्वाकांत साहू कुमकुम देवांगन, जय श्री विश्वास, माधवी राव, राजेश्वरी वर्मा सत्यप्रकाश बंजारे, हेमंत कुमार देवांगन शासकीय प्राथमिक शाला दादर के प्रधान पाठक सुनील कुमार वर्मा, चंद्रकांत साहू मोंगेश्वरी साहू, संत कबीर पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल मोनाली पाल, कविता पाटिल, दिव्या थापा, किरण यादव,निशा देवांगन,अनु यादव पिंकी महतो, सुषमा तांडी, रितिका चंद्राकर, पुष्पा बया संत कबीर पब्लिक स्कूल के संचालक दया दास साहू, माय छोटा स्कूल के प्रधान पाठक श्रीमती माधुरी साहू, भवानी लामा प्रज्ञा दामले, नालंदा उइके, स्नेहा पटेल, हर्षिता एवं कॉमर्स गुरु सत्यनारायण पात्रों, योगेंद्र क्लासेस के डायरेक्टर योगेंद्र कुमार साहू तथा अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं का भी सम्मान किया गया।

हथखोज में सांसद बघेल ने किया छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण

भिलाई , एजेंसी। हथखोज में नव जागृति दुर्गोत्सव समिति, श्रीराम सेवा समिति, हमर हरियर भुइंया समिति एवं अजय नव जागृति शीतला सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापना एवं अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारी संस्कृति, परंपरा, पहचान और अस्मिता का प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा की स्थापना हमारी माटी और संस्कृति के प्रति सम्मान एवं गौरव को और मजबूत करेगी। इससे नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, ओबीसी मोर्चा प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर, तेजपाल, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष सुकालू मढ़रिया, पार्षद राकेश बंछोर, पुनीत साहू, पंचू यादव, भिखु बंछोर, द्रोण वर्मा, अजय बंछोर, सुरजीत वर्मा, आशीष, रोशन, देवेंद्र साहू, शरद, राजा, नागेश यमन, प्रेम सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह रहा। उपस्थित नागरिकों ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और गौरव को आगे बढ़ाने वाले ऐसे आयोजनों की सराहना की।

3 एम-सृजन ने इस्पात नगरी के प्रतिष्ठित शिक्षकों को सम्मानित किया

भिलाई , एजेंसी। इस्पात नगरी भिलाई के 4 दशक पुराने हिंदी-रूसी सांस्कृतिक समूह मेटलर्जिकल म्यूजिक मेकर्स (3एम) भिलाई इस्पात संयंत्र से संबद्ध एवं एनजीओ सृजन फाउंडेशन ने अंचल के छह प्रतिष्ठित शिक्षकों को सम्मानित किया। भिलाई स्टील प्लांट के महाप्रबंधक प्रभारी, एलए एवं पीआर अमूल्य प्रियदर्शी एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र सोनबोईर के हाथों इन शिक्षकों को सम्मानित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि अमूल्य प्रियदर्शी ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान करके हम खुद सम्मानित होते हैं क्योंकि किसी भी उत्कृष्ट समाज की संरचना में शिक्षक का सर्वाधिक महत्व होता है। उन्होंने इस बात पर ज्ञात हो कि 3 एम समूह की स्थापना वर्ष 4 दशक पहले भिलाई इस्पात संयंत्र के बैनर तले स्व. प्रदीप सिंह के सहयोग एवं तत्कालीन प्रबंध निदेशक स्व. के.आर. संगमेश्वरन के निर्देश पर हुई थी। इसका प्रथम कार्यक्रम प्रख्यात संगीतज्ञ और बीएसपी के माइंस प्रमुख स्व. बिमलेंदु मुखर्जी के सहयोग से राजहरा माइंस में हुआ था। इसके पश्चात टाटा, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर, आरआईएनएल, भेल, सेलम, एमओआईएल लिमिटेड नागपुर, मावलंकर हॉल दिल्ली और ज्ञान मंच कोलकाता जैसे देश के सभी प्रमुख इस्पात संयंत्रों और संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

छत्तीसगढ़ में मोबाइल की लत बनी 'मौत' की वजह, रील देखते-देखते नेटवर्क हुआ गायब, महिला ने तोड़ा फोन... गुस्से में गंवाई जान

कोरबा, एजेंसी। करतला थाना क्षेत्र के ग्राम केराकछार में सोशल मीडिया रील देखने की आदत से जुड़ी एक घटना ने परिवार को झकझोर दिया। 52 वर्षीय मंगलो बाई सारथी पांच सितंबर की दोपहर घर में मोबाइल पर रील देख रही थीं। इसी दौरान मोबाइल का नेटवर्क बार-बार गायब होने लगा। इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर होने से वीडियो बार-बार रुक रहा था। इससे मंगलो बाई काफी नाराज हो गईं।

नेटवर्क जाने से बढ़ा गुस्सा–नेटवर्क की परेशानी से परेशान होकर मंगलो बाई ने मोबाइल जमीन पर पटक दिया। मोबाइल क्षतिग्रस्त होने के बाद भी उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ। कुछ देर बाद घर में ऐसी स्थिति बनी कि उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। दर्द से परेशान मंगलो बाई की हालत देखकर परिवार के लोगों को घटना की जानकारी हुई। उनकी 17 वर्षीय बेटी ने मां की स्थिति देखी और परिवार के अन्य सदस्यों को बताया। इसके बाद स्वजन उन्हें तत्काल करतला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

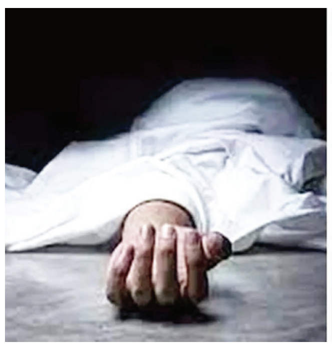

हालत गंभीर होने पर मेडिकल कालेज रेफर–प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें बचाने के लिए उपचार किया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मंगलो बाई के परिवार में पति प्रेमलाल सारथी और तीन बच्चे हैं। उनका सबसे बड़ा बेटा 24 वर्ष का है और उसकी शादी हो चुकी है। वह कोरबा में रहता है। करतला स्थित घर में मंगलो बाई के साथ पति प्रेमलाल, 22 वर्षीय पुत्र और 17 वर्षीय पुत्री रहती थी।

पुलिस ने की वैधानिक कार्रवाई–घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले में वैधानिक कार्रवाई की। कार्रवाई पूरी करने के बाद शव स्वजन को सौंप दिया गया। बार-बार मोबाइल चेक करना, जरूरी काम छोड़कर वीडियो देखते रहना और नेटवर्क की समस्या पर असामान्य रूप से नाराज होना चिंता के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में परिवार मोबाइल इस्तेमाल का समय तय करने, बातचीत बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक सलाह लेने पर ध्यान दे सकता है।

रील देखने की आदत पर भी उठे सवाल–यह घटना सोशल मीडिया पर लगातार रील और शॉर्ट वीडियो देखने की बढ़ती आदत को लेकर भी सवाल खड़े करती है। रील देखना आज मनोरंजन का आसान जरिया बन गया है, लेकिन जब मोबाइल या इंटरनेट नहीं मिलने पर व्यक्ति जरूरत से ज्यादा बेचैन या गुस्से में आने लगे तो परिवार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

थुलथुली मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के समर्थन में कथित वीडियो जारी

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ बस्तर संभाग में नक्सलवाद के खात्में के बाद इन दिनों सोशल मीडिया पर कथित तौर पर नक्सली विचारधारा के समर्थन में एक वीडियो सामने आने का मामला चर्चा में है। वीडियो में थुलथुली मुठभेड़ में मारे गए नक्सली कैडरों को कथित तौर पर 'शहीद' के रूप में पेश किया गया है। साथ ही मारे गए कैडरों की गतिविधियों को महिमामंडित करने का प्रयास किया गया है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में थुलथुली मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों का उल्लेख किया गया है। इनमें मारे गये नक्सली कैडर नीति सहित कुछ अन्य नक्सली कमांडरों को वीडियो के जरिए उनके अतीत की गतिविधियों को दिखाने का प्रयास किया गया है। वीडियो में नक्सली विचारधारा और सशस्त्र हिंसा से जुड़े लोगों का महिमामंडन किया गया है। वीडियो किस अकाउंट से पोस्ट किया गया और इसे तैयार करने या प्रसारित करने के पीछे कौन लोग हैं, इसकी जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं है। संभवतः मामले में वीडियो और संबंधित पोस्ट की तकनीकी जांच के साथ उसके स्रोत का पता लगाने की कार्रवाई की जा सकती है। बस्तर से सुरक्षाबलों की कार्रवाई एवं पुनर्वास प्रयासों के बाद नक्सलवाद का लगभग खात्मा हो गया है, ऐसे में सोशल मीडिया के माध्यम से नक्सली गतिविधियों और विचारधारा को बढ़ावा देने वाला वीडियो सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मामला है। इस संबध में बस्तर आईजी बद्रीनारायण मीणा से संर्पक करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

बलरामपुर डीईओ वित्तीय अनियमितता पर मंत्री रामविचार का बड़ा बयान, बोले भ्रष्टाचारियों पर होगी सख्त कार्रवाई

बलरामपुर, एजेंसी। बलरामपुर डीईओ वित्तीय अनियमितता मामले में क्षेत्रीय विधायक और कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम का सोमवार को बड़ा बयान सामने आया है। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव पर करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता के आरोपों को लेकर मंत्री ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है और इसकी जानकारी उच्चस्तर तक पहुंच चुकी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामानुजगंज दौरे पर पहुंचे मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि शिक्षा विभाग से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव पर विभागीय कार्यों में करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतों में डीएफ मद, सफाई सामग्री, अध्ययन सामग्री, साइकिल वितरण और फर्नीचर खरीदी सहित कई मदों में नियमों की अनदेखी और राशि के दुरुपयोग के आरोप सामने आए हैं।

इन शिकायतों के बाद प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच कराई गई। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों को लेकर अब विभाग और शासन स्तर पर कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ने की बात कही जा रही है।

जांच टीम की रिपोर्ट में मिली अनियमितताएं–मामले को लेकर बलरामपुर कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने बताया कि जांच टीम की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितताएं पाए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद जांच रिपोर्ट को आगे की कार्रवाई के लिए शासन को भेज दिया गया है। कलेक्टर के अनुसार, अब इस मामले में आगे की कार्रवाई शासन स्तर से की जानी है। इससे प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी पर लगे आरोपों को लेकर कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है।

मंत्री **ने कहा दोषी पाए गए तो होगी सख्त कार्रवाई**–मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि यदि जांच में कोई अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी राशि का दुरुपयोग या वित्तीय नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। अब इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर शासन स्तर से क्या कार्रवाई होती है और कथित वित्तीय अनियमितता के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कब तक कार्रवाई की जाती है। जांच रिपोर्ट शासन को भेजे जाने के बाद अब सभी की नजरें सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

आरोप गंभीर होने के कारण यदि शासन स्तर पर कार्रवाई होती है तो शिक्षा विभाग में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है। फिलहाल अंतिम कार्रवाई जांच और शासन के निर्णय के बाद ही स्पष्ट होगी।

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

• 2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी: अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम में बड़ा बदलाव, नया कोच नियुक्त

हरारे। जिम्बाबवे किकेट ने सोमवार को बताया कि कड़ी भर्ती प्रक्रिया के बाद मार्क कोल्स को महिला राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज जो दोनों टीमों के बीच पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, उम्मीद है कि उसमें न्यूजीलैंड के कोल्स जिम्बाब्वे टीम के कोच की भूमिका में नजर आएंगे।

कोल्स पहले पाकिस्तान और स्कॉटलैंड की महिला टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं और स्कॉटलैंड की पुरुष टीम की भी मदद कर चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने क्रिकेट पापुआ न्यू गिनी में हाई परफॉर्मेंस मैनेजर के तौर पर काम किया है और ऑस्ट्रेलिया में कोचिंग कंसल्टेंसी की भूमिकाएं भी निभाई हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंगवा मुखुहलानी ने कहा, 'मार्क कोल्स के पास अंतरराष्ट्रीय कोचिंग और हाई-परफॉर्मेंस का काफी अनुभव है, साथ ही उन्हें महिला क्रिकेट की जरूरतों की भी अच्छी समझ है। हमारे सीनियर और अंडर-19 स्ट्रक्चर में नियुक्त टेक्निकल और सपोर्ट स्टाफ़ के साथ मिलकर, हमें यकीन है कि वह हमें एक मजबूत टीम बनाने और लगातार सफलता के लिए एक स्पष्ट रास्ता तैयार करने में मदद करेंगे। हमें भरोसा है कि यह ग्रुप जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से मुकाबला करने में मदद करेगा।' रंगारीराई मन्यांडे और ट्रेवर फिरी, कोल्स के अंडर क्रमशः असिस्टेंट कोच (बल्लेबाजी) और क्षेत्ररक्षक कोच के तौर पर काम करेंगे।

शेर-ए-पंजाब टी20: शुभमन गिल का तूफानी डेब्यू, अर्शदीप की टीम को एक रन से हराया

मोहाली, एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बहुप्रतीक्षित एंट्री ने शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में रविवार को रोमांच भर दिया। फाजिल्का फाल्कंस की ओर से सीजन का अपना पहला मुकाबला खेल रहे गिल ने बल्ले से शानदार शुरुआत की, जबकि उनकी टीम ने अर्शदीप सिंह की कप्तानी वाली लुधियाना लायंस को महज एक रन से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की।

गिल ने पारी की शुरुआत करते हुए महज 21 गेंदों में 40 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने फाजिल्का को तेज शुरुआत दिलाई और स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह भर दिया। इस प्रदर्शन के लिए गिल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

लुधियाना लायंस के कप्तान और भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद गिल ने फाजिल्का की ओर से पारी की शुरुआत की और शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने तेज गति से रन बनाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, लुधियाना को जल्द ही कार्तिक चड्ढा के रूप में बड़ा हथियार मिल गया। चड्ढा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए फाजिल्का की रफ्तार पर ब्रेक लगाया और गिल का महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में केवल नौ रन देकर चार विकेट लिए।

गिल के आउट होने के बाद फाजिल्का की पारी को संभालने की जिम्मेदारी प्रीत दत्ता और जयवीर भिंडर सिंह ने निभाई। प्रीत ने 23 गेंदों पर 36 रन बनाए, जबकि जयवीर ने 18 गेंदों पर 21 रन की पारी खेली। इन अहम योगदानों की मदद से फाजिल्का फाल्कंस ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 170 रन का स्कोर खड़ा किया।

लुधियाना लायंस को जीत के लिए 171 रन बनाने थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम को फाजिल्का के गेंदबाजों ने शुरुआती दौर में लगातार झटके दिए। विकेट गिरने के कारण लुधियाना की रन गति पर दबाव बढ़ता गया। कार्तिक शर्मा ने पारी को संभालने की कोशिश की और 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, लेकिन लुधियाना लगातार विकेट गंवाती रही।लुधियाना की पारी एक समय मुश्किल में नजर आ रही थी, लेकिन कृष्ण भगत और माधव पथानिया ने मुकाबले का रुख बदल दिया। दोनों बल्लेबाजों ने फाजिल्का के गेंदबाजों पर जोरदार हमला बोलते हुए महज 29 गेंदों में नाबाद 61 रन की साझेदारी कर दी। माधव पथानिया ने सिर्फ 16 गेंदों पर नाबाद 37 रन बनाए, जबकि कृष्ण भगत 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों की आक्रामक बल्लेबाजी ने लुधियाना को दोबारा मुकाबले में ला खड़ा किया और आखिरी ओवर में जीत की उम्मीद जगा दी।

लुधियाना को अंतिम छह गेंदों पर 19 रन की जरूरत थी। मुकाबला आखिरी गेंद तक पहुंच गया। लायंस के पास अंतिम गेंद पर जीत हासिल करने का मौका था, लेकिन छह रन की जरूरत के बावजूद पथानिया केवल चौका ही लगा सके। इस तरह लुधियाना की टीम जीत से एक रन दूर रह गई। फाजिल्का फाल्कंस ने 170 रन के स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए एक रन से रोमांचक जीत दर्ज की। मुकाबले में गिल की विस्फोटक शुरुआत से लेकर आखिरी गेंद तक चले रोमांच ने दर्शकों को बांधे रखा।

250 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए ईशान

दलीप ट्रॉफी फाइनल में दोहरा शतक

चेन्नई, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने दूसरे दिन बेहतरीन दोहरा शतक जड़ा। यह दलीप ट्रॉफी में उनका पहला दोहरा शतक और प्रथम श्रेणी में उनका दूसरा दोहरा शतक है। पहले दिन शतक लगाकर नाबाद रहे ईशान ने दूसरे दिन भी कमाल की बल्लेबाजी की और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। ईशान 301 गेंद में 27 चौके और सात छक्के की मदद से 250 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्होंने करीब 100 ओवर बल्लेबाजी की। 31वें ओवर में वह बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और 131वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट हुए। ईशान किशन की कहानी इस समय सिर्फ एक शानदार पारी की कहानी नहीं है, बल्कि गिरने के बाद पहले से ज्यादा मजबूती से लौटने की कहानी है। जिस खिलाड़ी का नाम कभी टीम इंडिया की रेस से दूर होता दिखा, वही अब घरेलू क्रिकेट में कप्तानी कर रहा है, रन बरसा रहा है और हर मौके को अपने बल्ले से जवाब में बदल रहा है। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए किशन ने एक और बेहतरीन शतक जड़कर बता दिया कि कमबैक सिर्फ हुआ नहीं है, बल्कि अपने अलग ही स्तर पर पहुंच चुका है। ईशान का जन्म बिहार के पटना में जुलाई 18, 1998 को हुआ था। हालांकि, वह घरेलू क्रिकेट झारखंड के लिए खेलते हैं।

दिसंबर 2023 में क्या हुआ

दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए ईशान किशन ने अचानक अपना नाम वापस ले लिया था और खेलने से मना कर दिया था। तब उनकी काफी किरकिरी हुई थी। ईशान किशन ने निजी कारणों का हवाला देते हुए चयनकर्ताओं से ब्रेक मांगा। इसके बाद उन्हें केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया ।यह फैसला इसलिए चौंकाने वाला था क्योंकि एक साल पहले ही उन्होंने वनडे क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा था और ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में वह भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज थे। इसके बाद दो साल तक ईशान राष्ट्रीय टीम की योजनाओं से बाहर नजर आए।

सैयद मुश्ताक अली से कमबैक?

ईशान किशन ने जल्द ही अपनी लय पकड़ ली और घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने लगे। 2025 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी करते हुए उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट्स में खूब रन बनाए। दिसंबर 2025 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर ईशान किशन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने झारखंड को उसका पहला एसएमएटी खिताब दिलाया। ईशान ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए और करीब 197 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। यही प्रदर्शन उन्हें 2026 टी20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम तक ले गया। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद से ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है और उनकी क्रिकेट लाइफ फिलहाल चौथी गीयर में चल रही है।

टीम इंडिया में वापसी के बाद ईशान ने क्या किया

असफलताओं से डरने के बजाय ईशान ने उन्हें चुनौती की तरह लिया। टीम इंडिया में वापसी करते ही उन्होंने शतक जड़ दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने तिरुवनंतपूरम में 43 गेंद में 103 रन की पारी खेली। फिर टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 40 गेंद में 77 रन बनाए।फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ईशान ने 25 गेंद में 54 रन की तूफानी पारी खेली। वह टी20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे और जीत में अहम भूमिका भी निभाई। इसके बाद आईपीएल 2026 में ईशान ने 182.4 के स्ट्राइक रेट से 602 रन बनाए। आईसीसी की रैंकिंग में टी20 अंतरराष्ट्रीय के नंबर एक बल्लेबाज बने।और अब अपनी कप्तानी में ईस्ट जोन को दलीप ट्रॉफी के फाइनल तक पहुंचाया। ईशान ने न सिर्फ बेहतरीन बल्लेबाजी की है, बल्कि कप्तान के तौर पर भी शानदार दिखे हैं। सही फैसले लिए, सही मौकों पर सही गेंदबाज को लगाया, अच्छी फील्डिंग सेट की। यह खूबी बताती है कि बतौर लीडर भी वह उतने ही अच्छे हैं, जितनी उनकी बल्लेबाजी है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में कमाल किया

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईशान किशन 250 रन बनाकर थकान के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्होंने ईस्ट जोन के मध्यक्रम को बखूबी संभाला। फाइनल में उन्होंने शिखर मोहन के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन, फिर कुमार कुशाग्र के साथ 230 रन की साझेदारी की और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। फिर अनुकूल रॉय के साथ छठे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी निभाई। इस दौरान उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 4000 रन भी पूरे किए। ईशान बड़े मैचों के प्लेयर कहलाने लगे हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक 2025 के फाइनल में 49 गेंद में 101 रन बनाए थे और झारखंड को खिताब दिलाया था। फिर भारत के लिए टी20 विश्वकप 2026 के फाइनल में अर्धशतक जमाया और अब दलीप ट्रॉफी में भी अपना प्रभाव छोड़ा है।इतना ही नहीं उन्हें चेपॉक भी खूब रास आ रहा है। यह वही चेपॉक है जहां आईपीएल 2026 में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 47 गेंद में 70 रन की पारी खेली थी और जीत दिलाई थी। जीत के बाद उन्होंने चेन्नई के फैंस को घर जाने का इशारा किया था। हालांकि, आज वही चेपॉक और वहां मौजूद फैंस ईशान के लिए बैनर-पोस्टर लेकर पहुंचे और उनका समर्थन करते दिखे।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

• पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे। उनमें अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। जब कोई अच्छा प्रदर्शन कर रहा हो तो उम्र कोई मायने नहीं रखती। आप उनकी फिटनेस और लंबे समय तक खेलने की क्षमता को देखिए। शमी ने 2025-26 रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए सात मैचों में 16.72 की औसत से 37 विकेट लिए और उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के सात मैचों में भी 24.53 की औसत से 15 विकेट लिए थे। अरुण ने शमी के 100वां फर्स्ट क्लास मैच खेलने को लेकर कहा कि यह शमी के लिए बहुत सही है। रेड बॉल के साथ 100 फर्स्ट-क्लास मैच खेलना जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है। उन्हें बॉलिंग करना पसंद है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे नेट्स में बॉलिंग कर रहे हैं या मैच के दौरान। आप उन्हें रेड बॉल दें या कोई भी बॉल दें वे अपना रन-अप लेंगे और बॉलिंग शुरू कर देंगे।

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

• पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

क्या सांप और कछुए की अंगूठी एक साथ पहन सकते हैं

कछुआ और सर्प की अंगूठी काफी लोग धारण करते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, इन्हें पहनने का विशेष महत्व और लाभ बताया गया है। लेकिन क्या इन्हें एक साथ पहना जा सकता है? क्या इनका संबंध ग्रहों से भी होता है और कछुए और सांप की अंगूठी पहनने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? सांप और कछुए की अंगूठी को पहनने के कई लाभ माने जाते हैं। आपने कई लोगों को अपने आसपास सर्प या कछुए की आकृति वाली अंगूठी धारण किए भी देखा होगा। कुछ लोग इन्हें एक साथ भी धारण करते हैं और कुछ जातक इनमें रत्न लगवाकर धारण करते हैं। लेकिन क्या कछुए और सांप की अंगूठी एक साथ पहन सकते हैं और क्या ये किसी ग्रह से संबंधित होते हैं? किसी भी अंगूठी को यूं ही कहीं देखकर या अपनी राशि के अनुसार स्वयं नहीं धारण करना चाहिए। इसके लिए रत्न और उससे संबंधित ग्रहों की स्थिति को कुंडली में देखना आवश्यक होता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि क्या सांप और कछुए की अंगूठी को एक साथ पहन सकते हैं और इन्हें धारण करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सांप और कछुए की अंगूठी एक साथ पहननी चाहिए या नहीं?

दोनों अंगूठियों का अलग-अलग महत्व होता है और इन्हें बिना कुंडली दिखाए किए व बिना सलाह के धारण नहीं करना चाहिए। विशेषतौर पर अगर दोनों अंगूठियों में रत्न लगे हों, तब दोनों रत्नों के ग्रह उनकी आपसी प्रकृति और जन्मकुंडली में उनकी स्थिति देखना आवश्यक होता है। ऐसे में ज्योतिषी बताते हैं की आकृति के कारण नहीं, बल्कि अंगूठी में लगे रत्न और संबंधित ग्रहों के चलते सावधानी जरूरी होती है। हालांकि, अगर केवल धातु की आकृति वाली अंगूठियां हैं, तो इसे सीधा अशुभ संयोग कहना सही नहीं होगा।

क्या सांप और कछुए की अंगूठी का ग्रहों से संबंध है?

केवल सांप की आकृति को देखकर उसे सीधे राहु या केतु से संबंधित अंगूठी नहीं माना जा सकता है। हालांकि, यदि सांप की अंगूठी में गोमेद लगा हो, तो इसे राहु से संबंधित माना जा सकता है। वहीं, लहसुनिया होने पर केतु की स्थिति देखी जाएगी। इसके अलावा, कछुए को स्थिरता और संरक्षण का प्रतीक माना गया है। लेकिन इसकी आकृति को सीधी एक ग्रह का रत्न नहीं माना जा सकता। अगर अंगूठी में जो रत्न हो उसी रत्न के ग्रह का विश्लेषण किया जाता है।

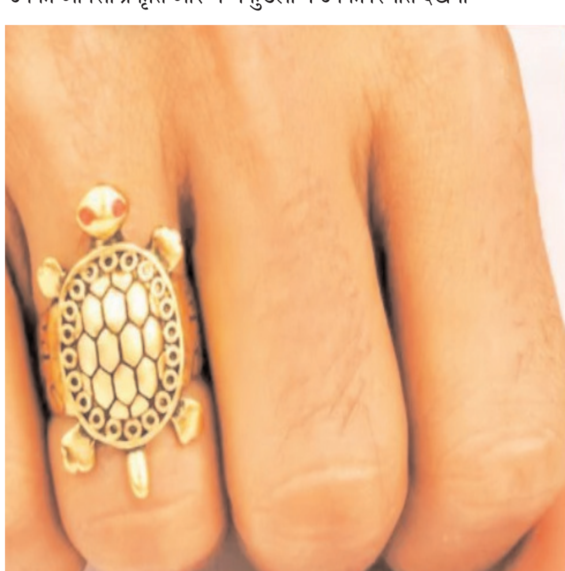

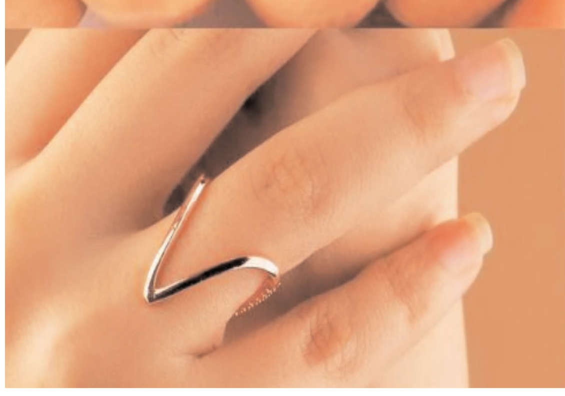

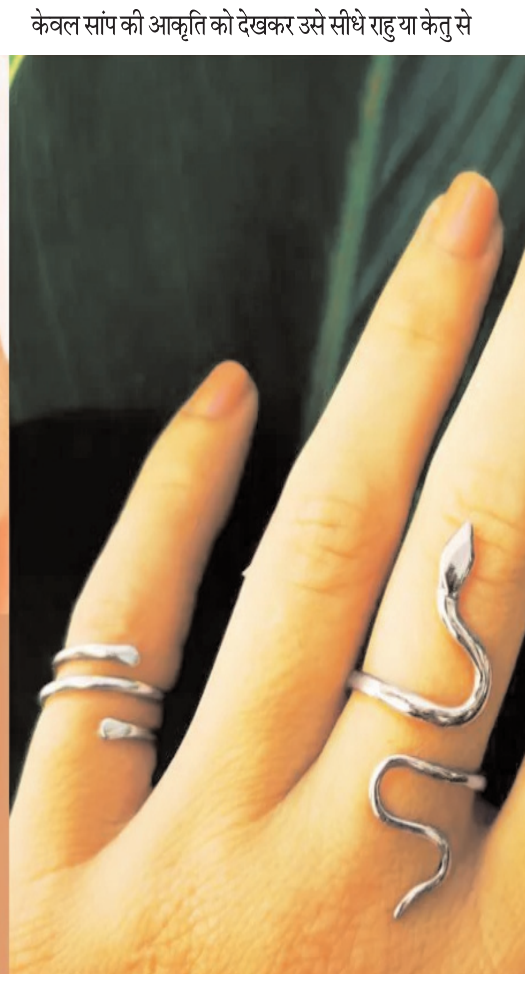

किस दिन और कब कौन-सी अंगूठी धारण करें?

अगर अंगूठी केवल धातु की आकृति वाली है, तो उसके लिए कोई सार्वभौमिक 'ज्योतिषीय दिन' निर्धारित नहीं माना जा सकता है। ज्योतिष एक्सपर्ट पिनाकी मिश्रा बताते हैं कि रत्न वाली अंगूठी में दिन का निर्धारण उससे संबंधित ग्रह और रत्न के अनुसार किया जाता है। जैसे- माणिक्य सूर्य के लिए रविवार, मोती चंद्र के लिए सोमवार, मूंगा मंगल के लिए मंगलवार, पन्ना बुध के लिए बुधवार, पुखराज गुरु के लिए गुरुवार, हीरा/ओपल शुक्र के लिए शुक्रवार और नीलम शनि के लिए शनिवार का दिन शुभ माना जाता है। ऐसे में केवल 'सांप वाली अंगूठी शनिवार' या 'कछुए वाली अंगूठी गुरुवार' कहना पर्याप्त नहीं है।

इन बातों का रखें ख्याल

केवल अपनी राशि के अनुसार कोई भी रत्न या अंगूठी धारण नहीं करनी चाहिए। साथ ही, सांप की आकृति को स्वतः राहु या केतु का प्रतीक और कछुए की आकृति को शनि का रत्न भी नहीं मानना चाहिए। भूलकर भी कई शक्तिशाली रत्न को बिना कुंडली दिखाए एक साथ नहीं धारण करना चाहिए। सांप और कछुए की अंगूठी एक साथ पहनना से अशुभ फल मिलेगा, ऐसा करना उचित नहीं होगा। आप किसी कुशल ज्योतिषी को अपनी कुंडली दिखाकर इन्हें धारण कर सकते हैं या इन आकृति की अंगूठियों में रत्न लगवा सकते हैं। इन्हें धारण करने के लिए यह देखना जरूरी है कि धातु क्या है, रत्न कौन-सा है, किस ग्रह से संबंधित है और उस ग्रह की स्थिति जन्मकुंडली में क्या है। आकृति, धातु, रत्न और जन्मकुंडली, इन चारों को अलग-अलग समझना जरूरी होता है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप अपने आलस को अपने ऊपर हावी होने न दे। लंबे समय से रुकी हुई योजनाएं पूरी हो सकती हैं। आपको अपनी वाणी व व्यवहार में स्पष्टता बनाए रखनी होगी और खर्चों के साथ-साथ आपको बचत पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं और आपकी संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश करेगी, जिसको आप पूरा अवश्य करेंगे।

वृषभ आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का आपको मौका मिलेगा। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपका सामाजिक दायरा भी बढ़िया रहेगा। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है।

मिथुन आज आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचना होगा। सुख साधनों में वृद्धि होगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। कार्यक्षेत्र में काम को लेकर कोई सलाह बहुत ही सोच समझ कर लेनी होगी, क्योंकि आपके विरोधी आज मित्र बन सकते हैं। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे और कोई बड़ा काम मिलने से आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आपकी कला व कौशल में निखार आएगा।

कर्क आज आप अपने घर की साज-सज्जा पर अच्छा खासा खर्च करेंगे, लेकिन इनकम थोड़ी सी कम रहेगी। आपको परिवार में किसी सदस्य की कोई बात बुरी लग सकती है। संतान के मन में चल रही उलझनों को जानने की कोशिश करें और आपके परिवार का कोई सदस्य आज आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकता है। आप अपनी माताजी से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। आपकी सेहत में भी उतार-चढ़ाव लगा रहेगा।

सिंह आज आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। व्यस्तता अधिक रहेगी और आपका मनोबल भी ऊंचा रहेगा। आपको किसी शुभ व कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपका वाहन की खराबी के कारण खर्चा बढ़ सकता है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानने की आवश्यकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से किए गए प्रयास बेहतर रहेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को आज साथी से बार-बार मिलने का मन करेगा।

कन्या आज आपके अंदर प्रेम व सहयोग की भावना बनी रहेगी। आप कुछ कानूनी मामलों में निर्णय थोड़ा धैर्य रख कर ले और आपको बेवजह की भागदौड़ लगी रहेगी। आप अपने किसी मित्र के लिए आप कुछ रुपये का इंतजाम भी कर सकते हैं। आपको अपनी माताजी की सेहत को लेकर उनके कुछ टेस्ट आदि करने पड़ सकते हैं। आज आप जीवनसाथी के साथ मिलकर कुछ पारिवारिक मामलों को निपटाएंगे और उन्हें शॉपिंग आदि पर भी लेकर जा सकते हैं।

तुला आज आप किसी बड़े लक्ष्य पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, जिसके लिए आप पूरी मेहनत से करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत भी आप कर सकते हैं। आध्यात्मिक के कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा, लेकिन आपको किसी राजनीतिक पार्टी से बुलावा आ सकता है। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो आप उसे पूरा करने की भी पूरी कोशिश करेंगे।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। बिजनेस करने वाले जातकों को अपनी इनकम को बढ़ाने के मौके मिलेंगे। आज आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपनी अच्छी सोच का लाभ मिलेगा। आपसे यदि कार्य क्षेत्र में किसी काम में कोई गड़बड़ी हुई थी, तो उसके लिए आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती है। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकटा होगा।

धनु आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके घर किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। जीवन साथी से यदि किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। आपको एक दूसरे को बेहतर जानने का मौका मिलेगा। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे काम के लिए कोई पुरस्कार मिल सकता है। आपका बिजनेस के कामों में बदलाव आने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

मकर आज का दिन आपके लिए सेहत में उतार-चढ़ाव लेकर आने वाला है। आप किसी से भी कटु वचन ना बोले और वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। वरिष्ठ सदस्यों से आप काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। यदि आप कुछ खर्च करे, तो आपको अपनी इनकम को ध्यान में रखकर खर्च करना बेहतर रहेगा। पिताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। आपको वरिष्ठ सदस्यों की बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपका धन यदि अटका हुआ था, तो वह भी आपको मिल सकता है, जो आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती देगा। आप किसी धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। बिजनेस में आपको अच्छा लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। बिजनेस को लेकर यदि आप कोई बदलाव करना चाहते थे, तो वह आप कर सकते हैं। पार्टनर की इसमें आपको पूरी सहमति मिलेगी, लेकिन आप अपने दिल के बजाय दिमाग से कभी कोई निर्णय ले। जीवनसाथी के साथ मिलकर आप संतान के करियर को लेकर बातचीत कर सकते हैं, जो विद्यार्थी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, वह अपनी मेहनत में तेजी लाएंगे। आपके परिवार के किसी सदस्य को किसी सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

पूजा घर में भगवान की मूर्तियां आमने-सामने रखने से क्या होता है?

घर के मंदिर में भगवान की मूर्तियों को गलत तरीके से या गलत दिशा में रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बाधित हो सकता है। साथ ही, यह गृह क्लेश, तनाव और बाधाओं का कारण बन सकता है। ऐसे में मंदिर से जुड़ी कुछ गलतियां भूले से भी नहीं करनी चाहिए। चलिए विस्तार से जानें पूजा घर से जुड़े जरूरी वास्तु नियम।वास्तुशास्त्र में मंदिर को घर का सबसे पवित्र स्थान और ध्यान का केंद्र माना गया है। यहां हम सुबह-शाम भगवान की उपासना और ध्यान करते हैं। लेकिन अगर वास्तु के अनुसार घर का मंदिर न हो तो इससे प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। कभी भी पूजा घर में भगवान की मूर्तियों को आमने-सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना अशुभ माना जाता है। यह गृह क्लेश और आर्थिक तंगी का भी कारण बन सकता है। मूर्तियों को गलत दिशा या स्थान पर रखने से घर की ऊर्जा का प्रवाह बाधित हो सकता है। चलिए विस्तार से जानते हैं कि मंदिर में भगवान की मूर्तियों को आमने-सामने रखने से क्या होता है। साथ ही, पूजा घर के महत्वपूर्ण नियम भी पढ़ें।

भगवान की मूर्तियां आमने-सामने क्यों नहीं रखनी चाहिए?

ऊर्जाओं का टकराव : शास्त्रों के अनुसार, हर भगवान की मूर्ति से एक विशेष प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा निकलती है। ऐसे में अगर दो मूर्तियों को आमने सामने रख दिया जाए, तो इससे उनकी ऊर्जा आपस में टकराती है। इसी के प्रभाव से घर के मंदिर की शांति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, परिवार में तनाव औक क्लेश बढ़ने का आशंका बनी रहती है।

ध्यान और पूजा पर प्रभाव : मंदिर में पूजा करते समय साधक का ध्यान एकाग्र होना चाहिए। वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि देवी-देवताओं का मुख आमने-सामने होने से साधक की दृष्टि एक मुख पर केंद्रित नहीं हो पाती है।

आर्थिक स्थिति पर प्रभाव : वास्तुशास्त्र के अनुसार, मूर्तियों को आमने-सामने रखने से या एक ही भगवान की कई सारी प्रतिमा एक साथ रखने से घर में पैसों की कमी हो सकती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों के बीच तनाव, चिंता और परेशानियां बढ़ सकती हैं।

पूजा घर के महत्वपूर्ण नियम

सही दिशा : वास्तु के अनुसार, घर में मंदिर सही दिशा में होना सबसे आवश्यक है। पूजा घर हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही होना चाहिए। वहीं, मूर्तियों का मुख पश्चिम या पूर्व दिशा में होना चाहिए। ऐसा करने से पूजा करते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रहेगा। ध्यान रखें कि दक्षिण दिशा की ओर गलती से भी देवताओं का मुख नहीं करना चाहिए।

ऐसी रखें मूर्तियां : गृहस्थ मंदिर के लिए मूर्तियों का आकार अंगूठे से लेकर लगभग 6 से 7 इंच से बड़ा नहीं होना चाहिए। देवी-देवताओं की हमेशा सौम्य और आशीर्वाद मुद्रा वाले रूप की मूर्ति को स्थापित करना चाहिए। भूलकर भी उग्र, युद्ध या विनाशकारी स्वरूप घर के मंदिर में स्थापित न करें।

एक देवता की एक प्रतिमा : वास्तु के मुताबिक, घर के मंदिर में एक ही देवता की दो बड़ी मूर्तियां या दो शिवलिंग कभी नहीं रखने चाहिए। साथ ही, खंडित प्रतिमा या सूखे फूलों को तुरंत मंदिर से हटाकर विसर्जित कर दें।

कहां न रखें मंदिर : कभी भी मंदिर को सीढ़ियों के नीचे, बेसमेंट या बाथरूम के पास वाली दीवार से चिपकाकर नहीं रखना चाहिए। न ही ऐसे स्थानों पर पूजा घर का निर्माण करवाना चाहिए। घर के मंदिर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. ए.के. द्विवेदी को अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथिक जर्नल के संपादकीय मंडल में मिली जिम्मेदारी

भोपाल। होम्योपैथी चिकित्सा, शोध और जनजागरूकता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश के लिए यह गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि प्रो. (डॉ.) अश्विनी कुमार द्विवेदी कोइंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ होम्योपैथिक केस रिपोर्ट्स के संपादकीय मंडल में वर्ष 2026 से 2031 तक के लिए सदस्य नियुक्त किया गया है। डॉ. ए.के. द्विवेदी वर्ष 2015 से लगातार केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े हुए हैं और देश में होम्योपैथी के क्षेत्र में होने वाले शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। जर्नल के संपादकीय मंडल में उनकी नियुक्ति उनके अकादमिक एवं शोध कार्यों के मूल्यांकन के बाद हुई है। इस जिम्मेदारी के तहत वे शोध-पत्र, समीक्षा लेख और रोग-प्रकरण रिपोर्ट के मूल्यांकन सहित शोध कार्यों से जुड़े चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने में योगदान देंगे। डॉ. ए.के. द्विवेदी के अनुसार, यह उपलब्धि व्यक्तिगत सम्मान के साथ-साथ मध्य प्रदेश की होम्योपैथी चिकित्सा और शोध के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर है। इसका समुचित लाभ सम्पूर्ण प्रदेश के होम्योपैथी चिकित्सा संस्थानों से जुड़े चिकित्सकों, शिक्षकों एवं छात्रों को मिलेगा। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध कार्य से जुड़ने और अपने शोध को व्यापक मंच तक पहुंचाने के अवसर मिलेंगे। डॉ. द्विवेदी द्वारा चलाए जा रहे एनीमिया जागरूकता अभियान को मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अभियान के माध्यम से एनीमिया, पोषण, संतुलित खान-पान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान की सराहना करते हुए प्रदेश के अन्य जिलों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की मांग और सुझाव सामने आ रहे हैं। इससे एनीमिया के प्रति जनजागरूकता को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। डॉ. द्विवेदी की शोध, चिकित्सा शिक्षा और जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को प्रदेश में होम्योपैथी के विकास की दिशा में सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

समाप्ति की ओर किसान आंदोलन? मंत्रियों के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद मोर्चे को लेकर लेंगे फैसला

मोहाली, एजेंसी। मोहाली-चंडीगढ़ बार्डर पर पिछली 1 सितंबर से चल रहा किसानों का धरना सोमवार को 7वें दिन में पहुंच गया है। इससे पहले रविवार को पंजाब सरकार के दो मंत्रियों व किसान नेताओं के बीच मीटिंग पंजाब भवन चंडीगढ़ में हुई। सूत्रों के अनुसार मीटिंग पाजिटिव रही और कई मांगों को जो पंजाब सरकार के तहत पूरी हो सकती है उनमें से कई को मान लिया गया। सरकार की ओर से कृषि मंत्री गुरमीत सिंह मुंडिया और सेहत मंत्री डॉ. बलबीर सिंह मीटिंग में हाजिर हुए जबकि किसानों की कई जत्थेबंदियों के नेता पहुंचे। सरकार की ओर से किसानों को आश्वासन । गया कि एक महीने के अंदर विधान सभा का विशेष सत्र बुला कर पानी के मसले पर बात की जाएगी।बाकी केंद्र से पूरी होने वाली मांगों को लेकर केंद्र से बातचीत का आश्वासन मंत्रियों ने किसान नेताओं को दिया। सोमवार को किसान जथेबन्दीयों के नेता आपस में मीटिंग करेंगे। उसके बाद स्टेज से सरकार-किसानों के बीच हुई मीटिंग के बारे बताया जाएगा। इस दौरान पंजाब सरकार का कोई नुमाइंदा जो मांगों को पंजाब सरकार ने माना है उसका लिखित मसौदा लेकर मोर्चे में पहुंच सकता है। कुल मिला कर आज बार्डर पर लगा किसानों का मोर्चा खत्म हो सकता है। किसान नेता राकेश टिकैत रविवार को किसान मोर्चे में पहुंचे। लेकर सेक्शन 78,79,80 रद्द करने, किसानों का पूरा कर्ज़ माफ़ करने, फसलों का दाम स्वामीनाथन रिपोर्ट के हिसाब से तय करने, बिजली बिल 2025 और बीज बिल 25 वापस लेने, गन्ने का दाम 500 रुपये प्रति क्विंटल करने, लैंड पुलिंग स्कीम रद्द करने सहित कई अन्य मांगों को लेकर मोहाली में पक्का मोर्चा लगाया गया है। किसान नेताओं और प्रशासन से बातचीत के बाद किसानों ने 1 से 7 सितंबर तक मोहाली से चंडीगढ़ जाने वाली मुख्य सड़क की एक तरफ मोहाली बार्डर पर लगाया है। मोर्चे में पंजाब भर से पहुंचे किसानों की ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी करने में जगह न मिलने कारण किसानों ने सड़क की दूसरी तरफ भी ट्रालियां खड़ी कर दी है।

देर रात जुबली हिल्स इलाके के एक होटल में मारपीट

हैदराबाद के पब में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, 2 घायल; पुलिस ने दर्ज किए तीन मामले

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के जुबली हिल्स में एक पब में दो गुटों के बीच मारपीट हो गई। इस झड़प के दौरान दो लोग घायल हो गए और पब व पार्किंग में खड़े वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा।

पुलिस ने मारपीट करने वाले दोनों गुटों और तय समय सीमा के बाद पब का संचालन करने वाले प्रबंधन ('कारा कारा' पब) के खिलाफ कुल तीन अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार की देर रात जुबली हिल्स इलाके के एक होटल में मौजूद पब में हुई, जब पब के अंदर दोनों गुटों में झड़प हुई तो स्थिति हिंसक हो गई। बहस के दौरान जब पब की संपत्ति में तोड़फोड़ की गई, तो बाउंसरों ने बीच-बचाव किया।हालांकि, जब ये गुट पार्किंग एरिया की ओर बढ़े तो स्थिति फिर से बिगड़ गई। पार्किंग लॉट में बड़ी संख्या में लोग हिंसक झड़प करते देखे गए, जहां खड़ी कारों को नुकसान पहुंचाया गया और लोगों के साथ मारपीट की गई। इस झड़प के दौरान तेलंगाना कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव के भाई अरविंद यादव भी वहां मौजूद थे।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दो मामले झड़प में शामिल गुटों के खिलाफ दर्ज किए गए, जबकि एक मामला पब 'कारा कारा पब' - के मैनेजमेंट के खिलाफ तय समय के बाद भी पब चलाने के लिए दर्ज किया गया। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें लोगों का एक समूह एक व्यक्ति को धक्का देकर जमीन पर गिराते और बहस के दौरान उसे बार-बार पीटते हुए दिख रहा है।

यूपी में प्रॉपर्टी टैक्स प्रणाली में बड़ा बदलाव, प्रदेश भर में सिर्फ 'ई-नगर सेवा' पोर्टल पर होगा काम

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के सभी निकायों में प्रॉपर्टी टैक्स (संपत्ति कर) निर्धारण और बिल जमा करने की प्रक्रिया बदल दी गई है। इसके साथ ही जलकर, सीवर कर और नामांतरण प्रक्रिया में भी बदलाव हो जाएगा। अभी तक नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में हाउस टैक्स निर्धारण और ल जमा करने के लिए अलग-अलग साफ्टवेयर हैं। जैसे लखनऊ नगर निगम में केंद्र के एनआइसी (नेशनल इनफार्मेशन सेंटर) पर काम होता है तो अन्य निकायों में एनआइसी से जुड़े साफ्टवेयर पर प्रॉपर्टी टैक्स के निर्धारण से लेकर बिल जमा हो रहे हैं।

शासन ने चार सितंबर को आदेश जारी कर नगरीय निकायों के पृथक ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स प्रक्रिया को बंद करने को कहा है। अब नए आदेश से सरकारी ई-नगर सेवा पोर्टल का उपयोग होगा। इस आदेश के बाद सभी निकायों में प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़े डाटा को ट्रांसफर की प्रक्रिया चालू हो गई है जिसमें 10 से 15 दिन लग सकते हैं। वैसे अभी तक सभी निकायों में ट्रेड लाइसेंस से लेकर अन्य पंजीकरण व टैक्स जमा करने का काम ई-नगर सेवा पर ही हो रहा है, सभी व्यवस्था को सरकारी पोर्टल पर लाकर पारदर्शी बनाए जाने का प्रयास है। इससे डाटा के लीक होने की संभावनाएं नहीं रहेंगी। स्थानीय निकाय निदेशालय के निदेशक अनुज कुमार झा की तरफ से चार सितंबर को सभी नगर आयुक्तों, नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी को भेजे आदेश में कहा गया है कि निकाय अलग से ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स के साफ्टवेयर को बंद कर दें और संबंधित अभिलेख, डाटा, सेवा संबंधी सूचनाएं ई-नगर सेवा पोर्टल एकीकृत प्रणाली से संचालित की जाए। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक किया जाए कि वह भी ई-नगर सेवा पोर्टल एकीकृत प्रणाली का ही उपयोग करेंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का ऑफिस शिफ्ट करने को 6.17 करोड़ रुपये आवंटित, आरटीआई में खुलासा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को सचिवालय से स्थानांतरित कर नामक्कल कविंगर मलिगाई की 10वीं मंजिल पर ले जाने के लिए 6.17 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत सामने आई है। सार्वजनिक (भवन) विभाग ने 23 अगस्त को दायर एक आरटीआई आवेदन के जवाब में यह आधिकारिक खुलासा किया है। सार्वजनिक सूचना अधिकारी और कार्यकारी अभियंता द्वारा दिए गए जवाब के अनुसार, सीएमओ के स्थानांतरण और संबंधित निर्माण कार्यों के लिए 6.17 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि मंजूर की गई है। इस वित्तीय आवंटन के सामने आने के बाद से राज्य सचिवालय परिसर के भीतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर होने वाले खर्च को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दूसरी ओर, विपक्षी नेताओं के हमलों और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर राज्य के मंत्री अरुण राज ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री विजय विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन और अन्य विधायकों द्वारा उठाए गए सभी सवालों के जवाब खुद देंगे। उन्होंने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था के बिगड़ने के सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अरुण राज ने उदयनिधि स्टालिन की उन टिप्पणियों की भी तीखी आलोचना की, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि द्रमुक शासन के दौरान कानून-व्यवस्था बेहतर थी।

गोदामों से 4 लाख की दवाएं जब्त

बेंगलुरु हॉकी क्लब में मिलीं एक्सपायर्ड ड्रिंक्स

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के दो बिना लाइसेंस वाले स्टोरेज गोदामों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ?4,02,352 मूल्य की दवाएं जब्त की हैं। विभाग के अनुसार, यह कार्रवाई नियमों के गंभीर उल्लंघन और बिना वैध ड्रग लाइसेंस के दवाओं के अवैध भंडारण एवं वितरण से जुड़ी सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। इस सिलसिले में पहली छापेमारी अनेकल तालुक के थट्टानहल्ली स्थित मेसर्स अमेजन सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के परिसर में की गई। राज्य खुफिया शाखा के सहायक औषधि नियंत्रक मनोहर के नेतृत्व में अधिकारियों ने यहां से ?2,45,352 मूल्य की दवाएं जब्त कीं।

वहीं, दूसरी कार्रवाई देवनहल्ली के एयरोस्पेस स्थित अमेजन केंद्र पर की गई, जहां बैंगलोर ग्रामीण की औषधि निरीक्षक विभा के नेतृत्व में टीम ने बिना लाइसेंस वाले परिसर से ?1,57,000 की दवाएं बरामद कीं। विभाग ने इसे अवैध दवा भंडारण के खिलाफ त्वरित और समन्वित कार्रवाई बताया है। इस मामले में अमेजन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। औषधि जब्ती के अलावा, खाद्य सुरक्षा विभाग ने शनिवार को ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी क्षेत्र के तहत आने वाले बेंगलुरु हॉकी क्लब का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों को क्लब परिसर में खाद्य सुरक्षा, लेबलिंग, स्वच्छता और कीट नियंत्रण से जुड़े गंभीर उल्लंघन मिले। निरीक्षण के दौरान क्लब के स्टोर में 40 बोतलें एक्सपायर्ड सॉफ्ट ड्रिंक्स की पाई गईं। इसके साथ ही, वहां रखी सोडा की बोतलों पर एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार लेबल नहीं लगे थे। रिपोर्ट में भोजन पकाने और भंडारण क्षेत्रों में भारी अस्वच्छता दर्ज की गई। अधिकारियों ने रसोई में कीट-पतंगों का प्रकोप पाया, जिससे खाद्य सामग्री के दूषित होने का गंभीर खतरा बना हुआ था। इन कमियों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रभाग ने सभी एक्सपायर्ड और गैर-मानक लेबल वाले उत्पादों को तुरंत जब्त कर लिया और क्लब के खाद्य व्यवसाय संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मानक अधिनियम 2006 तथा लाइसेंसिंग एवं पंजीकरण विनियम 2011 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बांग्लादेश में तेजी से फैल रहा डेंगू, अस्पतालों पर बढ़ा दबाव; इस साल 117 लोगों की मौत

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इस साल अब तक 42,590 लोग अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं और 117 लोगों की मौत हो चुकी है। सितंबर महीने में मामलों में आए अचानक उछाल ने अस्पतालों पर भारी दबाव डाल दिया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि आने वाले हफ्तों में यह मच्छर जनित बीमारी और भी गंभीर रूप ले सकती है। बांग्लादेश की स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कम से कम 4 डेंगू मरीजों की मौत हुई है और 1,558 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जो इस साल एक दिन में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

डेंगू एक ऐसी बीमारी है जो बुखार, गंभीर सिरदर्द और जानलेवा जटिलताओं का कारण बन सकती है। हाल के हफ्तों में इसके मामलों में भारी वृद्धि हुई है, जिसने 2023 में बांग्लादेश में आए अब तक के सबसे घातक डेंगू प्रकोप की चिंताएं फिर से पैदा कर दी हैं।

यह नया संकट ऐसे समय में आया है जब देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही खसरे के राष्ट्व्यापी प्रकोप से जूझ रही है। इस साल खसरे के कारण लगभग 1,000 बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी दबाव है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सितंबर का महीना अगस्त से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। गौरतलब है कि इस साल अगस्त में ही डेंगू के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे।

जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के चिकित्सा कीटविज्ञानी प्रोफेसर कबीरुल बशर ने कहा कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहा, तो इस महीने अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 30,000 के पार जा सकती है।

चांद हमारा है: अमेरिकी झंडे के साथ शेयर की तस्वीर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि चंद्रमा अमेरिका का है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चंद्रमा की एक तस्वीर पोस्ट की, जिस पर 'चंद्रमा हमारा है' लिखा था। उन्होंने तस्वीर के साथ अमेरिकी झंडा भी लगाया। चंद्रमा की तस्वीर पोस्ट करने से कुछ मिनट पहले, ट्रंप ने अमेरिकी अंतरिक्ष बल की नई काली वर्दी की एआई-जनरेटेड तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने रंगों का वर्णन 'स्पेस ग्रे, मिडनाइट ब्लैक, सिल्वर ग्रे और सैटिन ब्लैक' के रूप में किया। वर्दी में कंधे और कॉलर पर प्रतीक चिन्ह, आस्तीन पर पैच और एक बेल्ट थी। वहीं, ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर ' न्यू अमेरिका' रखने का भी सुझाव दिया। उन्होंने पोस्ट किया, 'कई लोगों ने न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर। न्यू अमेरिका रखने का सुझाव दिया। उस संभावित रूप से अविश्वसनीय राज्य के लोगों के लिए यह कितना अधिक प्रतिष्ठित और सुंदर नाम होगा। वाह, मुझे यह बहुत पसंद आया।' व्हाइट हाउस ने इस विचार का समर्थन किया। एक पोस्ट में 'मेक्सिको' को काटकर उसकी जगह 'अमेरिका' लिखा हुआ दिखाया गया था। न्यू मेक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने फॉक्स न्यूज पर जवाब देते हुए कहा कि राज्य का नाम विवाद का विषय नहीं है यह संयुक्त राज्य अमेरिका के अस्तित्व में आने से पहले से ही हमारा है।' उन्होंने कहा कि ट्रंप ईंधन की बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों से अमेरिकियों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। न्यू मेक्सिको को यह सुझाव देने से पहले एक आदेश जारी किया गया था। कुछ दिन पहले, ट्रंप ने कनाडा के साथ व्यापार विवाद के बीच लेक ओंटारियो का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने 27 अगस्त को ओवल ऑफिस से इस घोषणा की थी।

यमन में फिर भड़की जंग: हूतियों और सेना में भीषण लड़ाई, चार दिन में 117 लोगों की हुई मौत

एडेन, एजेंसी। पश्चिमी प्रांतों ताइज और होदेइदाह में यमनी सरकारी सेना और हूती समूह के बीच चार दिनों से भीषण झड़प चल रही है। इसमें अबतक कम से कम 117 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी मेडिकल अधिकारियों ने दी। पश्चिमी तट के मोर्चे पर सरकारी सेना के साथ मौजूद एक वरिष्ठ मेडिकल अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि गुरुवार को लड़ाई शुरू होने के बाद से सरकारी सेना के 54 सैनिक मारे गए हैं। कई अन्य घायल हुए हैं। वहीं, पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हूती -नियंत्रित अस्पतालों के दो मेडिकल सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान हूती समूह के 63 सदस्य मारे गए, जिससे दोनों पक्षों की कुल मरने वालों की संख्या 117 हो गई।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- [illegible]
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- [illegible]
मोबाइल - 9810229192
3- [illegible]
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नज़र पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

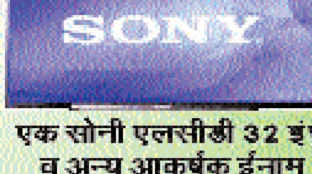

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नज़र के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को छुपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा